चैत्र माह, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 65, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | बुधवार 30 मार्च 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

न्यूज फ्लैश

फिर बढ़ी पेट्रोल-डीजल की कीमत

नई दिल्ली: सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मंगलवार को एक बार फिर बढ़ोतरी कर दी है। सुबह 6 बजे से पेट्रोल और डीजल की नई कीमतें प्रभावी हो गई हैं। सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने दिल्ली में पेट्रोल की कीमत में प्रति लीटर 80 पैसे और डीजल की कीमत में प्रति लीटर 70 पैसे का इजाफा कर दिया है। इस बढ़ोतरी के बाद राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 100 रुपये के स्तर को पार कर 100.21 रुपये और डीजल 91.41 रुपये प्रति लीटर की कीमत पर बिक रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई जबरदस्त उछाल के कारण सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को अपने संचित घाटे को पूरा करने के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमत में लगातार बढ़ोतरी करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। 22 मार्च से लेकर आज तक के दौरान सिर्फ 24 मार्च को छोड़कर हर दिन मार्केटिंग कंपनियों को पेट्रोल डीजल की कीमत में बढ़ोतरी करना पड़ा है। यानी 22 मार्च से अभी तक के आठ दिनों में पेट्रोल की कीमत में सात बार बढ़ोतरी की जा चुकी है। इन सात बढ़ोतरियों में से 22, 23, 25 और 26 मार्च को पेट्रोल और डीजल दोनों जिंसों की कीमत में प्रति लीटर 80 पैसे की बढ़ोतरी की गई थी। जबकि 27 मार्च को पेट्रोल में 50 पैसे और डीजल में 55 प्रति लीटर की, 28 मार्च को पेट्रोल में 30 पैसे और डीजल में 35 पैसे प्रति लीटर की और आज पेट्रोल में 80 पैसे और डीजल में 70 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है।

हीरो मोटोकॉर्प के ठिकानों पर आयकर छापे में 1000 करोड़ रुपये का घोटाला उजागर

नई दिल्ली: देश की अग्रणी दुपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प की मुश्किलें कम नहीं हो रही है। कंपनी के कई ठिकानों पर आयकर विभाग के छापे में एक हजार करोड़ रुपये के घोटाले का पता चला है। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक आयकर विभाग के छापे के दौरान पता चला कि कंपनी के अकाउंट में इसे खर्च के रूप में दिखाया गया था।

पीएम ने 5.21 लाख को सौंपी घर की चाभी

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गांवों में बने ये सवा पांच लाख घर, सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है। ये सवा पांच लाख घर, देश में सशक्त होते गरीब का पहचान है: मोदी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लगभग 5.21 लाख लाभार्थियों के गृह प्रवेश का उद्घाटन करते हुए कहा कि ये घर महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रतिबिंब हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर अपरोक्ष रूप से तंज कसते हुए कहा कि हमारे देश में कुछ दलों ने गरीबी दूर करने के लिए नारे बहुत लगाए लेकिन गरीबों को सशक्त करने के लिए काम नहीं किया। एक बार जब गरीब सशक्त होता है तो उसमें गरीबी से लड़ने का हौसला आता है। एक ईमानदार सरकार के प्रयास, एक सशक्त गरीब के प्रयास जब साथ मिलते हैं तो गरीबी परास्त होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गांवों में बने ये सवा पांच लाख घर, सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है। ये सवा पांच लाख घर, देश में सशक्त होते गरीब का पहचान हैं। गरीबों को अपना पक्का घर देने का ये अभियान सिर्फ एक सरकारी योजना नहीं है। ये गांव को, गरीब को विश्वास देने की प्रतिबद्धता है। ये गरीब को गरीबी से बाहर निकलने की हिम्मत देने की पहली सीढ़ी है। पीएम मोदी ने कहा कि कुछ ही दिन में नववर्ष विक्रम संवत 2079 शुरू होने जा रहा है। नववर्ष में नए घर में गृह प्रवेश, यह अपने आप में जीवन की अनमोल बेला है। मैं आप सबको बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे देश में कुछ दलों ने गरीबी दूर करने के लिए नारे बहुत लगाए, लेकिन गरीबों को सशक्त नहीं किया। मेरा विश्वास है कि गरीब जब सशक्त होता है तो उसमें गरीबी से लड़ने का हौंसला आता है। उन्होंने यह भी कहा कि गरीब को पक्का घर देने का यह अभियान सिर्फ सरकारी योजना नहीं है, यह गांवों और गरीब को विश्वास देने की प्रतिबद्धता है।

जब गरीब के सिर पर पक्की छत होती है तो वह अपना पूरा ध्यान बच्चों की पढ़ाई और दूसरे कामों

भारत नारी शक्ति को सशक्त बनाने में जुटा: प्रधानमंत्री मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि भारत शक्ति की उपासना करने वाल देश है। नवरात्रि आने वाली है। हम देवियों की आराधना करेंगे। हमारी देवियां दुश्मनों का संहार करने वाली हैं। अस्त्र-शस्त्र की उपासक हैं। ज्ञान, कला की प्रेरणास्त्रोत हैं। 21वीं सदी का भारत उन्हीं से प्रेरणा लेते हुए खुद और नारी शक्ति को सशक्त बनाने में जुटा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जो घर बने हैं, उनमें से दो करोड़ घरों पर मालिकाना हक महिलाओं का भी है। इसने घर के आर्थिक फैसलों में भी महिलाओं की भागीदारी को मजबूत किया है। यह दुनिया की यूनिवर्सिटियों के लिए केस स्टडी का विषय है। मध्य प्रदेश की यूनिवर्सिटियों को भी इस पर स्टडी करनी चाहिए। इससे पहले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छतरपुर के कॉलेज ग्राउंड में आयोजित 'गृह प्रवेशम' कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी जी गरीबों की जिंदगी में नया सवेरा लेकर आ रहे हैं। यह गरीबों की जिंदगी बदलने का अभियान है।

भाजपा ने कश्मीरी पंडितों के लिए नहीं किया कोई काम: विधायक आतिशी

नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी (आप) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया है कि इन्होंने बीते आठ वर्षों में कश्मीरी पंडितों के हित में कोई काम नहीं किया है। जबकि दिल्ली सरकार ने 233 कश्मीरी शिक्षकों को दिल्ली में पक्की नौकरी दी है। आप प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज और विधायक आतिशी ने मंगलवार को एक साझा प्रेसवार्ता में कहा कि केन्द्र सरकार और दिल्ली के उपराज्यपाल ने इन 233 कश्मीरी टीचर को पक्का करने से रोकने का काम किया था। लेकिन केजरीवाल सरकार ने कश्मीरी पंडितों के हक में लड़ाई लड़ी और उनको पक्की नौकरी दी। सौरभ ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार ने कश्मीरी पंडितों के लिए कुछ नहीं किया है।

बीते आठ वर्षों से भाजपा ने कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास का विरोध किया है। उसके खिलाफ काम किया है।

जम्मू-कश्मीर में लोस और विस की सीटों के परिसीमन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर का परिसीमन करने की प्रक्रिया को चुनौती दी गई है। याचिका में जम्मू और कश्मीर में लोकसभा और विधानसभा की सीटों के परिसीमन का विरोध किया गया है। हाजी अब्दुल गनी खान और डॉ. मोहम्मद अयूब मट्टू ने दायर याचिका में कहा है कि परिसीमन आयोग का गठन परिसीमन अधिनियम की धारा 3 के तहत बिना किसी क्षेत्राधिकार और अधिकार के किया गया है। केंद्र सरकार की ओर से परिसीमन आयोग का गठन करना निर्वाचन आयोग के क्षेत्राधिकार में दखल देना है। याचिका में कहा गया है कि जम्मू और कश्मीर में सीटों की बढ़ोतरी संविधान संशोधन करके ही की जा सकती है।

पीके की भविष्यवाणी: आप को राष्ट्रीय दल बनने में लगेंगे 15-20 साल

नई दिल्ली: दिल्ली के बाद पंजाब में भी सत्ता पर काबिज होने के बाद आम आदमी पार्टी के हौंसले बुलंद हैं। आप अब गुजरात में भी अपनी सक्रियता बढ़ाने में लगी है। इस बीच, चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने भी आम आदमी पार्टी को लेकर बड़ी भविष्यवाणी कर दी है। प्रशांत किशोर ने कहा है कि कोई भी पार्टी रातोंरात नेशनल पार्टी नहीं बन जाती। आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी बनने में अभी लंबा वक्त लगेगा। यह समय कम से कम 15 से 20 साल हो सकता है। दिग्गज चुनावी रणनीतिकार ने कहा कि किसी भी दल को राष्ट्रीय पार्टी बनने के लिए 20 करोड़ वोट हासिल करने की जरूरत होती है, जबकि आप को 2019 में मात्र 27 लाख वोट मिले थे। इसको देखते हुए आम आदमी पार्टी के लिए अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। पंजाब में आम आदमी पार्टी के क्लीन स्वीप करने के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि सैद्धांतिक रूप से कोई भी दल राष्ट्रीय पार्टी हो सकता है, लेकिन इतिहास के पन्नों को देखने पर यह साफ है कि सिर्फ भाजपा और कांग्रेस ही पूरे देश के लोगों तक पहुंच चुके हैं। अभी तक देश में सिर्फ कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी ही राष्ट्रीय पार्टी के रूप में उभर कर सामने आई है। कई अन्य दलों ने समय-समय पर इसकी कोशिश की है, लेकिन वे सफल नहीं हुए हैं।

जल शक्ति अभियान: राष्ट्रपति ने किया 'कैच द रेन' का शुभारंभ

नई दिल्ली: राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने मंगलवार को देश में जल संरक्षण की मुहिम को मजबूती देने के लिए जल शक्ति अभियान: कैच द रेन यानी वर्षा जल का संरक्षण अभियान 2022 का शुभारंभ किया। यह अभियान 30 नवंबर तक चलेगा। अभियान के के दौरान सभी सरपंच विशेष ग्राम सभा का संचालन करेंगे और ग्रामीणों को जल संरक्षण की शपथ दिलाएंगे। यह अभियान मानसून अवधि को ध्यान में रखकर देश के सभी जिलों (ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों) में लागू रहेगा। इस वर्ष अभियान में कुछ नई विशेषताएं जोड़ी गई हैं जैसे स्प्रिंग शेड विकास, जलग्रहण क्षेत्रों की सुरक्षा, जल क्षेत्र में लैंगिक मुख्यधारा शामिल हैं। लैंगिक मुख्यधारा से जल प्रशासन व संरक्षण और प्रबंधन में महिलाओं की भूमिका को बढ़ावा मिलने की आशा है।

सांसद सरकार की योजनाओं के बारे में जनता को बताएं: मोदी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी संसदीय दल की बैठक में कहा कि सरकार की योजनाओं के बारे में सांसद नागरिकों से जानकारी साझा करें। वहीं बैठक के दौरान सांसदों ने मुफ्त राशन योजना की अवधि में विस्तार करने के लिये प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया। संसदीय कार्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि बैठक में भाजपा सांसदों ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के विस्तार के लिये प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया।

भारत-श्रीलंका के बीच बिजली परियोजनाओं पर हुए समझौते

कोलंबो: भारत और श्रीलंका ने उत्तरी जाफना से दूर तीन श्रीलंकाई द्वीपों पर हाइब्रिड बिजली परियोजनाओं को लागू करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह पिछले साल कैबिनेट द्वारा स्वीकृत चीनी परियोजना की जगह लेंगे। जनवरी 2021 में चीनी फर्म सिनोसार-एटेच्विन को जाफना के तट पर नैनातिवु, डेल्फ्ट या नेदुन्थीवु और एनालाइटिवू में एक हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली स्थापित करने का अनुबंध मिला था, लेकिन भारत द्वारा उठाई गई आपत्तियों के बाद इस पर पुनर्विचार किया गया। ये तीनों टापू तमिलनाडु के करीब स्थित हैं। भारतीय दूतावास ने कहा एक बयान में कहा कि कोलंबो में मौजूद विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके श्रीलंकाई समकक्ष जीएल पेइरिस ने सोमवार को जाफना से तीन द्वीपों में हाइब्रिड बिजली परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

भारत ने जताई थी आपत्ति: चीन ने पिछले साल एक तीसरे पक्ष से सुरक्षा चिंता का हवाला देते हुए हाइब्रिड ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की परियोजना को निलंबित कर दिया था। भारत द्वारा इसकी जगह को लेकर चिंता जताने की रिपोर्ट के बीच चीन ने यह फैसला लिया था।

मोदी कार्यकाल में 65% बढ़ा एफडीआई प्रवाह: वित्त मंत्री

नई दिल्ली: मंगलवार को राज्यसभा में बोलते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अब तक के कार्यकाल की उपलब्धियों को गिनाया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के सात साल और 9 महीनों के कार्यकाल में दिसंबर 2021 तक भारत में एफडीआई प्रवाह 500.5 अरब डॉलर रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि यह आंकड़ा यूपीए के पूरे 10 साल के शासन के दौरान रहे एफडीआई प्रवाह से लगभग 65 फीसदी अधिक है।

महामारी में 32 देशों ने बढ़ाया टैक्स: राज्य सभा में चर्चा के दौरान वित्त मंत्री सीतारमण ने टैक्स को लेकर भी बात की। उन्होंने ओईसीडी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि इसने स्पष्ट रूप से दिखाया है कि कोरोना महामारी के प्रकोप के दौरान दुनियाभर के लगभग 32 देशों ने अपने यहां पर विभिन्न कर दरों में बेतहाशा वृद्धि की थी। लेकिन कोरोना काल में चल रही सभी अटकलों के बावजूद हमने ऐसा नहीं किया। देश के आम लोगों के हितों की रक्षा करते हुए मोदी सरकार ने न तो टैक्स में कोई बढ़ोतरी की और न ही कोई नया टैक्स लगाया।

रूस-यूक्रेन युद्ध का किया जिक्र: निर्मला सीतारमण ने आगे चर्चा करते हुए 33 दिनों से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध का भी जिक्र किया।

वित्त मंत्री ने कहा कि इन दोनों देशों के बीच जारी भीषण युद्ध के कारण भू-राजनैतिक हालात किसी से भी छिपे नहीं हैं। इसे युद्ध का असर दुनिया के लगभग सभी देशों में देखने को मिल रहा है।

डांवाडोल अर्थव्यवस्था में बाजीगर बने गौतम अडाणी

नई दिल्ली: कारोबारी जगत के लिए 2022 की शुरूआत से ही लगातार दबाव वाला साल बना हुआ है। कोरोना महामारी पर काबू पाने के बावजूद वैश्विक अर्थव्यवस्था अभी तक पटरी पर नहीं आ सकी है। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध ने अर्थव्यवस्था को और भी डांवाडोल कर दिया है। ऐसी विषम परिस्थितियों में भी भारतीय उद्योगपति गौतम अडाणी बाजीगर बनकर उभरे हैं, जिन्होंने इस साल अभी तक 18.4 अरब डॉलर की कमाई करने में सफलता हासिल की है। 18.4 अरब डॉलर की कमाई के साथ उनकी व्यक्तिगत संपत्ति 94.9 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। ब्लूमबर्ग बिलियनरीज इंडेक्स के आंकड़े बताते हैं कि 2022 में गौतम अडाणी व्यक्तिगत संपत्ति में बढ़ोतरी करने के मामले में पूरी दुनिया में दूसरे स्थान पर रहे हैं। इस साल अभी तक गौतम अडाणी से अधिक कमाई सिर्फ वॉरेन बफेट ने की है, जो अभी तक 21.1 अरब डॉलर की कमाई कर चुके हैं। दुनिया के सबसे रईस व्यक्तियों की सूची में गौतम अडाणी 11वें स्थान पर हैं। कमाई करने के मामले में इस साल अभी तक वे भारत के सबसे रईस उद्योगपति मुकेश अंबानी समेत दुनिया के शीर्ष रईस उद्योगपतियों एलन मस्क, जैफ बेजॉस, बर्नार्ड अरनॉल्ट और बिल गेट्स तक को पीछे छोड़ चुके हैं।

असम-मेघालय के बीच सुलझा 50 साल पुराना सीमा विवाद

नई दिल्ली: असम व मेघालय के बीच 50 साल पुराना सीमा विवाद खत्म हो गया है। दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने दिल्ली में एक समझौते पर हस्ताक्षर कर विवाद का अंत कर दिया। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। उनकी मौजूदगी में ही गृह मंत्रालय में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और मेघालय के सीएम कोनराड संगमा ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। बैठक में दोनों राज्यों के मुख्य सचिव भी मौजूद थे। अमित शाह ने समझौते का ब्योरा देते हुए कहा, "मुझे खुशी है कि आज विवाद की 12 जगहों में से 6 पर असम और मेघालय के बीच समझौता हुआ है। सीमा की लंबाई की दृष्टि से देखें तो लगभग 70% सीमा आज विवाद मुक्त हो गई है। मुझे भरोसा है कि बाकी की 6 जगहों को भी हम निकट भविष्य में सुलझा देंगे।" उन्होंने आगे कहा, "आज का दिन एक विवाद मुक्त पूर्वोत्तर के लिए ऐतिहासिक दिन है, देश में जब से मोदी जी प्रधानमंत्री बने तब से पूर्वोत्तर की शांति प्रक्रिया, विकास, समृद्धि और यहां की सांस्कृतिक धरोहर के संवर्धन के लिए अनेक वृहद प्रयास किए।"

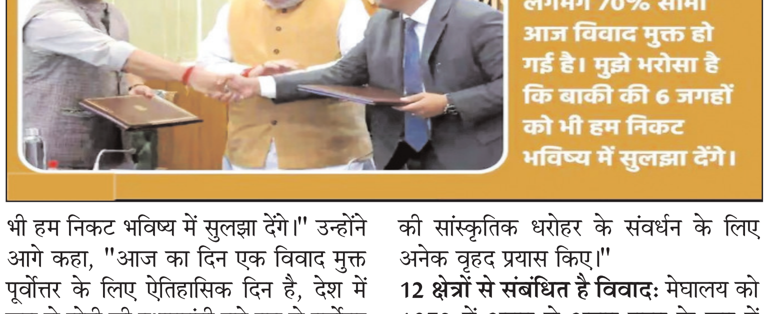

12 क्षेत्रों से संबंधित है विवाद: मेघालय को 1972 में असम से अलग राज्य के रूप में बनाया गया था और इसने असम पुनर्गठन अधिनियम, 1971 को चुनौती दी थी, जिससे साझा 884.9 किमी लंबी सीमा के विभिन्न हिस्सों में 12 क्षेत्रों से संबंधित विवाद पैदा हुए थे। दोनों राज्यों के बीच कई बार सीमा विवाद भड़क चुके हैं। 2010 में ऐसी ही एक घटना में लैंगपीह में पुलिस गोलीबारी में चार लोग मारे गए थे।

बिस्वा ने पीएम मोदी से की मुलाकात: गृह मंत्रालय में समझौते से पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। जानकारी के मुताबिक, गृह मंत्रालय में बैठक शाम चार बजे के बाद होनी है। मेघालय के सीएम कोनराड के संगमा ने कहा कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की ओर से इस सीमा विवाद को सुलझाने के लिए बहुत जोर दिया गया।

बिम्सटेक सम्मेलन में विदेश मंत्री ने की सहयोग बढ़ाने की अपील

कोलंबो: विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने मंगलवार को बंगाल की खाड़ी के देशों से वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में अपनी घरेलू क्षमता को पहचानने और बिम्सटेक के अंतर्गत सहयोग को बढ़ाने की अपील की। बे ऑफ बंगाल इनीशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्ट्रल टेक्निकल एंड इकोनामिक कॉरपोरेशन के मंत्रीस्तरीय विमर्श में जयशंकर ने यहां भागीदारी की। सदस्यों में भारत के अलावा बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, म्यांमार और थाईलैंड शामिल हैं। जयशंकर ने श्रीलंका के विदेश मंत्री प्रो. जी. एल. पीयरिस को उनके आतिथ्य के लिए धन्यवाद दिया। अपनी भागीदारी के बारे में विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने विमर्श में सहयोग के क्षेत्रों, विशेष रूप से कनेक्टिविटी, ऊर्जा तथा समुद्री सहयोग को मजबूत करने और विस्तार देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस दिशा में सक्रिय व्यापार गठबंधन और साझा परियोजनाओं को प्रोत्साहन दिया जाएगा। बन्दरगाह सुविधाएं, नौका सेवाएं और तटीय नौवहन, ग्रिड कनेक्टिविटी तथा मोटर वाहन परिवहन प्रमुख हैं। विदेश मंत्री कहा कि वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था गंभीर चुनौती से गुजर रही है।

खबर संक्षेप

सरवर ना चलने से पात्र किसान परेशान

सहसों। पीएम किसान सम्मान निधि के पात्र किसान इंटरनेट के दुकानों व सीएससी सेंटरों का चक्कर लगा रहे हैं परंतु उनका पीएम किसान का ईकेवाईसी अपडेट नहीं हो पा रहा है। महज इसके कि पीएम किसान का सरवर नहीं चल पा रहा है जिससे बेचारे पात्र किसान बेहद मायूस दिख रहे हैं कारण यह कि अंतिम तिथि नजदीक आता जा रहा है। क्षेत्र के किसान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि को लेकर काफी परेशान हैं पात्र किसानों का कहना है कि विभाग द्वारा जान बूझकर ऐसा किया जा रहा है ताकि पात्र किसानों का आधार मोबाइल नंबर अपडेट न हो ईकेवाईसी ना हो सके जिससे पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ पात्र किसान ना पाकर अपात्र किसान इसका लाभ उठा सकें।

कब्र खोदकर निकाला गया किशोरी का शव

अखंड भारत संदेश

हनुमानगंज। सराय इनायत थाना क्षेत्र के एक गांव में 20 दिन पहले एक किशोरी की संदिग्धावस्था में मौत हो गई थी उसके शव को लीलापुर घाट पर दफना दिया गया था बेटी की मौत के बाद मां ने दुष्कर्म कर बेटी की हत्या की आशंका जताते हुए जिले के उच्च अधिकारियों को प्रार्थना पत्र दिया था जिसमें बेटी के शव को कब्र से खुदवाकर पोस्टमार्टम कराने की मांग की गई थी। जिसमे जिलाधिकारी द्वारा टीम गठित की गई और मंगलवार कि दोपहर मृतका की मां और मामा तथा मौसेरे भाई के साथ फूलपुर एसडीम अम्ब्रीश कुमार सीओ रामसागर एसो सराय इनायत सुशील कुमार दुबे लीलापुर घाट पहुंचे और उनकी मौजूदगी मे किशोरी के शव को कब्र से खुदवाकर बाहर निकाला गया। शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बतादें कि 20 दिन पहले एक 16 वर्षीय किशोरी कि फंदे से लटकती हुई लाश उसके घर में मिली थी। परिजन तथा ग्रामीणों ने बिना पुलिस को इतला दिए घटना को आत्महत्या समझकर शव को लिलापुर घाट पर दफना दिए थे लेकिन घटना के 5 दिन बाद मृतका की मां ने अधिकारियों को एक

पुलिस के संरक्षण में कब्र खोदकर निकाला गया शव

प्रार्थना पत्र दिया जिसमें कहा गया कि बेटी की मौत के बाद जब वह कमरे की साफ सफाई कर रही थी तो उसी समय एक मोबाइल मिला उसमे कई मिसकाल पडे. थे। जबकि मां ने कहा है कि बेटी के पास कोई मोबाइल नहीं था। वहीं घर से कुछ दूरी पर एक गिलट की चैन तथा दो अंगूठी और वहीं कुछ दूर पर नाली के पास आपत्तिजनक वस्तु पाई गई थी जिस पर मां ने आशंका जताई है कि उसके बेटी के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी गई है ।उसने अधिकारियों से कब्र खुदवाकर बेटी का शव निकलवा कर पोस्टमार्टम कराने की मांग किया था जिसपर जिलाधिकारी व एसएसपी के आदेश पर एक टीम गठित किया गया और मंगलवार कि दोपहर टीम के मौजूदगी मे उसके शव को कब्र से खोदकर बाहर निकाला गया । और शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सीओ फूलपुर राम सागर के मुताबिक पीएम रीपोर्ट और मिली मोबाइल का सीडिआर रिपोर्ट आने पर ही कार्यवाही की जाएगी।

रुद्रा संगम एलटीज वेलफेयर सोसाइटी का गठन

झूँसी प्रयागराज। रुद्रा संगम अपार्टमेंट अन्दावा झूँसी में बिल्डर द्वारा सोसाइटी स्थानांतरित करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है इसके तहत रुद्रा अपार्टमेंट के एलटीज द्वारा सोसाइटी के प्रतिनिधियों के चयन हेतु चुनाव सम्पन्न कराया गया। चुनाव में रुद्रा परिवार के सदस्यों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। कुल एलटीज 377 में से 254 वोटरों ने वोटिंग की। चुनाव अधिकारी प्रमोद कुमार दिवेदी ने बताया कि निम्न पदाधिकारी विजयी हुए हैं अनिल सिंह अध्यक्ष पर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी संतोष सिंह को 09 मतों से पराजित कर अध्यक्ष पद पर विजय प्राप्त किया । साथ ही उपाध्यक्ष पद पर अशोक यादव, सचिव सन्तोष द्विवेदी के साथ साथ रीतू सिंह, शौरभ सिंह, रितु पाठक,सतीश सिंह , सुरेश चंद्र शुक्ला ने सदस्य पद पर विजयी हुए है। चुनाव शान्त पूर्ण एवं सकुशल सम्पन्न हुआ। चुनाव में दो पैनल के बीच कटे की टक्कर रही। टॉवर चार से सदस्य पद पर अजय वर्मा एवं सुरेश चंद्र शुक्ल ने बराबर वोट पाने के बाद लाटरी सिस्टम से विजेता पद का निर्णय हो सका। सोसाइटी के वरिष्ठ सदस्य वी0बी0 सिंह, आलोक मिश्रा, जी0 सी0 पाण्डेय , सुनील श्रीवास्तव, अशोक कुमार मिश्रा आदि ने विजयी प्रत्याशियों को बधाई दी।

न्यूज झरोखा

गरीब के आशींयाने मे लगी आग,गृहस्थी का सामान जलकर हुई राख

माण्डा। प्रयागराज माण्डा थाना क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम पंचायत खुरमा मे अभतराज पाल एवं शिवराज पाल के घर मे आग लग गई।उस समय घर का कोई सदस्य घर पर मौजुद नही थे। घर मे आग की ऊंची लपटे निकलते देख कर गांव के लोग आग? बुझाने दौडें , लेकिन आग कि विकराल रूप देखकर लोग घबरा गए । और उसी समय तेज हवा चलने लगी। तो बगल मे श्यामजी पाल के मडहे मे आग धधकने लगी और चिनगारी से श्याम बहादूर व दीन बन्धू पाल के गौशाले तक आग विकराल रुप धारण कर लिया। बाद मे भीड़ जुटने पर लोगो ने फायर विग्रेड को सुचना दी तो दो घण्टे कि मशवकत के बाद आग पर काबु पाया गया।तब फायर कि गाडी पहुची आग मे झुलसने से घर के अन्दर रखा सामान सन्दुक मे रखे कपडा ,व जेवरात लगभग एक किलो चाँदी व सोने कि जंजीर,अंगूठी,लाकेट, गले का हार जलकर नष्ट हो गया।आग कि चपेट मे आने से पास मडंहे मे बधी श्यामजी पाल कि भैस,बकरीया व गृहस्ती का सामान जलकर राख हो गया। भुक्तभोगी पीड़ित के कहने के अनुशार आग लगने से लगभग आठ लाख का नुकशान हुआ है।

केशव प्रसाद मौर्य से मिले वरिष्ठ भाजपा नेता योगेश शुक्ला

मेजा रोड। प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की दूसरी बार सरकार बनने पर भाजपा के वरिष्ठ नेता केशव प्रसाद मौर्य जी को लगातार दूसरी बार उपमुख्यमंत्री के पद पर मनोनीत किए जाने एवं उनको ग्रामीण विकास मंत्रालय सहित 6 मंत्रालय दिए जाने पर हर्ष व्यक्त करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता योगेश शुक्ल ने कहा कि केशव प्रसाद मोर्य जन जन के नेता हैकलोक निर्माण मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा कभाजपा नेता शशांक शेखर पांडेय ने भी केशव जी को को उपमुख्यमंत्री बनाए जाने पर स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दिया क कहा कि श्री मौर्य उत्तर प्रदेश के विकास के पर्याय हैं,युवाओं के चहेते हैं, उनके ग्राम विकास मंत्री बनने पर उतर प्रदेश के सभी गांव का नया सिरे से विकास होगा ऐसा हम सभी को विश्वास है कउक्त जानकारी भाजपा नेता विनय कुमार शुक्ला ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में देते हुए श्री मौर्य को ग्रामीण विकास मंत्री बनने पर बधाई दिया।

प्रशिक्षुओं को हर जन्मदिन पर दिलाया गया पौधे लगाने का संकल्प

प्रयागराज। यमुनापार के गौहनिया स्थित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के सेंटर पर पर्यावरण जागरूकता अभियान को लेकर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जादूगर नरेंद्र केशरवानी ने अपने विभिन्न प्रकार के जादुओ के जरिए प्रशिक्षणरत बच्चों को पर्यावरण जागरूकता के संबंध में बताया। बच्चों को अपने हर जन्मदिन पर एक पौधा लगाने का संकल्प दिलाया गया इस दौरान एक जन जागरूकता रैली निकाली गई जिसमें सुनहरा भविष्य विकास समिति के प्रोजेक्ट हेड प्रवीण द्विवेदी, सेंटर मैनेजर सूर्य प्रकाश त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा संचालित एवं रामाश्रय कल्याण संस्थान की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में संस्था के निदेशक ओम प्रकाश मिश्र, जादूगर नरेंद्र गोगा समेत सैकडों प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया।

अगर तुम हंस कर बोलो तो सिकंदर टूट जाता है...

कोरांव। क्षेत्र के भारतगंज स्थित कनक गेस्ट हाउस में आयोजित होली मिलन समारोह हास्य कवि सम्मेलन में तिवारी बंधुओं के होली गीतों ने समां बांधा वहीं मंच पर पहुंचे कवियों ने श्रोताओं को जी भर गुदगुदाया। बनारस से आई कवयित्री विभा शुक्ला द्वारा प्रस्तुत वाणी वंदना के उपरांत आकाशवाणी और दूरदर्शन के कार्यक्रमों से जुड़े चर्चित हास्य कवि अशोक बेशरम ने संचालन के दौरान खूब तालियां बटोरी। उन्होंने पढा-अगर तुम हंस कर बोलो तो सिकंदर टूट जाता है, उछलते ज्वार भाटो में समुंदर टूट जाता है। बेशर्म बसंत नामा की हास्य छणिका, फागुन के महीना में बिना दांत के बाबा,चाभैं जो चवनप्राश तो समझो बसंत है,पर खूब ठहाके लगे। हास्य कवि अखिलेश द्विवेदी ने सामाजिक विकृतियों पर तंज कसते हुए खूब वाहवाही लूटी तो वहीं लालजी सिंह देहाती ने कहा-वोट दिहेव तो का करी,का ढोल बजाई का? जीतेंद्र जलज के गीतों ने प्रेम सद्भाव के रंगों से श्रोताओं को सराबोर किया। नजर इलाहाबादी की कविताओं पर भी खूब ठहाके लगे तो वही राजकुमार अंजाना ने भी अपने छंदों मुक्तकों से लोगों को फागुनी रंग से सराबोर किया। इस दौरान नगर पंचायत सिरसा भारतगंज और कोराव के अध्यक्ष को मंच पर सम्मानित किया गया ।सोनी बंधुओं ने सभी कवियों कलाकारों और आगंतुक क्षेत्रवासियों के प्रति स्वागत आभार प्रकट किया कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

फरियाद लेकर गए व्यक्ति को चौकी प्रभारी ने की पिटाई

अखण्ड भारत संदेश

माण्डा। प्रयागराज माण्डा थाना क्षेत्र जब पीड़ित ही थाने में पिट जाय तो न्याय की दुहाई देने वाली पुलिस दबंगों के आगे घुटने टेक दे रही है कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा।ऐसा ही एक मामला मांडा थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस चौकी भारतगंज में पीड़ित फरियादी भाइयों की पिटाई का मामला प्रकाश में आया है, जहां चौकी प्रभारी ने लाठी-डंडे और लात-घूंचे मार-मार कर दो फरियादी भाइयों को बेहाल कर दिया। मामले में क्यों न ही न्यायालय का आदेश ही हो। भारतगंज के दबंग चौकी प्रभारी आशीष राय ऐसे किसी भी आदेश को नहीं मानते हैं।

आप को बता दें मामला पुलिस चौकी क्षेत्र ग्राम सभा सकरी की है, जहां भूमि संख्या 180 विवादित होने के बाद एसीजीएम न्यायालय द्वारा स्थगन का आदेश दिया गया।बावजूद दबंग विपक्षियों के द्वारा उक्त भूमि पर जबरन कब्जे का प्रयास किया जा रहा है। इसी मामले को लेकर रविवार को पुलिस चौकी भारतगंज न्याय मांगने गए, पीड़ित रजनीश पाठक तथा संजय

कुमार दोनों भाइयों को दबंग चौकी प्रभारी आशीष राय ने बेरहमी के साथ जमकर कूट दिया। लाठी-डंडे और लात भूसे की पिटाई में एक भाई लहूलुहान भी हो गया, जबकि दूसरे भाई को भी काफी चोटें आई। घटनाक्रम में दोनों भाइयों ने बताया कि भूमि संख्या 180 पर जबरन टावर निर्माण कर कब्जा किया जा रहा है, जिसके बाबत कोर्ट की शरण ली गई। माननीय न्यायालय ने मामले को संज्ञान में लेते हुए विवादित भूमि संख्या 180 पर 20 दिसंबर 21 को स्थगन के साथ वादीगण के शांतिपूर्वक कब्जा में कोई अवरोध न उत्पन्न करने का आदेश दिया था। पीड़ित दोनों भाइयों ने बताया कि विपक्षी दबंगई को देखते हुए तहसील मजिस्ट्रेट के यहां स्थगन कोर्ट आदेश के साथ प्रार्थना पत्र दिया था। तहसील मजिस्ट्रेट ने मांडा पुलिस को न्यायालय आदेश के क्रम में कार्रवाई हेतु निर्देशित किया था। मामले में दोनों भाइयों ने भारत गंज पुलिस चौकी प्रभारी आशीष राय के खिलाफ दबंग विपक्षी के साथ सांठ-गांठ का आरोप लगाया है।

कहा कि तभी तो कोर्ट आदेश के बाद भी उक्त भूमि पर राजस्व एवं पुलिस दबंगों की दबंगई को नहीं रोक पा रही है। भूमि संख्या 180 पर दबंग विपक्षी के नियत को देखते हुए बार-बार पुलिस का दरवाजा खटखटाना महंगा पड़ गया। पिटाई भी इस कदर कि कंधे पर रखा हुआ रुमाल भी खून से सन जाए। दोनों भाइयों पर पुलिस की बर्बरता के बाद लोगों में उक्त चौकी प्रभारी का खौफ व्याप्त है। पीड़ित दोनों भाइयों ने उक्त घटना की शिकायत तहसील उच्च अधिकारियों से की है। वही पुलिस चौकी पर अराजक तत्वों द्वारा लेन-देन की सक्रियता भी सामने आ रही है।

चौका में ट्रक एवं बाईक की टक्कर में युवक की हालत चिंताजनक

जंघई। सरायममरेज थानांतर्गत जंघई वरूणा मार्ग पर चौका गांव में मंगलवार सुबह बाईक और ट्रक की आमने-सामने भिड़ंत होने से हरीपुर पट्टी गांव के देवेन्द्र दुबे उम्र 33 वर्ष पुत्र तूफानी का बायां पैर ट्रक के नीचे आ गया जिससे पैर की हड्डियां बाहर आ गई और अधिक खून निकलने से स्थिति चिंताजनक बनी हुई है स्वरुपरानी अस्पताल प्रयागराज में इलाज जारी है। देवेन्द्र दुबे मंगलवार को सुबह सीमेंट लेने जंघई बाजार गये थे वहां से वापस अपने घर जा रहे थे कि बरूणा मार्ग से आ रही ट्रक ने चौका गांव में सामने से देवेन्द्र को टक्कर मार दिया। ग्रामीणों ने एंबुलेंस सेवा को कई बार फोन किया फोन नहीं उठा फिर जंघई चौकी पर सूचना दिया चौकी स्टाफ ने परिजनों को सूचना दिया एवं घायल देवेन्द्र को सीएचसी प्रतापपुर भेजा हालत चिंताजनक होने पर डाक्टरों ने एसआरएन प्रयागराज भेज दिया। जंघई चौकी पुलिस ने ट्रक एवं ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है।

ग्लोबल आईटीआई कालेज रस्तीपुर में युवाओं के तकनीकी सशक्तिकरण हेतु टेबलेट वितरण

प्रतापपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशानुरूप उ0प्र0 के युवाओं के तकनीकी सशक्तिकरण हेतु टेबलेट/स्मार्टफोन वितरण योजना के क्रियान्वयन हेतु ग्लोबल औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रस्तीपुर खखैचा में संस्थान के प्रधानाचार्य सतीश पांडेय के सराहनीय प्रयास से 2020-2022 फाइनल बैच के छात्र छात्राओं को मंगलवार को टेबलेट वितरण किया गया।कोरोनाकाल में अधिकांश गरीब मध्यम वर्ग के छात्र छात्राओं के पास टेबलेट/मोबाइल न होने के कारण बच्चे आनलाइन शिक्षा से वंचित रह जाते थे। मुख्यमंत्री द्वारा चुनाव पूर्व यह घोषणा की गई थी कि शिक्षा की तकनीक और मजबूत करने हेतु मोबाइल टेबलेट का वितरण किया जाएगा टेबलेट पाकर छात्र छात्राओं के चेहरे पर मुस्कान फैल गई।प्रधानाचार्य सतीश पांडेय ने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि भविष्य में टेबलेट पुनः वितरण होगा और विद्यालय में योग्य अध्यापकों द्वारा अच्छी शिक्षा बच्चों को ग्रहण कराई जा रही है एवं हमारे विद्यालय में प्लेसमेंट की भी सुविधा है।इस अवसर पर विजयनाथ तिवारी, उमेश पांडेय, कमलेंद्र यादव, महेश यादव, बऊ शुक्ला सहित तमाम छात्र एवं अभिवावक मौजूद रहे।

पुलिस की नजर से बच नहीं पाएंगे अपराधी:सीओ बारा

शंकरगढ़। शंकरगढ़ थाना परिसर में क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्तियों के साथ हुई बैठक में क्षेत्राधिकारी बारा संग नवागत थाना प्रभारी मनोज कुमार सिंह ने कहा कि अपराध और अपराधियों पर लगाम लगाने के लिए पुलिस अब पूरी तरह से तैयार है। अपराधी अपने आपको चाहे जितना चालाक समझे,अब वह पुलिस की नजर से बच नहीं पाएगा। सीओ बारा विमल किशोर मिश्र ने कहा कि अपराधियों पर नजर रखने के लिए क्षेत्र के सभी बाजारों में सीसीटीवी कैमरा लगवाया जा रहा है। इसके तहत सभी प्रमुख मार्गो, चौराहों,तिराहों और सार्वजनिक स्थलों पर होने वाली गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। समय-समय पर पुलिस इन कैमरों से मिलने वाली फुटेज से निगरानी भी करेगी। उन्होंने कहा कि अपराध करके अब किसी का बच पाना मुश्किल होगा। वहीं नए थाना प्रभारी मनोज कुमार सिंह ने कहा कि अपराध और अपराधी पर लगाम लगाना ही इनका मुख्य लक्ष्य है। इन्होंने चेताया कि अपराध करने वाले सुधर जाएं और समाज की मुख्यधारा से जुड़ कर समाज को आगे ले जाने में अपना योगदान दें, वरना इनकी जगह सलाखों के पीछे होंगी। अब कप्तान साहब के आदेश पर सभी थानों में भूमाफियाओं, स्कूल कॉलेज के आस पास घूमने वाले शोहदों और इलाके में घूम घूम कर आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वाले, डराने धमकाने वाले लोगों के लिए निगरानी दस्ता का भी अलग से प्रबंध किया गया है। निश्चित ही आने वाला समय आम आदमी के लिए सुखमय और अपराधी के लिए कठिन होगा।बैठक में व्यापार मंडल अध्यक्ष मूलचंद केसरवानी और पगुवार प्रधान गुलाब सिंह ने बढ़ते भू माफियाओं पर लगाम लगाने की मांग की है। इस मौके पर कुलदीप पाठक, प्रधान संघ के अध्यक्ष पुष्पराज सिंह, प्रधान परमेश्वर सिंह, फैजान अहमद, पिंटू सिंह, ज्ञानेंद्र मिश्रा, मनोज त्रिपाठी, मंगलेश सिंह, मसुरिया दीन वर्मा, व्यापार मंडल महामंत्री रतन केसरवानी,उपाध्यक्ष जय केसरवानी,सुजीत केसरवानी,कुशल जैन, राजेश केसरवानी, दीपक कुमार समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन कार्यक्रम का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

अखंड भारत संदेश

जसरा। विकास खण्ड परिसर में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के तहत हर घर जल योजनांतर्गत दो दिवसीय महिला प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का दूसरे दिन का प्रशिक्षणोपरांत समापन अजीत सिंह ब्लॉक प्रमुख द्वारा समस्त प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, किट और बैग स्टेशनरी आदि वितरण कर दो दिवसीय प्रशिक्षण का सफल आयोजन की तारीफ करते हुए समापन संबोधन के साथ कार्यक्रम समापन की घोषणा किया गया।अधिशासी निदेशक राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन उत्तर प्रदेश लखनऊ के निदेशानुसार प्रायोजक राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन उत्तर प्रदेश लखनऊ के दिशा निर्देशन में मेरापथ एजुकेशन लिमिटेड,नोएडा उत्तर प्रदेश और सहयोगी संस्था इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एक्शन द्वारा आयोजित विकास खण्ड परिसर में जल जीवन मिशन के बैनर तले सैकड़ों महिलाओं को राज्य स्तर प्रशिक्षक जल जीवन मिशन उत्तर

प्रशिक्षण कार्यक्रम में दिया गया प्रमाण पत्र एवं किट

प्रदेश विपिन प्रकाश जायसवाल, मंगला प्रसाद द्वारा उपस्थित महिलाओं को दूषित पेयजल से होने वाले भयानक बीमारियां जैसे पीलिया, कालरा, कैंसर, दस्त बुखार, हड्डी रोग, कुपोषण, चर्म रोग आदि एवं उससे बचने के उपाय जैसे पेय जल श्रोत इण्डिया मार्का टू हैण्ड पम्प, नल, कुआ आदि को ब्लीचिंग पाउडर को प्लास्टिक के बर्तन में घोल बनाकर रात्रि में उसके अन्दर घोल को डाल कर पूरी रात्रि छोड़ देने और सुबह में पेय जल श्रोत से पानी तब तक निकालना चाहिए जब तक लाल या जंग वाला पानी साफ न हो जाए,बैक्टीरिया वाले दूषित पानी को उबाल कर पीना चाहिए,पीने वाले पानी को बाल्टी में रखकर उसमे फिटकरी को सूती कपड़ा में पोटली बनाकर पानी के अन्दर घुमाकर पानी स्थिर होने के बाद पानी का सेवन करना चाहिए आदि विभिन्न प्रकार से पानी को शुद्ध और स्वच्छ होने की दशा में ही पानी का सेवन करना चाहिए। पाइप लाइन शुद्ध पेयजल आपूर्ति,जल दोहन करने से पानी के संकट,पानी में रसायन आयरन, फ्लोराइड, क्लोरिन आदि की जल जांच करने सम्बंधी विस्तृत जानकारी दी गई और अधिकाधिक महिला समूहों से भी जल जांच कीट के माध्यम से पानी की जांच कराई गई ।वहीं बृजेश कुमार बिंद महामंत्री प्रधान संघ और सुरेन्द्र कुमार सोनकर उपाध्यक्ष प्रधान संघ द्वारा जल जीवन मिशन से संबंधित विस्तृत जानकारी महिला समूहों को समापन भाषण में प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर श्याम लाल तिवारी ए डी ओ पंचायत,विज्ञान प्रभाकर शुक्ला ए डी ओ आई एस बी, राकेश सिंह, कमलेश यादव परियोजना प्रबंधक, प्रतीक यादव,राहुल पाण्डेय, आत्मा देवी, गंगा पाल, शिव चंद्र, गंगा जी, अजय कुमार बिंद, विजय कुमार बिंद, विनोद कुमार बिंद टीम लीडर जल जीवन मिशन,मनोज कुमार, राम मनोज, आशीष कुमार प्रधान, धीरेंद्र द्विवेदी, रमाशंकर , महिला समूहों से ऊषा, ललिता भारतीया, पूनम गौतम, संगीता, सन्नो देवी, अनिता बिंद, विनीता पाल, श्यामकली, पूजा सिंह सहित तमाम महिलाएं प्रतिभाग की।

एसएमसी सदस्यों को उनके कर्तव्य और दायित्वों से कराया रूबरू

कौड़िहार ब्लाक में विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों का एक साथ कराया गया प्रशिक्षण, विद्यालयों के संचालन में एसएमसी सदस्यों का सुझाव हो सकता अहम

अखंड भारत संदेश

श्रृंगवेरपुर। एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित कर विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया। विद्यालयों को सुचारू रूप से संचालित करने में समिति का अहम योगदान माना जाता है। अध्यक्ष और सचिव को एक साथ प्रशिक्षित कर विद्यालय को और बेहतर ढंग से संचालित करने के तरीके बताए गए। कौड़िहार बाजार के नारायण गेस्ट हाउस में सोमवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्य शाला आयोजित हुई। जिसमें कौड़िहार ब्लाक में संचालित परिषदीय विद्यालयों में तैनात प्रधानाध्यापकों के साथ उनके विद्यालय के एसएमसी अध्यक्ष को एक साथ प्रशिक्षण

कौड़िहार ब्लाक में एसएमसी सदस्यों को प्रशिक्षण देते बीईओ ओपी मिश्रा।

कौड़िहार के नारायण गेस्ट हाउस में प्रशिक्षण लेते विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य।

दिया गया। संदर्भ दाता अविनाश कुमार और सौरभ श्रीवास्तव ने उपस्थित एसएमसी अध्यक्ष और सचिव के कर्तव्य पर प्रकाश डाला। नए फाइनेंशयल ईयर से एसएमसी के खाता संचालन में किए गए बदलाव पर सौरभ श्रीवास्तव ने विशेष चर्चा की। एसएमसी के सदस्यों की सक्रियता से विद्यालय की दिशा और दशा बदली जा सकती है। खंड शिक्षा अधिकारी ओम प्रकाश मिश्रा ने विद्यालयों को सुंदर एवं आकर्षक बनाने के साथ ही शैक्षिक वातावरण के ढांचा में ढालने के विभिन्न तरीके बताए। पास आउट होने वाले छात्र एवं छात्राओं को संपर्क में रखने के साथ ही शिक्षा क्षेत्र में उनका मार्गदर्शन और सहयोग करने की अपील की। आगामी 31 मार्च को पास आउट छात्रों का शानदार विदाई समारोह करने की हिदायत दी। कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष राधे कृष्ण एवं मंत्री बालेंद्र पांडे मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

किसान मजदूर सभा के कार्यकर्ताओं ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

जसरा। चार लेबर कोड और निजीकरण के विरोध में औद्योगिक मजदूरों की दो दिवसीय अखिल भारतीय हड़ताल के दौरान अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा के कार्यकर्ताओ ने प्रधानमंत्री के नाम सात सूत्रीय ज्ञापन खण्ड विकास अधिकारी जसरा अमित मिश्रा को सौपा। साथ में इन्हीं मांगो पर सड़वा गांव में बड़ी जनसभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं के हाथों में स्लोगनयुक्त लिखी तख्ती व झंडे लिए नारे लगाए। मजदूर विरोधी चार लेबर कोड रद्द करो,सरकारी कंपनियों का निजीकरण बंद करो,न्यूनतम मजदूरी लागू करो,आशा कर्मी - आंगनवाड़ी, स्कूल सहायिका को न्यूनतम मजदूरी लागू करो,स्कूल - अस्पतालों का निजीकरण बंद करो,निर्माण मजदूर कानून अमल करो,बीड़ी मजदूर कानून अमल करो,8 घंटे काम का दिन अमल करो,12 घंटे अनिवार्य ड्यूटी पर रोक लगाओ,मजदूर यूनियन बनाने पर हमले बंद करो,राशन मे प्रति कार्ड मुफ्त 10 किलो अनाज-तेल, चीनी, नमक, दाल दो,पुरानी पेंशन नीति बहाल करो,मुफ्त में

सरकारी इलाज अमल करो, सरकारी स्कूल शिक्षा ठीक करो आदि। सभा के दौरान वक्ताओं ने कहा कि बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की सेवा के लिए भारतीय शासक नतमस्तक है व उनकी सेवा में नये - नये श्रम कानूनों के माध्यम से चार लेबर कोड लाए। इस कानून में मजदूरों के सभी बुनियादी अधिकारों पर पूरी तरह से हमला कर कमजोर करती है। श्रमिकों के अधिकारों व यूनियन बनाने का अधिकार,न्यूनतम मजदूरी का भुगतान, मजदूरी का समय पर भुगतान पर हमला है,महिलाओं को सुरक्षा देने के बजाय रात की पाली में ड्यूटी रखने की अनुमति देता है। स्थायी रोजगार देने आकस्मिक ठेका मजदूर रखने छटनी की स्वतंत्रता देती है जो घोर निंदनीय है। आशा - आंगनवाड़ी,स्कूल रसोई सहायिकाओं और अकुशल श्रमिको को सोलह हजार प्रति माह व कुशल श्रमिकों को अठारह हजार प्रति माह देने की मांग की गयी। शिक्षा-स्वास्थ्य सुविधाओं के निजीकरण पर रोक लगाई जाए पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग की गई। सभा के अंत में प्रधानमंत्री के नाम सात सूत्रीय ज्ञापन खण्ड विकास अधिकारी जसरा अमित मिश्रा को सौपा गया। खण्ड विकास अधिकारी श्री मिश्र ने आश्वासन दिया कि ब्लाक लेबल की समस्याओं को हल करने का प्रयास करेंगे। बाकी की समस्याओं को माननीय प्रधानमंत्री जी को भेजेंगे। इस मौके पर विनोद निषाद, संजय, अशोक, भीमलाल, रामकैलाश कुशवाहा, राजकुमार आदि उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

कलश यात्रा संग श्रीमदभागवत कथा का शुभारंभ आज से

शंकरगढ़। नगर पंचायत शंकरगढ़ के पुरानी बाजार (प्राइमरी स्कूल के सामने) स्थित आर्य राम वाटिका में श्रीमदभागवत कथा का आयोजन आज तीस मार्च से किया जा रहा है।कथा का समापन छह अप्रैल को हवन पूजन और प्रसाद वितरण के साथ किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए। आचार्य जी ने बताया कि भागवत कथा के शुभारंभ के दिन सुबह 9 बजे नगर में भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। इसके पश्चात पूरे विधि-विधान से भागवत कथा का शुभारंभ किया जाएगा।बताया कि प्रातः सात बजे से 11 बजे तक वेदी पूजन एवं वारायण होगा। जबकि दूसरे पहर तीन बजे से शाम सात बजे तक भागवत कथा का वाचन किया जाएगा। भागवत कथा का वर्णन कथा व्यास आचार्य विकास जी महाराज करेंगे। कस्बे के समस्त व्यापारियों संग समस्त क्षेत्रवासियों से आयोजन में शामिल होने, कथा का रसपान करने का आह्वान किया गया है। इस आयोजन की मुख्य यजमान निर्मला देवी पत्नी स्व. जगदीश प्रसाद केसरवानी और शकुंतला देवी पत्नी स्व. राधेश्याम केसरवानी हैं।

मंगला हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा

जेल से रची गई हत्या की साजिश, 19 बार पेचकस से किए गए थे मंगला पर हमला, टवेरा से धक्का मार मंगला को उठा ले गए थे भाड़े के अपराधी

अखंड भारत संदेश

नैनी प्रयागराज। करछना में 16 मार्च को हुए मंगला प्रसाद पांडेय हत्याकांड का पुलिस ने मंगलवार की शाम खुलासा कर दिया। हत्या की साजिश फतेहगढ़ जेल में बंद शातिर अपराधी लवकुश पांडेय उर्फ राजा पांडेय और विद्याकांत विश्वकर्मा ने मिलकर रची थी। शातिरों ने भाड़े के हत्यारों का इंतजाम किया। पहले तो मंगला प्रसाद पांडे को कार से रौंदने की कोशिश की, लेकिन वह बच गया। इस पर पेचकस से ताबड़तोड़ 19 वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने हत्या में शामिल 7 आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया है। हत्याकांड का खुलासा करने में लगी टीम को एसएसपी ने 25 हजार रुपए का इनाम भी दिया है।

फैसला आने से पहले कर दी मंगला प्रसाद की हत्या : प्रयागराज के एसएसपी अजय कुमार ने बताया कि 16 मार्च, 2022 को फतेहगढ़ जेल में बंद शातिर अपराधी लव कुश पांडे उर्फ राजा पांडे पुत्र चंद्रमा प्रसाद पांडे निवासी बीरपुर थाना करछना ने जेल में ही बंद विद्याकांत विश्वकर्मा के साथ मिलकर मंगला प्रसाद पांडे की हत्या की साजिश रची थी। जेल में बंद विद्या कांत विश्वकर्मा ने अपने भाई

पुलिस के गिरफ्त में शातिर अपराधी

कमलेश पांडे व साले राहुल द्विवेदी, ससुर राजधर द्विवेदी के साथ मिलकर भाड़े के हत्यारों का इंतजाम किया था। मंगला प्रसाद पांडे एक मुकदमें में वादी थे और उसका जल्द फैसला आने वाला था। यही कारण है कि फैसला आने से पहले ही उसकी हत्या की साजिश रच डाली गई। उसे रास्ते से हटाने के लिए भाड़े के हत्यारों को एडवांस भी दिए गए थे। यही कारण है कि पूर्व नियोजित षडयंत्र के तहत विद्याकांत विश्वकर्मा ने उसकी हत्या की साजिश रची थी।

पहले बाइक में क्वालिश कार से टक्कर मारी थी : 16 मार्च 2022 को मंगला प्रसाद पांडेय अपनी बाइक से बाजार जा रहे थे। वह अपने घर से करीब एक किलोमीटर दूर पहुंचे थी तभी पीछे से क्वालिश कार से उसे रौंदने की कोशिश की गई। हत्यारों ने देखा कि टक्कर मारने के बाद भी मंगला प्रसाद पांडेय की मौत नहीं हुई है। इसके बाद पेचकस से ताबड़तोड़ 19 बार वारकर उसे मौत के घाट उतार दिया गया । इस संबंध में 17 मार्च को करछना में मुकदमा दर्ज किया गया था। वही 28 मार्च को पुलिस ने मुकदमें में नामजद राज धर द्विवेदी पुत्र केशव प्रसाद निवासी मसिका औद्योगिक थाना क्षेत्र प्रयागराज, महेंद्र पटेल, सचिन पटेल, सचिव यादव, विजय यादव, अनुज तिवारी और राहुल वाल्मीकी को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त सचिन पटेल की निशानदेही पर हत्या में प्रयोग किए गए आलाकत्ल बरामद कर लिया गया है।

गिरफ्तार करने वाली टीम : करछना थाना प्रभारी टीका राम वर्मा, एसओजी प्रयागराज प्रभारी वैभव सिंह, एसओजी यमुनापार प्रभारी दिवाकर सिंह, कांस्टेबल अंगद गिरि व राकेश दुबे समेत कई लोग शामिल रहे।

भाभी से मिलने गए युवक की पीट-पीटकर हत्या

घटनास्थल पर जमा भीड़

अखंड भारत संदेश

झूंसी। स्थानीय थाना क्षेत्र में एक युवक की अवैध संबंध में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। वह रिश्ते की भाभी से रात में मिलने पहुंचा था। उसी वक्त परिजनों ने उसे पकड़ लिया और डंडे से मार मार कर हत्या कर दी। झूंसी पुलिस ने इस मामले में हत्यारोपी पड़ोसी दोनों भाइयों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि झूंसी थाना क्षेत्र के भतकार गांव निवासी फुल्लन निषाद के तीन बेटे ऊदल निषाद, शिव कुमार और अजय हैं। रविवार रात को 26 वर्षीय शिव कुमार निषाद अपनी चचेरी भाभी से मिलने रात में गया था। उसके अवैध रिश्ते को लेकर पहले भी विवाद हो चुका था। रविवार रात महिला के घर वालों ने उसे पकड़ लिया और उसको मारना पीटना शुरू कर दिया। गुस्से में डंडा, रॉड और पाइप से इतना मारा की शिव कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। चीख-पुकार से गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर शिव कुमार निषाद के घर से उसकी मां शांति देवी भाई उदल और अजय भी मौके पर पहुंच गए। शिवकुमार सड़क पर खून से लथपथ पड़ा था। उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पहुंची झूंसी पुलिस ने छानबीन की। एसपी गंगापार अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि अवैध संबंध में युवक की हत्या हुई थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर हत्या आरोपी कल्लू और उसके भाई प्रदुम्न को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल आला कत्ल भी बरामद कर लिया है।

मंत्री नंद गोपाल नन्दी ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर जताया आभार

अखंड भारत संदेश

प्रदेश में औद्योगिक विकास के लिए सर्वश्रेष्ठ एवं शत-प्रतिशत योगदान देने का जताया भरोसा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री व प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र से विधायक नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने उत्तर प्रदेश में उद्योगों के विकास की बड़ी जिम्मेदारी मिलने के बाद मंगलवार को मुख्यमंत्री से उनके सरकारी आवास में मुलाकात की। उत्तर प्रदेश सरकार में आद्यौगिक विकास-निर्यात प्रोत्साहन-निवेश प्रोत्साहन-एनआरआई 4-4 महत्वपूर्ण मंत्रालयों के दायित्व के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री जी, आदरणीय गृहमंत्री जी, प्रदेश के कर्मयोगी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का कोटिशः आभार व्यक्त किया।पार्टी के केन्द्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व का हमपर विश्वास व्यक्त करने के लिए हार्दिक धन्यवाद। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन व माननीय मुख्यमंत्री जी के यशस्वी नेतृत्व में हम विभाग को

नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं नये भारत के नये उत्तर प्रदेश के संकल्प को साकार करने के लिए विभागीय मंत्री के रूप में आवंटित विभागों का सर्वश्रेष्ठ एवं शत-प्रतिशत योगदान सुनिश्चित करेंगे।

साइबर ठगों ने महिला के बैंक खाते को किया खाली

प्रयागराज। साइबर ठगों ने अल्लापुर में स्थित एक एटीएम हैंग करके महिला का एटीएम कार्ड बदल दिया। इसके बाद कई बार में 57000 रुपये निकाल लिया। नयागांव अल्लापुर की रहने वाले गुड्डी ने जार्जटाउन थाने में साइबर अपराध का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस को बताया कि 10 मार्च को रुपए निकालने गई थी, जहां उसका एटीएम कार्ड फंसने की बात बताई गई। वह बाहर निकलकर गार्ड को बुलाई लेकिन उसमें कार्ड नहीं मिला। बाद में पता चला कि उसका कार्ड लेकर साइबर ठगों ने एटीएम से रुपए निकाल लिया है। इसी तरह विवेक विहार कॉलोनी सिविल लाइंस के रहने वाले सत्यम कुशवाहा ने मुकदमा दर्ज कराया है कि उसने इंस्टाग्राम पर ऑनलाइन मोबाइल ऑर्डर किया था। उसने नसीम खान को पेटीएम के माध्यम से 21000 ऑनलाइन ट्रांसफर भी कर दिया लेकिन न तो उसे रुपए मिले और ना ही मोबाइल।

डीएम श्रृंगवेरपुर धाम का किया स्थलीय निरीक्षण

श्रृंगवेरपुर धाम में चल रहे निर्माण कार्यो व मन्दरा गो संरक्षण केन्द्र का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण, गो-वंशो के लिए पर्याप्त मात्रा में भूसा, चोकर की उपलब्धता बनाये रखने के निर्देश

अखंड भारत संदेश

श्रृंगवेरपुर। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री मंगलवार को श्रृंगवेरपुर धाम का स्थलीय निरीक्षण किया, उन्होंने श्रृंगवेरपुर घाट पर एवं घाट के बगल में भगवान श्रीराम व निषादराज मंदिर के हो रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मौके पर उपस्थित संबंधित कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल के प्रोजेक्ट मैनेजर को यथाशीघ्र निर्माण कार्य को पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान पर्यटन विभाग द्वारा बनाये गये हाल तथा घाटो पर साफ-सफाई का जायजा लिया, घाटो पर साफ-सफाई ठीन न मिलने पर कड़ी नराजगी व्यक्त की तथा यू0पी0पी0सी0एल0 द्वारा कराये जा रहे पथ वे निर्माण तथा अन्य कार्यो का भी स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये, उन्होंने वहॉ पर चल रहे निर्माण कार्य निषादराज पार्क का भी स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यो में तेजी लाये जाने के निर्देश दिये है तथा निर्माण कार्यो को गुणवत्तापूर्ण के साथ कराये जाने तथा साथ ही साथ उन्होंने निर्माण कार्यो में लगाये जाने वाली सामाग्री (मैटेरियल) की गुणवत्ता का भी नियमित रूप से परीक्षण कराये जाने के निर्देश दिये है तथा पार्क के निर्माण में छाया, पीने योग्य पानी तथा

श्रृंगवेरपुर धाम में निरीक्षण करते जिलाधिकारी

पर्यटको की सुविधा आदि का विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये है। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने मन्दारा, गो-वंश आश्रम स्थल का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सीवीओ, प्रभारी उप मुख्य पशुचिकित्साधिकारी एवं बीडीओ को गोवंशों का बेहतर ढंग से देखरेख कराए जाने का कड़ा निर्देश दिया तथा गोवंशों को खिलाने के लिए भूसे का 05-06 माह के लिए अतिरिक्त स्टाक बनाये रखने निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गो-वंशो को गुड भी खिलाया, उन्होंने गो-वंशो के लिए रखे गये, भूसा को भी देखा तथा निर्देशित किया कि भूसा, चोकर आदि की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित रहे, गो-वंशो के टीकाकरण की जानकारी ली तथा एक सप्ताह में टीकाकरण पूर्ण करने के निर्देश दिये, इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सोरांव श्रीमति ज्योति मौर्या, वी0डी0ओ0 श्रृगवेरपुर पर्यटन अधिकारी श्रीमति अपराजिता, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी आर0पी0 राय सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

ट्रक की टक्कर से वृद्धा घायल

झूंसी। रोडवेज वर्क शाप के निकट सड़क पार रही एक वृद्धा ट्रक की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गई मौके पर जुटी भीड़ ने ट्रक समेत चालक को पकड़ पुलिस को सौंप दिया वहीं महिला को इलाज के लिए 108 एम्बुलेंश से ले जाया गया। बताया जाता है कि लेखराजपुर निवासी राज किशोर की पत्नी कमला देवी 85 मंगलवार की दोपहर कहीं जाने के लिए घर से निकली थी। वह पुरानी जीटी रोड के निकट सड़क पार करते वक्त एक ट्रक की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गई मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई सूचना मिलने पर पहुंची एंबुलेंस के ईएमटी अनुराग कुमार व चालक इंद्रजीत यादव घायल वृद्धा को एसआरएन में भर्ती कराया जहा कमला देवी की हालत नाजुक बताई जा रही है।

प्रधान डाकघर में ताला बंद कर डाक कर्मचारियों ने जारी रखा हड़ताल

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। दो दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल के क्रम में मंगलवार को दूसरे दिन भी केंद्रीय कर्मचारियों का हड़तारी रहा। बैंक, डाकघर, आयकर समेत करीब दर्जनभर में इसका असर दिखा। सबसे ज्यादा परेशानी बैंक बंद होने से हुई। दो दिनों से बैंकों में ताला लटक रहा है, यही कारण हैं कि शहर के ज्यादातर एटीएम भी जवाब दे गए हैं और उसमें रुपये नहीं हैं। बैंकों में लेन देन न होने के कारण आर्थिक नुकसान भी हुआ है। बता दें कर्मचारी विभिन्न मांगों के समर्थन में 28 और 29 मार्च को हड़ताल पर रहे। इस हड़ताल में दस केंद्रीय ट्रेड युनियन, राज्य व केंद्र सरकार के कर्मचारी महासंघ, बैंक बीमा, रेलवे समेत देश के करीब 20 करोड़ संगठित व असंगठित क्षेत्र के कर्मचारी शामिल रहे।

पोस्टर लगाकर हड़ताल करते कर्मचारी

22 सूत्रीय मांगों के समर्थन में बुलंद कर रहे हैं आवाज : कन्फडेरेशन ऑफ सेन्ट्रल गवर्नमेंट इम्प्लाइज एन्ड वर्कर्स एवं पोस्टल के आह्वान पर अखिल भारतीय डाक कर्मचारी संघ एवं राष्ट्रीय डाक कर्मचारी संघ प्रयागराज के बैनर तले 22 सूत्रीय मांगो को लेकर ष्ट्रव्यापी हड़ताल के समर्थन के डाक कर्मचारी हड़ताल में शामिल हुये। प्रयागराज के साथ कौशाम्बी के डाक घर बन्द कर डाक कर्मचारी प्रधान डाक घर गेट एक आम सभा हड़ताल के लिए आयोजन किया गया। हड़ताल के अहम मुद्दे न्यू पेंशन स्कीम वापस लो, पुरानी पेंशन बहाल हो, अनुकम्पा न्युक्तियों पर 5% की सीमा को हटाया जाये, रिक्त पदों पर भर्ती बहाल किया जाये, ग्रामीण डाक सेवको को नियमित किया जाये तथा सिविल सर्वेन्ट का दर्जा दिया जाये, आठवा वेतन आयोग का गठन किया जाये, तथा जनवरी 2020 जून 2021 की अवधी के रोके गये महंगाई भत्ता का भुगतान किया जाये हैं। सीबी सिंह, राजदेव, आशीष चाटर्जी, राजेश सिंह, प्रमोद राय, पी एस दूबे, राजेश वर्मा, सुनील तिवारी, हर्षवर्धन प्रजापति, विभु कुमार, राजेश मिश्रा, सूर्यनन्दन परवेज आलम, तुफैल खान, सालवंत अब्बास जी पी माझी, विवेक श्रीवास्तव, सुभाष पाण्डेय, दिलीप पाण्डेय, नरोत्तम तिवारी, विमल पाण्डेय, राम निरंजन दिवेर्दी, ने उपस्तिथ कर्मचारी को सम्बोधित किया। संचालन राजेश वर्मा ने किया।

राकेश धर त्रिपाठी के मुकदमे में बैंक मैनेजर सहित कई ने दी गवाही

प्रयागराज। प्रदेश सरकार के पूर्व शिक्षा मंत्री राकेशधर त्रिपाठी के विरुद्ध चल रहे आय से अधिक संपत्ति के मुकदमे में मंगलवार को लखनऊ के कारोबारी नवीन चंद्र तिवारी, आइसीआइसीआइ बैंक सिविल लाइंस के ब्रांच मैनेजर अब्दुल इमरान खान, चौक शाखा के ब्रांच मैनेजर मृत्युंजय पांडेय, पंजाब नेशनल बैंक रामबाग के ब्रांच मैनेजर आरडी भाटिया की गवाही हुई। एमपीएमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश डा. दिनेश चंद्र शुक्ला के समक्ष विशेष लोक अभियोजक विकास गुप्ता ने गवाही दर्ज कराई।

अगली सुनवाई होगी चार अप्रैल को

मुकदमे की अगली सुनवाई चार अप्रैल को होगी। उस दिन राकेशधर त्रिपाठी की भाभी कलावती त्रिपाठी को बयान दर्ज करने के लिए बुलाया गया है। इसके पूर्व मुकदमा दर्ज कराने वाले सतर्कता अधिष्ठान के पूर्व अधीक्षक राम सुभग राम का कोर्ट के समक्ष शपथ पूर्वक बयान दर्ज कराया गया था। पूर्व मंत्री के विरुद्ध भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के अंतर्गत आरोप तय किया गया है। राकेशधर के विरुद्ध 18 जून 2013 मुट्ठीगंज थाने में मुकदमा लिखा गया था।

जल संरक्षण पर जागरूकता के लिए मेजा ऊर्जा निगम ने किया नुक्कड़ नाटक का मंचन

अखंड भारत संदेश

सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मेजा उर्जा निगम प्रतिबद्ध : अनिल कुमार

मेजा। विश्व जल दिवस सप्ताह के अवसर पर लोगों के बीच भूजल संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने हेतुए मेजा ऊर्जा निगम ने अपने पर्यावरण प्रबंधन विभाग के तहत मंगलवार को कोडहारए सलैया कला और आसपास के गांवों में श्नुक्कड़ नाटकश का आयोजन किया।कार्यक्रम में जल संरक्षण प्रथाओं के महत्व और जल उपयोग के अनुकूलन पर चर्चा की गई।इसके अलावाए भूजल की कमी और हम इसे कैसे संरक्षित कर सकते हैंए इसके बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक वॉकथॉन का भी आयोजन किया गया। पहल की सराहना करते हुएए अनिल कुमारए मुख्य कार्यकारी अधिकारीए मेजा ऊर्जा निगम ने कहा कि मेजा ऊर्जा निगम हमेशा सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है और

नुक्कड़ नाटक का मंचन करते कलाकार

जागरूकता अभियान उस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक कदम है। कला और नाटक हमेशा जनता पर दीर्घकालिक प्रभाव डालते हैं और श्नुक्कड़ नाटकश जागरूकता पैदा करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। पानी सभी प्रकृति की प्रेरक शक्ति है और पानी का संरक्षण हर नागरिक का नैतिक जिम्मेदारी होना चाहिए। इस आयोजन में अखिल केण पीण पट्टनायकए अपर महाप्रबंधक मानव संसाधन अरविंद प्रकाश भारतीए उप महाप्रबंधक ;पर्यावरण प्रबंधन सौरभ कुमार पाठकए वरिष्ठ प्रबंधक पर्यावरण प्रबंधनद्ध और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

6800 अतिरिक्त सहायक शिक्षकों की नियुक्ति पर रोक लगाने का फैसला सही : हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 27 जनवरी 2022 के एकल पीठ के उस आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य में प्राथमिक सहायक शिक्षक केरूप में 6800 अतिरिक्त उम्मीदवारों की नियुक्ति करने केनिर्णय पर रोक लगा दी गयी थी। कोर्ट ने एकल पीठ केनिर्णय को सही माना। एकल पीठ ने कहा था कि यूपी सरकार विज्ञापन जारी किए बिना 69 हजार से अधिक उम्मीदवारों को नियुक्त नहीं कर सकती है।यह आदेश न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति अजय कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ ने राहुल कुमार व अन्य की याचिका को निस्तारित करते हुए दिया है। मामले में यूपी सरकार द्वारा 2018 में जारी किए गए 69 हजार पदों पर शिक्षकों की भर्ती का उल्लेख किया गया था। सभी पदों पर भर्ती केबाद सरकार ने 6800 अतिरिक्त उम्मीदवारों की सूची जारी की थी।हाईकोर्ट के समक्ष भारती पटेल और पांच अन्य द्वारा दायर एक याचिका में इस फैसले को चुनौती दी गई। सरकार की ओर से तर्क दिया गया था कि कुछ आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों ने 2020 में हाईकोर्ट केसमक्ष याचिका दायर कर 2018 के विज्ञापन के अनुसार 69 हजार पदों पर की गई नियुक्ति को चुनौती दी थी। एकल पीठ के आदेश को दी गई थी चुनौती मामले में आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों का तर्क था कि उन्होंने सामान्य श्रेणी के लिए कट-ऑफ से अधिक अंक प्राप्त किए हैं, इसलिए वे अनारक्षित पदों के लिए विचार करने और चुने जाने के हकदार हैं। इसलिए राज्य ने आरक्षण नीति के कार्यान्वयन पर फिर से विचार किया और 68 सौ उम्मीदवारों के नाम वाली एक नई चयन सूची जारी करने का निर्णय लिया। हाईकोर्ट की एकल पीठ ने सुनवाई के बाद यूपी सरकार के फैसले पर रोक लगा दी। वर्तमान मामले में एकल पीठ के फैसले को चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि यदि कोई नियुक्ति रिक्तियों के विज्ञापन के बिना करने की मांग की जाती है तो वह संविधान के अनुच्छेद-16 समान अधिकार का उल्लंघन होगा।

रोडवेज बस कंडक्टरों ने विभाग को लगाया लाखों का चूना, छह परिचालकों की सेवा समाप्त

प्रयागराज। जीरोरोड डिपो के बाद अब सिविल लाइंस डिपो में भी मैजिक रिफिल का प्रयोग कर रोडवेज को चपत लगाने का मामला सामने आया है। यहां जांच के दौरान छह संविदा परिचालक इस आरोप के दोषी पाए गए हैं। इन सभी की संविदा समाप्त कर दी गई है। अब इन सबके खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाने की तैयारी की जा रही है। दरअसल अफसरों को शिकायत मिल रही थी कि कंडक्टर मैजिक पेन से यात्रियों का टिकट काटकर रोडवेज को चपत लगा रहे थे। इस संबंध में दो माह में रीजन के कुल 995 कंडक्टरों के मार्गपत्र को यूवी लैंप से चेक किया गया। इसमें जांच के दौरान छह संविदा परिचालक विवेक कुमार यादव, विनय कुमार भारतीय, चंदन यादव, प्रवीण कुमार तिवारी, सुनील कुमार चौधरी, शुभम त्रिपाठी मैजिक पैन का प्रयोग करने के आरोप में पकड़े गए। उनकी जांच रिपोर्ट तैयार कर एआरएम सीबी राम ने उनकी संविदा समाप्त कर दी है।

वासुदेव जीतेंगे तो सदन में उठेगी शोषित वंचित जनप्रतिनिधियों की आवाज : नरेंद्र सिंह

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जैसे ही यमएलसी चुनाव की घोषणा हुई सभी राजनीतिक दल अपने अपने प्रत्याशियों के पक्ष में जनसमर्थन जुटाने के लिए नूक्कड सभा तथा चौपाल के माध्यम से जनप्रतिनिधियों से संमर्क बना रहे हैं वहीं आज समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष योगेश यादव के नेतृत्व फूलपूर बिधान सभा नोवेल स्कूल तथा फाफामऊ बिधान सभा में रामपुर अधिगहा में जनप्रतिनिधियों की सभा को सम्बोधित करते हुए प्रयागराज यमएलसी प्रभारी प्रदेश सचिव नरेंद्र सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी सदैव सोसीत वंचित अल्पसंख्यक किसान मजदूर की आवाज और उनके हक की लड़ाई लडी है अगर जनप्रतिनिधियों ने मौका दिया तो आप सब की आवाज निर्भिक रुप से वासूदेव सदन में उठाने का काम करेंगे वहीं उपस्थित महिला नेता यमएलसी प्रत्यासी वासूदेव यादव की पूत्री उत्तर प्रदेश सरकार की पूर्व पर्यटन प्रोत्साहन सदस्य निधि यादव ने कहा कि आज जिस तरह से इस सरकार में महिलाओं की अपेक्षा की जा रही है लेकिन कोई बोलने वाला नहीं और कहा आप

सम्बोधित करते सपा के प्रयागराज एमएलसी प्रभारी नरेन्द्र सिंह

सभी जनप्रतिनिधियों के मान सम्मान में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी तथा बिकाश के कार्यो में बराबर की भागीदारी रहेगी पूर्व सांसद फूलपुर धर्मराज सिंह पटेल यमएलसी प्रत्यासी वासूदेव यादव मूशतफा सिद्दिकी अंन्सार पहलवान ने जनप्रतिनिधियों का आह्वान करते हुए प्रचंड बहुमत की जित दिलाने की अपील की जिससे की वर्तमान में दमन कारी सरकार पर सदन में अंकूश लगाया जा सके तथा जरुरत मंदो की आवाज बुलंद हो सके। कार्यक्रम मे अंसार अहमद, मनोज पाण्डेय, दीनानाथ यादव, अमर सिंह यादव, दूधनाथ पटेल रामसुमेर पाल, राजेश यादव, बेला यादव, अनिल प्रमुख, सकील अहमद, मंगलम प्रजापति, आशुतोष तिवारी, नसीरुद्दीन राइन, रामसुमेर पाल, धारा भारतीय, कोमल चौरसिया सहित कई लोग मौजूद रहे।

भाजपा प्रत्याशी डॉ केपी श्रीवास्तव ने प्रतापपुर क्षेत्र में किया जनसंपर्क

प्रतापपुर। प्रयागराज कौशांबी स्थानीय प्राधिकरण चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के एमएलसी प्रत्याशी डॉ केपी श्रीवास्तव द्वारा प्रतापपुर क्षेत्र के ग्राम प्रधानों, क्षेत्र पंचायत सदस्यों एवं जिला पंचायत सदस्यों से ब्लॉक प्रमुख प्रतापपुर शैलेश यादव द्वारा चंपापुर में आयोजित बैठक में संपर्क किया? गया एवं अपने पक्ष में मतदान हेतु अपील किया।इस अवसर पर अमरनाथ यादव जिला संयोजक एमएलसी, अश्वनी द्विवेदी जिलाध्यक्ष भाजपा गंगापार, विक्रमाजीत मौर्य, डब्बू यादव प्रमुख बहादुरपुर, बुलबुल त्रिपाठी पूर्व प्रमुख सैदाबाद, दीपक पटेल पूर्व विधायक, आशीष केशरवानी जिला कोषाध्यक्ष, हरिभूषण सिंह, श्याम बिहारी पांडेय, मुकुन्द लाल मौर्य, मनोज सिंह आचार्य, बबलू सिंह, राजा मौर्या, अशोक पांडेय, चंचल शुक्ल, संतोष पांडेय, राजेश यादव अध्यक्ष प्रधान संघ प्रतापपुर सहित तमाम प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्य गण मौजूद रहे।

शहर में हड़ताली बैंक कर्मियों ने निकाली मोटरसाइकिल रैली

दूसरे दिन भी बैंकों व एलआईसी में कर्मचारी रहे हड़ताल पर

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। केन्द्रीय प्रमुख श्रमिक संगठनों, स्वतंत्र फेडरेशनों व बैंक की तीन प्रमुख यूनियनों के संयुक्त आहवान पर मंगलवार को दूसरे दिन भी बैंक कर्मी हड़ताल पर रहे। इस दौरान प्रमुख बैंकों, जीवन बीमा निगम के कार्यालयों में ताला लटकता रहा। बैंकों में लेन-देन ठप होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

मांगों के समर्थन में हड़ताल करते बैंक कर्मचारी।

हड़ताल को सफल बनाने के लिये डीटीयूसी के अध्यक्ष हेमंत नंदन ओझा व यूपीबीईयू के मंत्री नारेन्द्र प्रसाद मिश्रा के नेतृत्व में मोटरसाइकिल से रैली निकाली गई। रैली की शुरूआत भंगवा चुंगी स्थित बैंक आफ इडिया के सामने से करके इण्डियन ओवरसीज बैंक, पंजाब सिंध बैंक, केनरा बैंक, राजापाल टंकी स्थित यूनियन बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, सेन्ट्रल बैंक, एलआईसी, कचहरी के पास डाकघर होते हुए विशाल प्रदर्शन कर नारेबाजी की गई। इस दौरान पंजाब नेशनल बैंक पर रैली का समापन किया गया। हड़ताली कर्मचारी अपनी मांगों को पूरा करने के लिये प्रदर्शन कर रहे थे। इस मौके पर देवेन्द्र कुमार मौर्य, श्याम शंकर दुबे, केएन यादव, जेके सिंह, शिवेश मिश्रा, विष्णु शर्मा, अमरजीत, इंद्रनाथ सिंह, दिनेश कुमार भारती, सच्चिदानंद पाण्डेय, मो0 कयूम, संदीप तिवारी, मुजफ्फर हुसैन आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

नवाबगंज व संग्रामगढ़ में पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज व संग्रामगढ़ में थाना प्रभारी रुकुमपाल सिंह व अनिल पाण्डेय ने थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक सम्पन की जिसमे चैत रामनवमी व रमजान के पर्व पर आपसी सौहार्द बनाए रखने के लिए उपस्थिति सभ्रांत नागरिकों से अपील किया और कहा कि क्षेत्र में यदि कोई सरहंग व दबंग अपराधी प्रवति का ब्यक्ति किसी को परेशान करता हो या धमकी देता है तो उसकी जानकारी पुलिस को दे पुलिस आपकी मदद करेगी। इस मौके पर बैठक में थाने के सभी स्टाफ सहित ग्राम प्रधान बीडीसी व सभ्रांत वरिष्ठ नागरिक मौजूद रहे।

फूला देवी की स्मृति में हुआ संत कबीर मतानुयायियों का सम्मेलन, कबीर दर्शन पर हुआ मंथन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सृजना साहित्यिक संस्था के तत्वावधान में कर्मयोगिनी समाजसेविका फूला देवी की स्मृति में कबीर मतानुयायी संतो-चिंतकों का सम्मेलन सदर विकास खंड सरायदली ग्राम सभा में सम्पन्न हुआ। अध्यक्षता समाजसेवी प्रेमदास मौर्य ने की। फूला देवी के त्याग-कृतित्व पर चर्चा हुई।उपस्थित संत-महात्माओं का थाली सेट के साथ विभिन्न उपहार देकर सम्मान-अलंकरण किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में कबीर के दर्शन पर बोलते हुए शम्भू दास साहेब ने कहा कि संत कबीर तत्वदर्शी थे। उनके विचारों के अनुपालन से भेदभाव-घृणा को दूर किया जा सकता है। साहित्यकार-समीक्षक डॉ० दयाराम मौर्य रत्न ने कहा कि कबीर प्रखर वक्ता और समाज सुधारक थे। उनके उपदेश स्वस्थ समाज की संरचना में सहायक हैं। इस अवसर पर आत्माराम मौर्य, जीतलाल मौर्य, जितेन्द्र कुमार मौर्य, शैलेन्द्र कुमार, रामचन्द्र मौर्य, वीरेंद्र कुमार मौर्य सहित उपासक उपस्थित थे।

मतानुयायियों के आयोजित सम्मेलन में बोलते दयाराम मौर्य रत्न।

मारपीट व गालीगलौज का केस

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने मारपीट तथा गालीगलौज व जानलेवा धमकी को लेकर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। कोतवाली के उमरपुर नाटी का पुरवा निवासी अजय शुक्ल पुत्र राधेश्याम ने दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती छब्बीस मार्च को रात्रि साढे आठ बजे गांव के संजय शुक्ल ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपी ने पीडित को मारपीट कर चुटहिल कर दिया।

हाईस्कूल संस्कृत में 2525 व इंटर चित्रकला आलेखन में 1627 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

वैकल्पिक विषयों में परीक्षा केन्द्रों पर कम हो रही भीड़

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। बोर्ड की हाईस्कूल व इंटर की चल रही परीक्षाओं में मंगलवार को प्रथम बेला में हाईस्कूल संस्कृत में कुल 19969 परीक्षार्थी पंजीकृत थे जिसमें 2525 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। कुल 17444 परीक्षार्थियों ने हाईस्कूल संस्कृत की परीक्षा दी, जिसमें 8097 छात्र व 9435 छात्राएं उपस्थित रहीं।

पहली बेला की इंटर की चित्रकला आलेखन की परीक्षा में 13847 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिसमें 12220 परीक्षार्थी उपस्थित व 1627 अनुपस्थित रहे। उपस्थित छात्रों की संख्या 4904 तथा छात्राओं की संख्या 7316 रही। इसी प्रकार द्वितीय बेला की परीक्षा में हाईस्कूल संगीत वादन में पंजीकृत 39 परीक्षार्थियों में केवल दो परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए। इसी बेला में इंटर की अर्थशास्त्र की परीक्षा में केवल एक परीक्षार्थी ने परीक्षा दी। इन दिनों हाईस्कूल व इंटर में वैकल्पिक विषयों के होने से कम परीक्षार्थियों की भीड़ परीक्षा केन्द्रों पर दिखाई पड़ रही है, फिर भी आंतरिक चेकिंग दल गेट पर परीक्षार्थियों की तलाशी लेने के बाद ही परीक्षा कक्ष में जाने की अनुमति दी जा रही है।

आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास तथा मारपीट व जानलेवा धमकी का केस दर्ज किया है। कोतवाली के मदनगढ़ निवासी भोलानाथ गुप्ता पुत्र रामबहादुर ने दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती अठाईस मार्च को दिन मे एक बजे रंजिशन गांव के संतराम के पुत्र बबलू यादव ने मारपीट मे उसे लोहे के राड से मारापीटा। लोहे के राड से हुए हमले मे पीड़ित को गंभीर चोटें आ गयी। पीडित मौके पर ही लहूलुहान हो बेहोश हो गया। वहीं पीड़ित के परिजनो को आरोपी ने गाली देते हुए शिकायत करने पर जानलेवा धमकी दी है।

खुद प्यासे मॉडल तालाब से पशु-पक्षी कैसे करें आस

जल संरक्षण को गंभीरता से नही ले रहे है जिम्मेदार

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। विश्व जल दिवस के अवसर पर जल संरक्षण की सीख देने वाले अधिकारियों के ही नाक के नीचे बने मॉडल तालाब में जलयुक्त कीचड़ के साथ गंदगी जमा है। कार्यक्रम के सप्ताह भर बीत जाने के बाद भी अधिकारियों ने न तो तालाब की सफाई कराई और न ही पानी भरवाना उचित समझा।

स्थानीय ब्लाक परिसर में बना मॉडल तालाब अधिकारियों की लापरवाही के चलते दुर्दशा का शिकार हो गया है। सप्ताह भर पहले 22 मार्च को विश्व जल दिवस पर खोखली राग अलापने वाले अधिकारियों की नाक के नीचे ही बने माँडल तालाब का पानी सूख गया है इस समय कीचड़ युक्त पानी के साथ तालाब में गंदगी जमा है। अधिकारियों की लापरवाही के चलते सूखे तालाब बयां करते है कि जल संरक्षण का दिखावा ही है। जल ही जीवन है व जल ही कल है यह महज पन्नों व भाषणों तक ही सीमित दिखाई देने लगा है। सूखे तालाब से जहां जल संरक्षण का अभियान असफलता की ओर अग्रसर है वही गर्मी में पशुओं व पक्षियों को भी हलक तर करने के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। जब जिम्मेदार स्वयं ही अपनी जिम्मेदारी नही पूरी कर पा रहे है तो वह अपने मातहतों से कैसे जिम्मेदारियों का निर्वाहन कराएंगें। आखिर कब तक शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं को जिम्मेदार लोग नजर अंदाज करते रहेंगे। शायद उन्हें यह नही पता कि उनकी यही लापरवाही से आने वाले कल को कितनी मुसीबतों का सामना करना पड़ सकता है। इस क्षेत्र में प्रशासन अगर गंभीर न हुआ तो एक बडी समस्या आने से कोई रोक नही सकता है। इस संबंध में खण्ड विकास अधिकारी अश्वनी सोनकर से बात करने का प्रयास किया गया लेकिन कोई जबाब नही दिया।

कीचड़ व गंदगी के बीच मॉडल तालाब।

चिन्तामणि विधि स्मारक महाविद्यालय में हुआ विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

छात्रों व शिक्षकों को दी गई विधिक जानकारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार एवं जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजय शंकर पाण्डेय के आदेशानुसार चिन्तामणि विधि स्मारक महाविद्यालय गोड़े चिलबिला में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन सिविल जज सी0डि0/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीरज कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय में उपस्थित छात्रों, शिक्षकों को ए0डी0आर0, मध्यस्थता, प्री0 लिटिगेशन लोक अदालत सहित निःशुल्क विधिक सहायता सम्बन्धित आवश्यक जानकारियां देते हुये जागरूक किया गया। इस अवसर पर सचिव नीरज कुमार त्रिपाठी ने कहा कि शासन द्वारा गरीबों, महिलाओं, बच्चो निराश्रितों के कल्याण हेतु कई कल्याणकारी योजनायें संचालित की जा रही है जिसके सम्बन्ध में जनसामान्य को जागरूक किये जाने हेतु राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। सचिव ने कहा कि जागरूकता से ही शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त किया जा सकता है। उन्होने महाविद्यालय के छात्रों से भी ऐसे कार्यक्रमों में सहभागिता करने की अपेक्षा की। उन्होने कहा कि विधि महाविद्यालयों में लॉ क्लब एवं लीगल एण्ड क्लीनिक स्थापित करके जनसामान्य को छात्र-छात्राओं के माध्यम से जागरूक किया जायेगा। महाविद्यालय में लीगल एण्ड क्लीनिक स्थापित किये जाने हेतु एक कक्ष का भी निरीक्षण किया जिसे लीगल एण्ड क्लीनिक हेतु आरक्षित किये जाने का निर्देश सम्बन्धित को दिया गया। इस अवसर पर अधिवक्ता मध्यस्थ विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी, मो0 शमीम पीएलवी सहित महाविद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में आयोजित साक्षरता शिविर में बोलते अतिथि।

इलाज के दौरान महिला की मौत, कोहराम

लालगंज, प्रतापगढ़। इलाज के दौरान दुर्घटना मे घायल महिला की मौत हो गयी। इससे परिजनो मे कोहराम मच गया। कोतवाली के कल्याणपुर बिहारीगंज निवासी प्रेम कुमार सरोज की पत्नी मंजू देवी 35 गांव के बबलू पासवान की पत्नी शुकुलाईन 45 के साथ बीते रविवार की शाम डेरवा धारूपुर मार्ग पर ढ़िगवस के पास पैदल सड़क पार कर रही थी। इस बीच सामने से आ रही बाइक ने महिलाओं को टक्कर मार दी। दुर्घटना मे घायल दोनों महिलाओं को इलाज के लिए लालगंज सीएचसी लाया गया। जहां हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने दोनों को प्रतापगढ़ मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। इलाज के दौरान सोमवार की शाम मंजू की मौत हो गयी। वहीं शुकुलाईन की स्थिति मेडिकल कालेज मे गंभीर बनी हुई है। कोतवाल कमलेश पाल का कहना है कि तहरीर मिलने पर केस दर्ज किया जाएगा।

शिक्षा जीवन का अभिन्न अंग है: डा0 ऊषा

एमडीपीजी कालेज में बर्ड फ्लू व डेंगू के प्रति किया गया जागरुक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मुनीश्वरदत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का पांचवा दिन यातायात, बर्ड फ्लू एवं डेंगू के प्रति जागरूकता पर समर्पित रहा। शिविर में आज विभिन्न वक्ताओं द्वारा कार्यक्रम के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त किए गए।

सर्वप्रथम कॉमर्स विभाग के असि. प्रोफे. डॉ मृदुल उपाध्याय ने स्वाध्याय, स्व-व्यवसाय और आत्म निर्भरता पर बल दिया। बी. एड. विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डा. उषा दुबे ने कहा कि शिक्षा जीवन का अभिन्न अंग है। शिक्षा का उद्देश चरित्र निर्माण कर राष्ट्र को असीम उचाइयो पर ले जाना है। कार्यक्रम के दौरान रक्त दान संस्थान के अध्यक्ष निर्मल पांडेय मौजूद रहे और एन एसएस के स्वंसेवको को रक्त दान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा आपके रक्तदान के कुछ मिनट का मतलब किसी और के लिए पूरा जीवन काल है। कार्यक्रम के समापन में कार्यक्रमाधिकारी डॉ. अमिता मिश्रा (महिला इकाई) एवं डॉ. शैलेश कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों के द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए हैं, जिसमें शांभवी सिंह, गार्गी कीर्ति पांडे, अंजली मिश्रा, अंशिका पांडे, आकांक्षा सिंह, श्रद्धा मिश्रा,नेहा यादव, शीतल, आदित्य मिश्र, अमरेंद्र प्रताप सिंह, सुधीर कुमार, आकाश कुमार, शिवम पाठक एवं आकाश तिवारी, अंकित कुमार पाल आदि प्रमुख रहे।

एनएसएस शिविर में अपने-अपने मॉडल के साथ छात्राएं।

छह घंटे बिजली गुल, पानी को तरसे

प्रतापगढ़। रूपापुर विद्युत उपकेंद्र के फीडर में आई खराबी के चलते आधे शहर की बिजली सप्लाई करीब छह घंटे तक ठप रही। जिससे लोगों के सामने पानी की किल्लत खड़ी हो गई। अधिकारी भी फोन बंद कर लिए थे। मंगलवार को दिन में करीब सवा ग्यारह बजे अचानक लाइट चली गई। काफी देर बाद नही आई। लोगों ने फोन किया। पावर हाउस का फोन बंद था। काम प्रभावित हो रहा था। इस कारण अधिकारियों ने भी फोन ऑफ कर दिए थे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कुछ दिनों पहले टाउन का फीडर खराब हो गया था। मैकेनिक के आने तक गोपालॉपुर फीडर से जोड़कर शहर को बिजली दी जा रही थी। मंगलवार को इलाहाबाद से मैकेनिक आया। फीडर बनाने का काम चालू हुआ। शाम साढ़े पांच बजे तक बिजली नहीं मिल पाई थी।

पत्नी ने अपने पति को जंजीर से बांधकर चारपाई में किया कैद

ग्रामीणों ने जंजीर से कैद कराये जाने की डीएम से लगाई गुहार

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। पति के साथ पत्नी ने अग्नि के सामने सात फेरे लगाकर जीवन साथी बनने का संकल्प लेने वाली पत्नी अपने ही पति को चारपाई से जंजीर में ताला लगाकर इसलिए कैद कर दिया कि कही बाहर निकलकर जमीन जायदाद न बेंच डाले।

मामला जनपद के नवाबगंज थाना क्षेत्र के बाजिदपुर के बरवलिया याकुबपुर (छोटी नरौली) गाव का है जहाँ चारपाई में लोहे की जंजीरों में जकड़ा राजू पुत्र देबी दयाल वर्मा को उसकी पत्नी मकोइया मलियापुर डलमऊ निवासी खुद चारपाई में लोहे की जंजीरों से कैद करके रखती है, जिसे खाना पीना भी सही ठंग से नही देती। चारपाई पर अपने पिता के साथ बैठा उसका बेटा अपनी माँ की अमावनीय हरकत से सहमा हुआ है। जंजीरों में कैद राजू के तीन लड़की व दो लड़का है जिसका सड़क एक्सीडेंट में थोड़ा दिमाग गड़बड़ हो गया है, जिसका बेटा असहय लाचार होकर अपने पिता के पास चारपाई पर बैठा हुआ है। गांव के लोग पत्नी की इस हरकत का विरोध नहीं कर पा रहे है। ग्रामीण लोग बताते है कि राजू का सड़क एक्सीडेंट में दिमाग कमजोर हो गया है जिसका लोग गलत फायदा उठाकर इसकी जमीन का बैनामा करा लिए है और पैसा भी नही दिए, जिसका राजू की पत्नी मुकदमा लड़ रही है, और जमीन को अपने कब्जे में रखे हुए है। दिमाग के कमजोर होने से जमीन जायदाद को बचाने के चक्कर मे पत्नी ने जंजीरों से चारपाई पर बांध दिया है। खेत जमीन को बचाने के चक्कर मे पत्नी ने नवाबगंज पुलिस का भी सहयोग लिया। एक बार पुलिस से बचने के लिए राजू भूसा में छिप गया था जिसे पुलिस के सहयोग से पत्नी मकोइया ने जंजीरों से बांध दिया। राजू के साथ अमावनीय हरकत को ग्राम प्रधान बाजिदपुर प्रकाश चन्द त्रिपाठी ने कई बार राजू की पत्नी मकोइया को समझाया लेकिन उसका असर नही पड़ा। ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए राजू को उसकी पत्नी से जंजीरों से कैद कराने की गुहार लगाई है।

मेडिकल कॉलेज इज इक्वल टू डिस्ट्रिक हॉस्पिटल!

दूसरे फेज में भी नहीं बदल सकी सूरत, कोसों दूर सुविधाएं

जांच केंद्रों पर भारी अनियमितता, बड़े डॉक्टर रहते हैं गायब

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। बड़का जिला प्रतापगढ़ में मेडिकल कॉलेज तो बन गया लेकिन उससे जुड़े जिला पुरुष अस्पताल की सूरत नहीं बदली। नई सुविधाएं ढर्रे पर नहीं आ पाई है। डिजिटल एक्सरे नहीं हो रहा है। नर्स और बाकी स्टाफ पहले जैसा ही है। गांठ की जांच सुविधा के अलावा मेडिकल कालेज के नाम पर और भी ऐसा कोई सुविधा नहीं मिल पाई है। लोगों का कहना है कि नाम बदला है। अस्पताल और उसकी सुविधाएं बरसों पुरानी वाली ही है। जिम्मेदार अधिकारी बताते है कि परिवर्तन होगा। चुनाव के कारण सब रुक गया हैं।

फिलहाल मेडिकल कॉलेज के अभी भी मरीजों को वह सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। जिसके वे हकदार हैं। जांच केंद्रों पर भारी अनियमितता का दौर चल रहा है। बड़े डॉक्टरों की जगह जूनियर और रेजिडेंशियल डॉक्टर ओपीडी चला रहे हैं। कागज पर सब दुरुस्त किया गया हैं। जो हकीकत से मेल नहीं खाता है। अधिकारियों से इतर पैरा स्टाफ अपनी सत्ता अलग चला रहे। नए डाक्टरों का तो पता नहीं। लेकिन पुरानी डाक्टर अभी भी ओपीडी संभाल रहे हैं। इन सबके बीच पिस रहा है मरीज और उसकी आवाज नक्कार खाने में तूती साबित हो रही है। मंगलवार को जिला पुरुष अस्पताल में सरकार की तरफ से मरीजों को दी जाने वाली चिकित्सीय सुविधाओं की पड़ताल में खामियां मिली। 10.10 बजे का वक्त था। ओपीडी में कमरा नंबर 6 के सामने मरीज लाइन में लगकर डाक्टर को दिखा रहे थे। बगल वाला सर्जरी का कमरा खाली था। कुछ मिनट बाद टीम आर्थो के डाक्टर वाले चैंबर के सामने थी। बड़े डाक्टर नदारद। जूनियर कुर्सी पर था।

बगल में चेस्ट फिजिशियन का चैंबर भी खाली था। लाइन लगी थी। पता चला कि डाक्टर आरके राव राउंड पर हैं। 10.20 बजे टीम ब्लड बैंक में थी। सफाई वाले ही मिले। 10.25 बजे मेडिकल वार्ड का नजारा अजीबो गरीब दिखा। वार्ड की सारी गंदगी बरामदे में बिखरी थी। जिससे वार्ड में दुर्गंध थी। सांस ले नहीं पा रहे थे। इसी बीच कर्मचारी दूध और ब्रेड का वितरण शुरू कर दिए। डाक्टर राव राउंड ले रहे थे। 10.35 बजे टीम एक्सरे कक्ष में थी। मरीज शिव बहादुर दुबे पेट दर्द से मछली की तरह तड़प रहे थे। उनका अल्ट्रासाउंड होना था। उनके लड़के को बताया गया कि डाक्टर साहब आए नहीं हैं। कब आयेंगे कहा नहीं जा सकता है। डिजिटल एक्सरे की सुविधा नहीं है। 11 बजे हड्डी वाले डाक्टर अग्रवाल का कमरा खुला।

10 बजे नमूना लिया बोले कल मिलेगी रिपोर्ट

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मेडिकल कालेज और अस्पताल प्रशासन का दावा है कि मरीजों के हित के लिए पैथोलॉजी सुबह 8 से रात 8 बजे (ओपीडी/आईपीडी) तक चल रही है। नमूने लिए जा रहे। रिपोर्ट भी उसी दिन दी जा रही है। अब हकीकत जानिए। मरीजों ने सुबह 10 बजे सैंपल दिया। दोपहर एक बजे और उसके बाद रिपोर्ट लेने पहुंचे मरीजों से कहा गया कि रिपोर्ट कल यानि बुधवार को मिलेगी। प्रिंसिपल और सीएमएस के पास शिकायत पहुंची तो लगे बचाव करने। अस्पताल की हालत यह है कि शासन की तरफ से जो भी सुविधाएं मिलनी चाहिए। उसमें भी अस्पताल के जिम्मेदार पलीता लगाने में कोई कसर बाकी नहीं रख रहे हैं। इस बारे में मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल देश दीपक आर्य का कहना है कि तीसरे फेज के वर्क में काफी कुछ बदल जायेगा। अभी बजट और संसाधन की कुछ समस्या बनी है। निस्तारण का प्रयास किया जा रहा है। सीएमएस को भी चाहिए कि वो भी ध्यान दें। तभी मरीजों का भला हो सकता है।

मार्कशीट फजीर्वाड़ा मामले में स्कूल प्रबंधक के खिलाफ दी गई तहरीर

स्कूल प्रबंधक पर कार्यवाही किये जाने की मांग

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के एक इंटर कालेज में पिछले दिनों जाली मार्कशीट बनाने के मामले में हुए खुलासे को लेकर पीड़िता छात्रा ने स्कूल प्रबंधक के खिलाफ संग्रामगढ़ पुलिस को कारवाई के लिए तहरीर दी है। फजीर्वाड़ा मार्कशीट के स्कूल प्रशासन द्वारा मिलने पर महकमा के साथ क्षेत्र में हड़कम्प मचा हुआ है। महेशगंज थाना क्षेत्र के बैरागीपुर (फतूहाबाद) निवासी शिखा मिश्रा पत्नी लक्ष्मी नारायण मिश्र ने संग्रामगढ़ पुलिस को तहरीर में आरोप लगाया है कि वह संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के एक इंटर कालेज में 2007 से पास आउट है जिस की मार्कशीट में एस आर नंबर व रोल नंबर जिस प्रकार से अंकित है। वही एक दूसरी छात्रा सुलोचना यादव के नाम पर भी अंकित है और विद्यालय प्रबंधन द्वारा षड्यंत्र कारी एवं कूट रचित मानसिकता के चलते शिखा मिश्रा के नाम फर्जी मार्कशीट जारी किया तथा उसे स्थानांतरण प्रमाण पत्र एवं चरित्र प्रमाण पत्र भी दिया गया।

पीड़िता शिखा मिश्रा का आरोप है कि 2007 में विद्यालय से इंटरमीडिएट की परीक्षा देने के बाद भी स्कूल प्रबंधन द्वारा उसे मार्कशीट नही दी गई जबकि उसके स्थान पर सुलोचना यादव नाम की दूसरी छात्रा का नाम डाला गया जिस के संबंध में पीड़िता ने थाना संग्रामगढ़ में मंगलवार को तहरीर दी है तथा मामले पर कार्यवाही की मांग की है। इस बाबत पूछने पर थानाध्यक्ष संग्रामगढ़ अनिल पांडे का कहना है कि पीड़िता द्वारा तहरीर प्राप्त मिली है मामले में दोषियों पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई की जाएगी।

हिस्ट्रीशीटर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रतापगढ़। मानधाता पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर साबिर अली उर्फ ननकू को अवैध पिस्टल के साथ धर दबोचा। साबिर उर्फ ननकू निवासी गांव चांदपुर के पास से अवैध पिस्टल व मैगजीन के साथ पुलिस ने किया बरामद। बता दें कि लाट हत्याकांड में आजीवन कारावास में हाईकोर्ट से बेल पर हिस्ट्रीशीटर छूटा है। हिस्ट्रीशीटर मांधाता ब्लॉक के चांदपुर ग्राम सभा का ग्राम प्रधान पति भी है।

कौशाम्बी संदेश

खबर संक्षेप

45 विवेचनाओं का किया गया निस्तारण

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद के सभी विवेचकों के साथ गोष्ठी कर विवेचनाओं के निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया था। जिसके क्रम में 45 विवेचनाओं का निस्तारण किया गया है जानकारी के मुताबिक थाना मंझनपुर द्वारा 08 विवेचनाओं का निस्तारण थाना करारी द्वारा 03 विवेचनाओं का निस्तारण थाना महेवाघाट द्वारा 01 विवेचनाओं का निस्तारण थाना कौशाम्बी द्वारा 02 विवेचनाओं का निस्तारण थाना चरवा द्वारा 14 विवेचनाओं का निस्तारण थाना पिपरी द्वारा 04 विवेचनाओं का निस्तारण थाना कोखराज द्वारा 07 विवेचनाओं का निस्तारण थाना सैनी द्वारा 03 विवेचनाओं का निस्तारण थाना मोहब्बतपुर पइन्सा द्वारा 01 विवेचनाओं का निस्तारण व थाना कड़ाधाम द्वारा 02 विवेचनाओं का निस्तारण किया गया।

लोक निर्माण विभाग के ठेकेदारों ने मजदूर बालक को दे दी मौत

लोक निर्माण विभाग के ठेकेदार की लापरवाही से एक अन्य मजदूर का गंभीर हालत में चल रहा है इलाज

अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशाम्बी। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और उनके ठेकेदारों की लापरवाही के चलते 2 मजदूर मलबे में दब गए हैं जिससे एक मजदूर की मौत हो गई है दूसरा मजदूर गंभीर हालत में अस्पताल में जीवन और मौत से जूझ रहा है मजदूर की मौत की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची कड़ा धाम थाना पुलिस ने मजदूर के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है इस मामले में लोक निर्माण विभाग के ठेकेदार और अधिकारियों की घोर लापरवाही उजागर हुई है लेकिन खबर लिखे जाने तक ठेकेदार और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है मजदूर के परिवार पर दबाव डालकर ठेकेदार और अधिकारी समझौते का प्रयास कर रहे हैं मामला कड़ा धाम कोतवाली क्षेत्र का है। कड़ा धाम कोतवाली क्षेत्र के दारा नगर में लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क का निर्माण और चौड़ीकरण किया जा रहा है यहां पर अतिक्रमण की जद में आए सुरेश टेलर और रमेश टेलर के मकान को लोक निर्माण विभाग के ठेकेदार द्वारा गिराया जा रहा है शिवा

हादसे के बाद घटनास्थल पर लगी भीड़

सोनकर नामक व्यक्ति ठेका लेकर माकन गिरवा रहा था सड़क के निर्माण में मकानों को गिराने में काम करने वाले मजदूर सैनी कोतवाली क्षेत्र के कछुआ के निवासी थे उन्हीं में से एक मजदूर कमलेश पासी पुत्र चौबे पासी का पुत्र शिवा जिसकी उम्र लगभग 12 वर्ष थी वह भी लोक निर्माण विभाग के ठेकेदार के साथ कार्य कर रहा था अचानक दीवाल गिराते समय दो मजदूर मलबे में दब गए एक किशोर मजदूर दीवार के गिरे हुए मलबे के जद में आ गया जिस से दबकर किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया आनन फानन घायल किशोर को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया किंतु किशोर की मौत हो गई एक अन्य मजदूर भी सड़क के मलबे में दबकर घायल बताया जा रहा है,किशोर की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है वहीं कड़ा धाम कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचकर शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज मामले की छानबीन में जुट गई है।

गरीबों की लाश पर चढ़कर दौड़ेगी अधिकारियों नेताओं की लग्जरी गाड़ियां

अझुवा कौशाम्बी। अधिकारियों नेताओं के लग्जरी वाहन तेज गति से सड़कों पर फरार्टे भरें इसी उद्देश्य से सड़कों का चौड़ीकरण कर गरीब कमजोर मजलूम के घरों को धराशाई कर किया जा रहा है सड़कों के चौड़ीकरण की जद में आने वाले गरीबों के घरों को गिराने में अधिकारियों नेताओं की भी मूक सहमति है जिससे गरीब अपने गिरते घरों को देखकर परेशान हैं घर गिराए जाने से आए दिन हादसे हो रहे हैं बीते दिनों भी चौड़ीकरण की जद में आकर लोग मलबे में दब चुके हैं फिर कड़ा धाम क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण के जद में 2 मजदूर आ गए हैं जिससे एक मजदूर की मौत हो गई है आखिर आबादी के बीच सड़क चौड़ीकरण का क्या उद्देश्य है यदि वाहनों के निकलने में दिक्कत होती है तो बाईपास सड़क बनाए जाने का प्रस्ताव कर उसके निर्माण कराए जाने की जरूरत है लेकिन गरीबों के घरों को गिरा कर के सड़क के चौड़ीकरण कर अधिकारी नेताओं के वाहनों के फरार्टा भरने का इंतजाम करने में लोक निर्माण विभाग और नगर पालिका के जिम्मेदार लगे हैं जो योगी सरकार की व्यवस्था पर सवाल है।

न्यूज झरोखा

मंझनपुर तहसील में घर-घर कोविड-19 संचारी रोग एवं टीवी के लक्षणों की खोजी बैठक आयोजित

कल्यानपुर कौशाम्बी। आज दिनांक 29 मार्च 2022 को उप जिला अधिकारी सभागार मंझनपुर में उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संचारी रोग नियंत्रण अभियान की अंतर विभागीय बैठक आयोजित की गई ' बैठक में उपस्थित सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मंझनपुर के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ अरुण कुमार पटेल द्वारा बताया गया की यह अभियान 2 अप्रैल.2022 से 30 अप्रैल 2022 तक चलाया जाएगा । इस दौरान आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ती घर- घर जाकर समुदाय के लोगों को साफ सफाई एवं स्वच्छता तथा कोविड-19 लक्षण वाले व्यक्तियों की पहचान, टीवी के मरीजों की पहचान करके सूची बनाएगी । बैठक में ब्लॉक मंझनपुर, सरसवा और कनैली के खंड विकास अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी खंड शिक्षा अधिकारी एवं पशु चिकित्सा अधिकारी मौजूद रहे।

हड़ताल के चलते बंद रहा एलआईसी कार्यालय

भरवारी कौशांबी। देश ब्यापी कर्मचारियों की हड़ताल की घोषणा के बाद भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा कार्यालय भरवारी के कर्मचारियों ने कार्यालय में तालाबंदी कर पूरी तरह से हड़ताल कर दी है इससे भारतीय जीवन बीमा निगम के कार्य प्रभावित हुए हैं एलआईसी कार्यालय पहुंचने वाले पालिसी धारक ताला बंद देख कर वापस लौट जाते थे अपने विभिन्न मांगों को लेकर कर्मचारियों ने हड़ताल की घोषणा की है और इसी घोषणा के तहत एलआईसी कार्यालय भरवारी में ताला बंद कर कर्मचारियों ने हड़ताल कर दी है एलआईसी परिसर में ताला बंद होने से कर्मचारियों से बातें नहीं हो सकी हैं।

सड़क हादसे में एक युवक की मौत तीन लहूलुहान

कोखराज के असवा मोड़ के पास आमने सामने दो बाईको में हुई टक्कर

टेडीमोड कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के असवा मोड़ के पास दो बाईको की आमने सामने जोरदार टक्कर हो गयी है हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा 3 गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया सड़क हादसे में घायल तीनों लोगों की हालत गंभीर होने पर प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया गया है। मृतक युवक के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। घटनाक्रम के मुताबिक कोखराज थाना क्षेत्र के सिंघिया गांव निवासी चंद्रभूषण 25 वर्ष अपने साथी राहुल के साथ एक बाइक से कहीं जा रहे थे जैसे ही बाइक सवार कोखराज थाना क्षेत्र के असवा मोड़ के पास पहुंचे कि सामने से दूसरी बाइक में मुकुल निवासी ग्राम फरीदपुर थाना कोखराज अपने साथी आसिफ निवासी दरवेशपुर थाना कोखराज के साथ कहीं जा रहे थे थाना क्षेत्र के मूरतगंज मंझनपुर मार्ग स्थित असवां मोड़ के पास दोनों बाइकों में आमने सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। जिससे चारों युवक गंभीर रूप से घायल हो कर जमीन पर गिर गए हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर आसपास के लोग और राहगीर एकत्रित हो गए मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई घायलों को इलाज हेतु जिला अस्पताल भेजा गया। जहां चंद्रभूषण 25 वर्ष की इलाज के दौरान मौत हो गई। गंभीर हालत में घायल राहुल मुकुल आसिफ को प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया गया है। मृतक का शव पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है।

लेखपाल पुलिस की मौजूदगी में दबंगों ने दलितों की बस्ती में लगाई आग

दोपहर में झोपड़ी में सो रहे गरीब परिवार के लोगो ने भागकर नहीं बचाई होती जान तो होता बड़ा नरसंहार

तो फिर क्या योगी सरकार बनते ही दलित पर अत्याचार उत्पीड़न सरकार के निर्देश अधिकारियों ने किया शुरू

अखंड भारत संदेश

दलित बस्ती में लगी भीषण आग

शिकायत लेकर एसपी ऑफिस पहुंचे दलित बस्ती के लोग

कौशांबी। चायल तहसील क्षेत्र के मोहिद्दीन पुर गौस थाना चरवा गांव में गरीब कमजोर मजलूम दलित लोगों ने खाली पड़ी सरकारी जमीन में झोपड़ी डालकर जीवन यापन करना शुरू कर दिया लेकिन सरकारी जमीन पर पड़ोसी गांव के दबंगों की नियत खराब हो गई लेखपाल से सांठगांठ कर दलित बस्ती को उजाड़ने की पूरी रणनीति बनाई गई और इसी रणनीति के तहत दलित बस्ती के झोपड़ियों में सोमवार की दोपहर लेखपाल और स्थानीय पुलिस चौकी के जवानों की मौजूदगी में दबंगो द्वारा आग लगा दी गई मौके पर मौजूद पुलिस के जवान दबंगों के कृत्य पर विवश होकर अपनी विवशता पर आंसू बहा रहे थे देखते-देखते दलित बस्ती तेज लपटों के साथ जलने लगी और कुछ घंटे में दलित बस्ती की झोपड़ी जलकर खाक हो गई दलित बस्ती के लोगों ने बताया कि उनके बर्तन बिस्तर चारपाई आनाज कपड़ा व अन्य गृहस्थी के सामान झोपड़ी में मौजूद थे जो जलकर खाक हो गए हैं जिस समय दलित बस्ती में आग लगाई गई थी दोपहर का समय था और गरीब लोग झोपड़ी में आराम कर रहे थे इसी बीच लेखपाल पुलिस की मौजूदगी में दबंगों ने झोपड़ी में आग लगा दिया जिससे आग लगने की जानकारी मिलते ही अफरा-तफरी मच गई और दलित बस्ती के लोगों ने किसी तरह से झोपड़ी से बाहर भाग कर अपनी जान बचाई है वरना योगी सरकार बनते ही एक बार फिर बड़ा नरसंहार हो जाता आखिर योगी सरकार बनते ही दलित बस्ती में इतना आतंक अत्याचार करने का निर्देश लेखपाल चौकी पुलिस और दबंगों को किसने दिया है यह बड़ी जांच का विषय है दलित बस्ती की बेलवती पत्नी रामविशाल सूरज कली पत्नी जयसिंह सरिता देवी पत्नी ज्ञानसिंह उषा देवी पत्नी राकेश चंदा देवी पत्नी कल्लू आरती पत्नी डेप सहित दलित बस्ती की दर्जनों महिलाओं ने जिला अधिकारी को शिकायती पत्र देकर बताया कि मौके पर मौजूद लेखपाल और चौकी पुलिस के उसकावे पर दलित बस्ती में दबंग सुड्डू सिंह निवासी पथरवा ने दिनदहाड़े पेट्रोल डालकर आग लगा दी है दलित बस्ती के लोगों का कहना है कि आरोपी लेखपाल चौकी के जवान और दबंग पर मुकदमा दर्ज कर इनकी गिरफ्तारी कराई जाए और दलित बस्ती में आग लगाने में हुए नुकसान की भरपाई की जाए।

3 महीने से पुलिस को 164 का बयान कराने का नहीं मिला समय

कौशांबी। पुलिस किस कदर अपराधियों के घुटनों पर गिर धनादोहन करती है इसका एक ताजा उदाहरण सराय अकिल कोतवाली पुलिस का देखने को मिला है कोचिंग जाने वाली बालिका के साथ दिनदहाड़े युवकों ने छेड़खानी की थी घटना 5 महीने पहले की है विरोध करने पर बालिका के परिजनों को दबंगों ने लाठी डंडे से पीटा था आरोप है कि दबंगों ने राइफल की नाल बालिका के परिजनों की छाती पर लगाकर गोली मारने की धमकी दी थी पहले तो पुलिस मुकदमा नहीं दर्ज कर रही थी तमाम प्रयास के बाद दो महीने बाद बालिका के साथ छेड़खानी का मुकदमा पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 456 सन 21 दिनांक 20 दिसम्बर 2021 को दर्ज कर लिया लेकिन मुकदमा दर्ज किए जाने को 3 महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद बालिका का 164 का बयान कराने का समय सराय अकिल पुलिस को अभी तक समय नहीं मिला है। सूत्रों की माने तो मामले में नामजद आरोपियों से पुलिस ने उन्हें राहत देने के नाम पर नोट की गड्डी वसूल ली है जिससे आरोपियों के खिलाफ अदालत में पुलिस बालिका का 164 का बयान नहीं कराना चाहती है और पीड़ित छात्रा को पुलिस लगातार गुमराह कर रही है। 18 अक्टूबर को सराय अकिल की एक बालिका कोचिंग के लिए घर से निकली थी रास्ते में कृष्णा शर्मा दीपेंद्र शर्मा सुरेश शर्मा आदि ने मिलकर बालिका से अश्लील हरकत की थी पीड़ित परिजनों ने 164 का बयान दर्ज कराए जाने के लिए थाना पुलिस को निर्देशित करने की मांग की है।

डीएम ने गेहूं खरीद की तैयारियों के सम्बन्ध में की बैठक

गेहूं खरीद के बैठक में उपस्थित विभिन्न विभाग के अधिकारी

गेहूं खरीद के संबंध में बैठक करते जिलाधिकारी

अखंड भारत संदेश

सभी गेहू क्रय केन्द्र कियाशील रखने के दिए निर्देश, किसी भी प्रकार की शिकायत आने पर सख्त कार्यवाही की जायेगी

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार द्वारा सम्राट उदयन सभागार में गेहूँ खरीद वर्ष 2022-23 की तैयारियों के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक की गयी बैठक में जिला खाद्य विपणन अधिकारी अंशुमाली ने बताया कि जनपद में कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार गेहूँ का कुल रकबा 75 हजार 997 हेक्टेयर है कुल 260883 मी0 टन उत्पादन आंकलित किया गया है। जनपद में कुल 45 हजार मी0 टन गेहूँ क्रय सम्भावित है अब तक 899 कृषकों द्वारा पंजीकरण कराया गया है। उन्होंने बताया कि 24 क्रय केन्द्रों का अनुमोदन प्राप्त हो चुका है, जिसमें खाद्य विभाग के 08 पीसीएफ के 15 तथा भारतीय खाद्य निगम के 01 क्रय केन्द्र हैं, कुल 44 क्रय केन्द्र खोले जाने हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022-23 में गेहूँ का समर्थन मूल्य रुपए-2015 प्रति कुंतल निर्धारित है बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि गेहूँ क्रय हेतु केन्द्र पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित कर लिया जाय तथा नियमानुसार गेहूँ क्रय किया जाना सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने कहा कि 01 अप्रैल से प्रातः 09 बजे से सांय 06 बजे तक सभी गेहूँ क्रय केन्द्र क्रियाशील रहें तथा सभी केन्द्रों पर प्रभारी उपस्थित रहें। उन्होंने कहा कि गेहूँ क्रय के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की शिकायत आने पर सख्त कार्यवाही की जाये उन्होंने कहा कि जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा सभी क्रय केन्द्रों की नियमित जॉच करायी जायेगी इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) जयचन्द्र पाण्डेय सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जिसे ढूंढ रही पुलिस जमीन की रजिस्ट्री कर वह फिर निकल गया...

कौशांबी। भू माफियाओं के नाम से विख्यात एक शातिर और उसके गैंग के सदस्यों को पुलिस वर्षों से नहीं खोज पा रही है जिसे पुलिस वर्षो से खोजने के लिए धूल फांक रही है वह पुलिस को चुनौती देते हुए मंझनपुर तहसील पहुंचा और उप निबंधक कार्यालय में जमीनों का बैनामा दूसरे भूमाफिया को करने के बाद मोटी रकम लेकर मंझनपुर से फिर निकल गया है और पुलिस उसे खोजने के लिए परेशान रह गई भू माफिया पर आरोप है कि उसने गलत तरीके से लोगों के साथ बेईमानी फ्राड कर जमीने एकत्रित की है और प्लाट बनाकर बेचना शुरू कर दिया है कोखराज थाना क्षेत्र के एक बाजार के रहने वाले इस भूमाफिया और इसके गैंग के सदस्य पर करोड़ों रुपए की हेराफेरी का आरोप है भूमाफिया के विरुद्ध उसके रिश्तेदारों ने भी मंझनपुर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है इतना ही नहीं इलाहाबाद के चर्चित डॉक्टर ने भी भूमाफिया और उसके गैंग के सदस्यों के विरुद्ध करोड़ों रुपए ठगी का मुकदमा दर्ज कराया है जिस पर पुलिस उसकी तलाश कर रही है लेकिन पुलिस जिसकी तलाश में वर्षों से परेशान है वह खुलेआम मंझनपुर तहसील पहुँच कर जमीन का बैनामा करने के बाद वापस निकल जाए तो यह पुलिसिया व्यवस्था और उनके मुखबिर की सूचना की लापरवाही उजागर कर रहा है।

52 लाख के घोटाले पर 5 प्रधान पंचायत सचिव एडीओ पंचायत पर मुकदमा दर्ज

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। गांव क्षेत्र में विकास कराए जाने के नाम पर सरकारी खजाने में बेखौफ तरीके से लूट मची है। मामले को लेकर आए दिन ग्रामीण जनता जिला अधिकारी से लेकर शासन तक शिकायत कर रही है लेकिन भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों का बाल बांका नहीं हो रहा था जिला पंचायत राज अधिकारी बाल गोविंद ने भ्रष्टाचार में लिप्त ग्राम प्रधान पंचायत सेक्रेटरी और एडीओ पंचायत पर मुकदमा दर्ज करा दिया है कोखराज थाने में मुकदमा दर्ज होते ही पूरे विकास विभाग में हड़कंप मच गया है आरोपी ग्राम प्रधान पंचायत सचिव और एडीओ पंचायत पर 52 लाख रुपए गबन का आरोप है। गौरतलब है कि सिराथू विकासखंड क्षेत्र के जमाल मऊ रूपनारायणपुर सैलबी उलाचूपुर बघेला पुर कोखराज ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन और शौचालय निर्माण के नाम पर खजाने से रकम निकाल ली गई लेकिन पंचायत भवन और शौचालय को अधूरा छोड़ दिया गया भवन निर्माण पूर्ण नहीं हो सके झूठी रिपोर्ट लगाकर शासन को पंचायत भवन और शौचालय निर्माण पूर्ण की रिपोर्ट भेज दी गई मामले की शिकायत ग्रामीणों ने की समाचार पत्रों में भी भ्रष्टाचार की शिकायतें प्रकाशित हुई मामले को संज्ञान लेकर जिलाधिकारी ने जांच कराई जांच के दौरान मालूम हुआ कि जमाल मऊ के ग्राम प्रधान राजेश पाठक रूपनारायण पुर सैलबी के ग्राम प्रधान विमला देवी उलाचूपुर के ग्राम प्रधान मोहम्मद आमिर बघेला पुर के ग्राम प्रधान भगवत प्रसाद कोखराज के प्रधान गुलेश बाबू ने पंचायत सचिव अर्चना सरोज के साथ मिलकर सरकारी रकम में गबन किया है 52 लाख रुपए गबन के आरोप तय हुए एडीओ पंचायत सिराथू की भी भूमिका सरकारी रकम के गबन में संदिग्ध पाई गयी जिस पर 5 ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव के साथ एडीओ पंचायत सिराथू पर कोखराज थाने में धोखाधड़ी फ्राड का मुकदमा जिला पंचायत राज अधिकारी ने दर्ज करा दिया है।

मुकदमा दर्ज होते ही विकास विभाग में मची अफरा-तफरी

अन्य ग्राम पंचायतों में भी है गबन

कौशांबी। ग्राम पंचायतों के विकास में धांधली किए जाने पंचायत भवन निर्माण और शौचालय निर्माण में रकम निकाल लिए जाने के बाद अधूरा निर्माण छोड़ दिए जाने का यह मामला अकेला अर्चना सरोज पंचायत सचिव के क्षेत्र का नहीं है जिले के अन्य क्षेत्र में भी पंचायत सचिव की देखरेख में बड़े घोटाले हुए हैं अन्य ग्राम पंचायत क्षेत्रों की जांच कराई गई तो कई दर्जन ग्राम प्रधानों के साथ साथ दर्जनों पंचायत सेक्रेटरी को जेल की हवा खानी पड़ेगी इतना ही नहीं आधा दर्जन एडीओ पंचायत भी जेल की सलाखों में होंगे लेकिन क्या अन्य ग्राम पंचायतों की जांच कराकर दोषियों पर मुकदमा दर्ज होगा यह बड़ा सवाल है।

रेल लाइन पर मिली युवक की लाश से परिजनों ने उठाया पर्दा

अखंड भारत संदेश

मौके में मिले तमाम परिस्थिति जन्य साक्ष्य को पुलिस मानने से कर रही इंकार

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के सैय्यद सरावा रेलवे लाइन के पास 21 फरवरी को शाम 7:00 बजे एक युवक की दो टुकड़ों में लाश मिली थी जिसकी शिनाख्त शेखपुर रसूलपुर गांव निवासी प्रदीप कुमार पुत्र बलवंत के रूप में हुई है परिजनों ने पुलिस अधिकारियों को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि प्रदीप कुमार 20 फरवरी को 11:00 बजे सुबह मुंबई कल्याण जाने के लिए घर से निकला था और पूरा मुफ़्ती तक प्रदीप को उसके भाई अक्ष दीप सिंह ने पहुंचाया था लेकिन उसके बाद प्रदीप का मोबाइल स्विच ऑफ हो गया प्रदीप मुंबई कल्याण नहीं पहुंच सका 21 फरवरी को प्रदीप के घर फोन करके बताया गया कि उसकी लाश रेलवे लाइन के पास पड़ी है मौके पर परिजन पहुंचे तब तक लाश को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया था पुलिस ने दुर्घटना मानकर प्रदीप की लाश का पोस्टमार्टम कराया लेकिन मौके के तमाम साक्ष्य को पुलिस ने नजरअंदाज कर दिया घटनास्थल पर शव से कुछ दूर पर खून पड़े थे शराब की खाली बोतल और अगरबत्ती भी पड़ी थी मृतक के मोबाइल का सिम तोड़कर बाहर फेंका गया था घटनास्थल पर तमाम साक्ष्य को पुलिस ने नजरअंदाज कर दिया है वरना प्रदीप की रेल लाइन पर मिली लाश मौके पर तमाम सबूत का बयान कर रही थी परिजनों ने बताया कि 20 फरवरी को प्रदीप सैयद सरावा चौराहे पर शाम 4:00 बजे देखा गया उसके बाद उसका मोबाइल स्विच ऑफ हो गया है परिजनों का कहना है कि इसके पहले भी बलराम पटेल आदि ने उसे दावत के बहाने घर बुलाया था लेकिन उसे अनहोनी की आशंका थी जिस पर वह बलराम आनंद के बुलावे पर उनके घर नहीं गया था परिजनों का कहना है कि पूर्व में एक बार बलराम पटेल के घर मृतक प्रदीप रुका था इन तमाम बिंदुओं पर पुलिस ने जांच नहीं की है परिजनों का कहना है कि ओदार पुर गांव निवासी तूफान सिंह ने प्रदीप को दावत में बुलाया था लेकिन वह नही गया परिजनों ने शिकायती पत्र में कहा कि तूफान सिंह के साथी आनंद कुमार के ससुर धर्मपाल पटेल को कैसे प्रदीप की मौत की सबसे पहले जानकारी हुई है इस मामले में भी पुलिस ने अपनी जांच की दिशा नहीं बढ़ाई है तमाम साक्ष्य को नजरअंदाज कर पुलिस प्रदीप की मौत को दुर्घटना मानने की जल्दबाजी कर रही है परिजनों ने अधिकारियों को पत्र देकर प्रदीप की हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए मुकदमे की निष्पक्ष जाँच विवेचना कराए जाने और प्रदीप की हत्या में शामिल लोगों को गिरफ्तार कर भेजा जेल भेजे जाने की मांग की ह।

मंदिर में लगा भक्तों का जमावड़ा

दूसरी बार डिप्टी सीएम बनने पर कशिया हनुमानजी में बाजे गाजे के साथ चढ़ाया लड्डू

कोखराज कौशाम्बी। सिराथू से केशव प्रसाद मौर्या के पुनः उप मुख्यमंत्री बनाए जाने से जहां जिले के लोगों में खुशी की लहर हैं ।वही पर हनुमान मंदिर कशिया में भाजपा कार्यकताओं ने राममिलन पासी,व दिलीप पासी की अगुवाई में लड्डू चढ़ाया और बितरण किया अपने सैकड़ो लोगों के साथ कशिया पेट्रोल पंप से बाजे गाजे के साथ पैदल चलकर प्रचीन हनुमान मन्दिर कशिया में माथा टेक कर डिप्टी सीएम के लिए आशिर्वाद मांगा व तमाम कार्यकताओं को मिठाइयां बांटकर खुशी का इजहार किया। इस मौके पर बोलते हुए भाजपा नेता दिलीप पासी ने कहा कि आज जिस तरीके से उत्तर प्रदेश की सरकार में कौशांबी की शान केशव प्रसाद मौर्या को फिर से उप मुख्यमंत्री बनाया गया है, वह जिले की जनता का सम्मान हैं। उप मुख्यमंत्री को ग्राम विकास ,मनोरंजनकर, खाद्य प्रसंस्करण, राष्ट्रीय एकीकरण सार्वजनिक आदि पदों से नवाजा गया है। लोग एक दूसरे से गले मिलने लगे इसी दौरान कई गांव के लोगों ने एक दूसरे को मिठाई बांटकर अपनी खुशी का इजहार किया। इस मौके पर राम मिलन सरोज,दिलीप पासी,मनोज,धनराज,दीपक, भानू उपाध्याय, रवि मौर्य, मुन्ना लाल,आशीष मौर्य, सुनील,माया देवी सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाई गई रत्नावली के जयंती

रामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास की पत्नी रत्नावली का जन्म कौशांबी जिले के महेवा घाट में 1566 में हुआ था

अखंड भ्हारत संदेश

रत्नावली का जन्मदिन मनाते भक्त

कौशाम्बी। रामचरितमानस के रचयिता परम्‍ पूज्य गोस्वामी तुलसीदास जी को रामभक्ति की प्रेरणा देने वाली उनकी धर्मपत्नी रत्नावली की जयंती के अवसर पर तुलसी की ससुराल महेवाघाट स्थित रत्नावली मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना कर रत्नावली जयन्ती बड़ी ही धूमधाम से मनाई गई ओम नमः शिवाय गौशाला वंशीवट, वृन्दावन के संत रामदास जी महाराज के द्वारा रत्नावलीधाम महेवाघाट (कौशाम्बी) में कुछ वर्षों पूर्व मन्दिर का निर्माण कराया गया था। संत रामदास जी महाराज के निर्देशन में रत्नावली जयन्ती मनाई गई रत्नावली का जन्म चैत्र कृष्णपक्ष अष्टमी सम्वत 1566 को महेवाघाट निवासी पं दीनबंधु पाठक के यहाँ कन्यारत्न के रूप में हुआ था ।समाज सेविका श्रीमती सरिता पाण्डेय एवं डॉ राजेन्द्र पाण्डेय ने रत्नावली जयन्ती पर विधिवत पूजा अर्चना कराया और सभी के सहयोग से भंडारे का आयोजन किया गया। इस मौके पर रामगणेश पांडेय पूर्व शिक्षक, रामाश्रय त्रिपाठी, शिवाकांत चतुवेर्दी, राजेन्द्र पाण्डेय वाराणसी, अशोक सोनी, चुन्नू तिवारी, रत्नावली मन्दिर पुजारी प्रहलाद पाठक, पं रामबहोरी पांडेय, भरत जायसवाल, सीताराम केसरवानी, रामनरेश त्रिपाठी, अंकुश पांडेय, मनीष कुमार, रमेश चंद्र त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

संपादकीय

बंगाल में हिंसक तांडव

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले जो हिंसा का तांडव शुरू हुआ था वो लगातार जारी है। बंगाल चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद जिस तरह की हिंसा और क्रूरता वहां हुई, उसे सारे देश ने देखा और सुना। हाल ही में बीरभूम जिले के रामपुरहाट इलाके में 10 इनसानों को जिंदा जलाकर मार दिया गया। उनमें 8 लोग एक ही परिवार के थे। दो मासूम बच्चों को भी आग में धकेल कर मार दिया गया। घर फूंक दिए गए। हैवानियत और पाशविकता ने तमाम हदें पार कर दीं। जिस जगह यह नरसंहार हुआ था, उससे मात्र 2 किलोमीटर की दूरी पर पुलिस थाना है, लेकिन घर जला दिए गए, इनसान जिंदा फूंक दिए गए, लेकिन पुलिस की संवेदना नहीं जागी कि हत्याकांड रुकवाया जाए। इस घटना ने मानवता और लोकतंत्र को शर्मशार कर दिया है। यह सामान्य कानून-व्यवस्था का मामला नहीं है। ये प्रश्न विचारणीय है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के पश्चिम बंगाल में ह्यखून का खेलह्व कब तक जारी रहेगा? काबिलेगौर है कि पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान केंद्रीय बलों की 713 कंपनियां और कुल 71 हजार सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के बावजूद हिंसा की घटनाएं थमी नहीं थी। जबकि हाल ही में पांच राज्यों में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में छुट-पुट घटनाओं के अलावा कोई बड़ा या गंभीर प्रकरण सामने नहीं आया। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने इस घटना को हिंसा की संस्कृति और जंगलराज बताया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्यपाल के इस बयान को गैरजरूरी और बंगाल की छवि खराब करने वाला कहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पश्चिम बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष अधीर रंजन चैधरी ने मांग की है कि पश्चिम बंगाल में आपातकाल लगाया जाए। बीरभूम जिले की घटना के बाद से ममता सरकार लगातार विपक्ष के निशाने पर है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी है। भाजपा का आरोप है कि स्थानीय तृणमूल नेता की हत्या का बदला लेने के लिए इस घटना को अंजाम दिया गया है। हालांकि, टीएमसी का कहना है कि यह घटना राजनीति से जुड़ी नहीं है। वहीं, डीजीपी मनोज मालवीय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि इन हत्याओं का राजनीति से कोई लेना-देना नही है। विपक्षी दलों ने इस नरसंहार के पीछे वर्चस्व और पैसों की भूख के लिए तृणमूल कांग्रेस के आंतरिक संघर्ष को जिम्मेदार ठहराया है। देखा जाए, तो बागुटी गांव में हुए नरसंहार की वजह से तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी बैकफुट पर हैं। द टेलीग्राफ के अनुसार, अवैध रेत और पत्थर के कारोबार पर रोक न लगा पाने में पुलिस की विफलता ही भादू शेख की हत्या का कारण माना जा सकता है। लेकिन, अहम सवाल ये है कि भादू शेख कथित तौर पर इस क्षेत्र में चलने वाले अवैध कारोबारों का नियंत्रण करता था। तो, उसे संरक्षण देने वाला कौन था? अब इस मामले की जांच केंद्रीय जांच एजेंसी के हवाले है, ऐसे में दूध का दूध और पानी का पानी सामने आ जाएगा। पश्चिम बंगाल के लिए राजनीतिक हिंसा की घटनाएं कोई नई बात नहीं है। राज्य में राजनीतिक हिंसा का एक लंबा इतिहास रहा है, जिसकी शुरूआत नक्सलवाड़ी आंदोलन को कुचलने से मानी जाती है। तत्कालीन कांग्रेस के मुख्यमंत्री सिद्धार्थ शंकर रे ने काफी क्रूरता के साथ इस आंदोलन का दमन किया था। इस हिंसा में कई हजार लोग मारे गए थे। इसके बाद राज्य की सत्ता पर आने वाले दलों ने भी अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ कांग्रेस का ही रास्ता अपनाया। कांग्रेस के बाद वाममोर्चा सरकार आई तो उसने प्रतिशोध में काम किया।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में हिंसा के दाग

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल विधानसभा जैसी अप्रिय एवं त्रासद स्थितियां पैदा होती रहेंगी और इससे भारतीय लोकतंत्र बार-बार लहूलुहान होता रहेगा। विधानसभा हो या फिर लोकसभा हो, व्यापक हिंसा एवं अराजकता होती रही है, लेकिन जिस तरह पश्चिम बंगाल की वर्तमान सरकार ने विधानसभा में गुंडागर्दी को संरक्षण दिया उसकी उमीद ममता बनर्जी से नहीं की जा सकती थी। क्योंकि यही ममता बनर्जी विपक्ष में रहते हुए वामपंथी शासन पर हिंसा करने के आरोप लगाते नहीं थकती थीं, अब वैसी ही हिंसा उनके शासन में भी हुई है। जो इन बुराइयों एवं हिंसा के खूनी खेल को लोकतांत्रिक व्यवस्था की कमजोरियां बताते हैं, वे भयंकर भ्रम में हैं। बुराई हमारे चरित्र में है इसलिए व्यवस्था बुरी है। हमारा रूपांतरण होगा तो व्यवस्था का तंत्र सुधरेगा, तभी लोकतंत्र मजबूत होगा। इसलिए बेहतर होगा कि जिम्मेदार राजनीतिक पार्टियां लोकतंत्र को शुद्ध सांसें देने की पहल करें

पश्चिम बंगाल विधानसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों के बीच हाथापाई और नेता प्रतिपक्ष समेत पांच भाजपा विधायकों के निलंबन की घटना एक बार फिर भारतीय लोकतंत्र को शर्मसार कर गई। भारत का लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, इसको सशक्त बनाने की बात सभी राजनैतिक दल करते हैं, सभी ऊंचे मूल्यों को स्थापित करने की, आदर्श की बातों के साथ आते हैं पर सत्ता-संचालन एवं विधायी कार्रवाही में सारी मयार्दाओं एवं लोकतांत्रिक मूल्यों पर ताक पर रखकर एक ही संस्कृति-हिंसा एवं अराजकता की संस्कृति को अपना लेते हैं। पश्चिम बंगाल के विधानसभा में हिंसा का जो तांडव हुआ उससे न केवल भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों को गहरा आघात लगा है, बल्कि आमजनता को भी भारी हैरानी हुई है। पश्चिम बंगाल में न केवल सार्वजनिक जीवन में बल्कि सदन में हो रही हिंसा की घटनाएं गहन चिन्ता का विषय है। डर, भय, खौफ एवं हिंसा की बुनियाद पर शासन की पद्धति चिन्ताजनक है। यह सब लोकतांत्रिक एवं अभिव्यक्ति की सर्वोच्च प्रक्रिया की गरिमा और महत्ता को समाप्त करने का प्रयास है। बीरभूम की हिंसा को लेकर नाराज विपक्ष मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ नारेबाजी कर रहा था, क्योंकि उनके पास गृह मंत्रालय भी है। इसी दौरान सत्ता पक्ष के विधायक भी आक्रामक हो उठे और यह अशोभनीय घटना घट गई। यह सिर्फ पश्चिम बंगाल विधानसभा की बात नहीं है, देश की लगभग तमाम विधायी संस्थाओं में हर कुछ अंतराल पर ऐसे अशोभनीय दृश्य उपस्थित होने लगे हैं और इस तरह लोकतंत्र को तार-तार करने की घटनाओं को लेकर तमाम भारतीयों का चिन्तीत होना भी स्वाभाविक है। आखिर बीरभूम की जिस भयावह घटना ने सारे देश को झकझोर दिया हो, उस पर विधानसभा में चर्चा क्यों नहीं होनी चाहिए थी? इससे विडम्बनापूर्ण बात और कोई नहीं कि सत्तापक्ष के सदस्यों ने न केवल चर्चा से इन्कार किया, बल्कि चर्चा की मांग कर रहे भाजपा विधायकों से मारपीट भी की, इन शर्मनाक दृश्यों को टीवी चैनलों पर समूचे देश ने देखा। आम तौर पर विधानसभाओं

में हंगामा, धक्कामुक्की और मारपीट करने का आरोप विपक्ष पर लगता है, लेकिन बंगाल विधानसभा में इस आरोप के दायरे में सत्तापक्ष के सदस्य भी हैं। यह बात और है कि इस हिंसा के लिए केवल भाजपा विधायकों को जिम्मेदार माना गया और उनमें से पांच को साल भर के लिए निलंबित भी कर दिया गया। ऐसी घटनाएं केवल लोकतंत्र को शर्मिंदा ही नहीं करतीं बल्कि राजनीतिक दलों के बीच कटुता एवं द्वेष भी बढ़ाती हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि बंगाल का राजनीतिक वातावरण लगातार विषाक्त एवं विसंगतिपूर्ण होता जा रहा है। वास्तव में इसी कारण वहां राजनीतिक हिंसा का सिलसिला थम नहीं रहा है। विधानसभा में जो अनहोनी घटी, उसका कारण ममता और उनके दल के विधायक हैं। क्योंकि ममता सरकार बीरभूम की दिल दहलाने वाली घटना पर चर्चा करने के लिए तैयार नहीं थी। यह भी किसी से छिपा नहीं कि वह इस घटना की सीबीआइ जांच भी नहीं चाह रही थी। जब कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मामले की जांच सीबीआइ को सौंप दी तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यह कहते हुए एक तरह से उसे धमकी दे दी कि अगर जांच सही तरीके से नहीं की गई तो वह सड़कों पर उतरेंगी। यह दादागिरी ही नहीं, बल्कि हिंसक मानसिकता है। प्रश्न है कि कलकत्ता उच्च न्यायालय को बंगाल पुलिस पर भरोसा होता तो वह घटना की जांच सीबीआइ के हवाले करता ही क्यों? उसका भरोसा टूटने का कारण विधानसभा चुनावों के बाद हुई भीषण हिंसा में बंगाल पुलिस ने उस दौरान हिंसक तत्वों की घोर अनदेखी एवं पक्षपात किया था। यह अनदेखी बीरभूम की घटना के मामले में भी देखने को मिल रही और कोई भी समझ सकता है कि इसी कारण तृणमूल कांग्रेस यह नहीं चाह रही थी कि विधानसभा में इस विषय पर चर्चा हो। अपने अक्षम्य अपराधों को ढ़ंकने की इन कुचेष्टाओं पर आखिर नियंत्रण कैसे स्थापित होगा। सत्ता पक्ष की नाकामियों एवं त्रासद स्थितियों पर रचनात्मक आलोचना ही लोकतंत्र की जीवंतता का द्योतक है। यह किसी भी विपक्ष का पहला सांविधानिक दायित्व है और पश्चिम बंगाल विधानसभा में भाजपा विधायकों को यह अधिकार है कि वे किसी शासकीय चूक पर, प्रशासनिक लापरवाही पर सरकार से जवाब-तलब करें। स्वस्थ चर्चा एवं आलोचना क्यों हिंसा का कारण बन जाती है? इस तरह की हिंसा का वातावरण बनना भारतीय लोकतंत्र के आगे सबसे गंभीर चुनौती है। विडंबना यह है कि हमारे जन-प्रतिनिधियों के लिये लोकतांत्रिक प्रशिक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसा प्रशिक्षण सदस्यों को संसदीय कार्यों की बारीकियां ही नहीं सिखाते, बल्कि सदन के भीतर आचरण के विभिन्न पहलुओं से भी अवगत कराते हैं। इतना ही नहीं, सदनों के भीतर संसदीय दल के नेताओं ने भी अभिभावकीय भूमिका छोड़ दी है। इसलिए शाब्दिक तकरार शारीरिक दुर्व्यवहार तक पहुंचने लगी है। इन सबसे जनता की नजरों में जन-प्रतिनिधियों की प्रतिष्ठा को कितनी चोट पहुंच चुकी है, इसे बार-बार दर्ज कराने की भी आवश्यकता नहीं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि ममता के विधायकों ने विधानसभा में खून का खेल खेला है, अपनी सत्ता एवं अधिकारों का जमकर दुरुपयोग किया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा की ताजा हिंसक घटना ने एक बार फिर देश के तमाम राजनीतिक दलों को यह बात याद दिलायी है कि सफल एवं आदर्श लोकतंत्र वही है जिसमें सिर्फ शोर-गुल, हाथापायी एवं मारपीट से नहीं, कहकहों, गले मिलकर, शांति-सौहार्दपूर्ण वातावरण में विधायी कार्रवाही संचालित हो। साफ है, सत्ता और विपक्ष जब तक एक-दूसरे को विश्वास में नहीं लेंगे, बदले की भावना एवं संकीर्णताएं नहीं छोड़ेंगे तब तक पश्चिम बंगाल विधानसभा जैसी अप्रिय एवं त्रासद स्थितियां पैदा होती रहेंगी और इससे भारतीय लोकतंत्र बार-बार लहूलुहान होता रहेगा। विधानसभा हो या फिर लोकसभा हो, व्यापक हिंसा एवं अराजकता होती रही है, लेकिन जिस तरह पश्चिम बंगाल की वर्तमान सरकार ने विधानसभा में गुंडागर्दी को संरक्षण दिया उसकी उम्मीद ममता बनर्जी से नहीं की जा सकती थी। क्योंकि यही ममता बनर्जी विपक्ष में रहते हुए वामपंथी शासन पर हिंसा करने के आरोप लगाते नहीं थकती थीं, अब वैसी ही हिंसा उनके शासन में भी हुई है। जो इन बुराइयों एवं हिंसा के खूनी खेल को लोकतांत्रिक व्यवस्था की कमजोरियां बताते हैं, वे भयंकर भ्रम में हैं। बुराई हमारे चरित्र में है इसलिए व्यवस्था बुरी है। हमारा रूपांतरण होगा तो व्यवस्था का तंत्र सुधरेगा, तभी लोकतंत्र मजबूत होगा। इसलिए बेहतर होगा कि जिम्मेदार राजनीतिक पार्टियां लोकतंत्र को शुद्ध सांसें देने की पहल करें, अपने विधायकों, कार्यकताओं एवं नेताओं को लोकतंत्र एवं अहिंसा का प्रशिक्षण दे।

सिनेमा में सांस्कृतिक और सकारात्मक अभियान की पहल

रमेश शर्मा

पिछले दिनों सिने संसार या चित्रपट जगत से जुड़ी तीन बड़ी घटनायें सामने आईं । इनमें से एक ने हल्का ध्यानाकर्षण किया। दो को प्रचार माध्यमों में खूब स्थान मिला । पहली घटना एक अंडरवियर के विज्ञापन की थी। इसमें मयार्दा की सभी सीमाएं तोड़कर उत्पाद का प्रचार किया गया। दूसरी घटना कश्मीरी पंडितों की वेदना पर बनी फिल्म द कश्मीर फाइल्स है। तीसरी घटना चित्र भारती का भोपाल में आयोजित तीन दिवसीय सिने उत्सव है। इसमें देश के मूर्धन्य विचारकों ने फिल्म निर्माण की महत्ता, दशा और दिशा पर विचार रखे । इन तीनों घटनाओं ने दो बातें स्पष्ट की। एक-सिने संसार के भीतर कुछ लोग हैं जो अपने उत्पाद का प्रचार तो करना चाहते हैं पर इस बहाने वे मनौवैज्ञानिक स्तर पर जन भावनाओं को भ्रमित भी करना चाहते हैं। इस विज्ञापन का विरोध हुआ, वह रुका। उसके स्थान पर दूसरा आया पर उसमें भी उतनी शिष्ठता नहीं थी जितनी अपेक्षित थी। भारतीय समाज जीवन की अपनी भावनाएं हैं। इस प्रकार का प्रदर्शन भावनाओं की सरलता को प्रभावित करता है। इस संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि कुछ कमजोर मानस में विकृति आ जाए । दूसरी घटना फिल्म द कश्मीर फाइल्स पर प्रतिक्रिया है । इस फिल्म ने जनचर्चा के सभी रिकार्ड तोड़े । इस फिल्म ने पिछले सभी कीर्तिमान मान ध्वस्त किए हैं। इन दो घटनाओं से यह तो स्पष्ट हुआ कि लगभग 1200 वर्षों से दमित भारतीय जन भावनाओं की मौलिकता क्या है। और यह प्रश्न भी उठा कि इस मौलिकता या जनअभिव्यक्ति के रचनात्मक प्रस्तुति का भविष्य में मार्ग क्या होना चाहिए? इन प्रश्नों का समाधान चित्र भारती के इस तीन दिवसीय सिने उत्सव ने दिया। निसंदेह चित्र भारती का यह सिने उत्सव भविष्य में फिल्म निर्माण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। साथ ही भविष्य के हिंदी सिनेमा में सकारात्मक और सांस्कृतिक वातावरण की झलक मिलेगी। भारतीय जीवन में फिल्मों का प्रभाव संसार में सबसे अधिक है। दुनिया के दूसरे देशों में फिल्में केवल मनोरंजन का माध्यम भर होतीं हैं। भारत में फिल्में केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं। वह सामाजिक वातावरण भी बनाती हैं। विशेष कर युवा पीढ़ी को प्रभावित भी करतीं है। यह फिल्मी प्रचार ही तो है कि जोधा बाई और अकबर की जोड़ी के किस्से लोगों की जुबान पर हैं। जबकि इतिहास में कोई जोधाबाई पैदा ही नहीं हुई। कुछ ऐसे निमार्ता हैं जो इतिहास के सत्य पर परदा डालकर कूटरचित तथ्य को स्थापित करने और भारतीय समाज में वैमनस्यता फैलाने में सहायक बने हैं। साम्यवाद के जन्मदाता काल मार्क्स ने कभी कहा था कि भारत में वर्ग संघर्ष नहीं वर्ण संघर्ष हो सकता है। पता नहीं कितना सच है पर कुछ फिल्मों की पटकथा देखकर लगता है कि क्या कुछ फिल्मों ने इस दिशा में काम किया है ? यह फिल्मों का ही तो प्रभाव है कि भारतीय समाज जीवन में भारतत्व कमजोर होने लगा। लोग परंपराओं से भाग कर आधुनिकता की दौड़ के नाम दिग्भ्रमित हो रहे हैं । अनेक फिल्में ऐसी हैं जिनमें समाज को बांटने और परस्पर द्वेष की भावना को बल मिला है । आधुनिकता के नाम पर वस्त्र विन्यास की गरिमा को कम करने का काम फिल्मों से ही हुआ है । ऐसे वातावरण में भोपाल में यह तीन दिवसीय सिने उत्सव हुआ। इस उत्सव की विशेषता यह रही कि इसके शुभारंभ और समापन में ही नामचीन अतिथि आए । इस तीन दिवसीय आयोजन के करीब पच्चीस घंटे तक भारतीय संस्कृति के यथार्थ स्वरूप, फिल्म निर्माण की तकनीक, समय और समाज के सामने आने वाली चुनौतियां, इतिहास के वास्तविक स्वरूप, मीडिया की भूमिका और महत्ता के साथ फिल्मों के माध्यम से कैसे समाज में व्यक्ति निर्माण, समाज निर्माण और राष्ट्र निर्माण का संदेश जाए पर चर्चा हुई। संभवतः देश में यह पहला अवसर है जब फिल्म निर्माण से संबंधित विषयों की समीक्षा ही नहीं वर्तमान स्वरूप और भविष्य की दिशा पर कार्यशाला हुई । चित्र भारती की इस पहल ने एक बीड़ा उठाया है कि कैसे सिने संसार में मनोरंजन के साथ एक सकारात्मक पहल हो । राष्ट्र और संस्कृति पर आक्षेपात्मक प्रस्तुति के बजाय सकारात्मक और संदेशात्मक प्रस्तुति हों।

अभिव्यक्ति

अनुच्छेद 370 के पैरोकारों का सच्चाई से परहेज

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

कश्मीर घाटी से लाखों हिंदुओं के पलायन के पीछे की त्रासदी को फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' ने उजागर किया है। इस देखकर हर संवेदनशील व्यक्ति आहत हुआ है। शर्मनाक यह है कि इस पर वोटबैंक की सियासत शुरू हो गई है। संसद में अनुच्छेद 370 को कायम रखने के लिए जमीन-आसमान एक करने वाले नेता इस समय कश्मीर की सच्चाई से मुंह छिपा रहे है। भाजपा शासित राज्यों की किसी एक निंदनीय व अप्रिय घटना पर हंगामा करने वाले घाटी के लाखों हिंदुओं की पीड़ा का मखौल उड़ा रहे हैं। इस वोटबैंक की सियासत में आप प्रमुख सबसे आगे निकल गए। उन्होंने फिल्म को झूठा बता कर लाखों पीड़ितों के जख्मों पर नमक छिड़का है। केजरीवाल के लिए ऐसे बयान देना आसान है। उनका राजनीतिक वजूद वोटबैंक की सियासत से जुड़ा है। जो नेता इसे पुरानी बात कह कर नजरअंदाज करने की सलाह दे रहे है,उन्हें पश्चिम बंगाल और केरल के वर्तमान को देखना चाहिए। यदि वर्तमान सरकार दृढ़ता न दिखाती तो सब कुछ पहले की तरह ही चलता रहता है। यूपीए सरकार के समय प्रधानमंत्री अपने आवास पर कश्मीरी अलगाववादियों का स्वागत करते थे। अब हालात बदले हैं। द कश्मीर फाइल्स ने आतंकी हिंसा व अलगाववाद के प्रति वितृष्णा पैदा की है। इसमें किसी के प्रति बदले का विचार नहीं है, लेकिन अलगाववादियों के मंसूबों से सबक लेने का सन्देश अवश्य है। यह सुनिश्चित होना चाहिए कि भविष्य में इस प्रकार की स्थिति देश के किसी भी क्षेत्र में पैदा न हो। इस लिहाज से पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद की हिंसा अवश्य विचलित करने वाली है। जो लोग कश्मीर के अतीत पर चर्चा से बचना चाहते है, उनको पश्चिम बंगाल के वर्तमान पर नजर डालनी चाहिए। यहां भी विधानसभा चुनाव के बाद खास स्थानों को लक्ष्य बना कर आतंक का वातावरण बनाया गया था। शासन व प्रशासन की भूमिका को लेकर भी सवाल उठे। ऐसा ही कभी कश्मीर घाटी में हुआ करता था। वहां भी आतंकियों व अलगाववादियों की गतिविधियों के सामने शासन प्रशासन नकारा साबित हुआ था। इसी सच्चाई को द कश्मीर फाइल्स में दिखाया गया है। जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद की जड़ अनुच्छेद 370 था। यह संविधान का अस्थाई अनुच्छेद था। पिछली सरकारों ने वोटबैंक के लिए इसे हटाने की हिम्मत नहीं की। मोदी सरकार ने यह फैसला लिया। गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में कहा कि जम्मू-कश्मीर में एक लंबे रक्तपात भरे युग का अंत अनुच्छेद 370 हटने से होगा। इसके कारण ही सत्तर वर्षों तक जम्मू-कश्मीर,लद्दाख और घाटी के लोगों का बहुत नुकसान हुआ है। यह आतंकवाद की जड़ बन गया था। फिल्म निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने कहा कि द कश्मीर फाइल्स कश्मीर में हुए नरसंहार में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने का तरीका है। अभिनेता पुनीत इस्सर का कहना है कि कश्मीर पर बनी 'हैदर' और 'मिशन कश्मीर' जैसी फिल्में अजीब नेरेटिव सेट करती आई हैं। इन फिल्मों में अन्याय होने की वजह से घाटी के मुस्लिमों को हथियार उठाए दशार्या गया है। जबकि यह सच्चाई नहीं है। विभाजन के समय पाकिस्तान के लाखों हिन्दू परिवारों का सब कुछ लूट लिया गया था लेकिन हिंदुओं ने कभी हथियार नहीं उठाए। हथियार उठाने को मजबूरी और विवशता का चोला पहनाकर हिंसा का समर्थन नहीं किया जा सकता। कांग्रेस ने अनुच्छेद 370 हटाने का जमकर विरोध किया था। अब वह कश्मीर फाइल्स पर वैसा ही हंगामा कर रही है। विरोध कर रही पार्टियों को स्वीकार करना चाहिए कि अनुच्छेद 370 से केवल दो -तीन राजनीतिक कुनबों को ही भरपूर लाभ पहुंच रहा था। आमजन को तो इससे नुकसान ही हो रहा था। उस दौर में कश्मीर घाटी में चार दिन की बंदी की गई थी। उसमें हिंदुओं को घाटी छोड़ कर चले जाने की हिदायत दी जा रही थी। तब अलगाववादी सैयद अली शाह जिलानी ने कहा था कि कश्मीर में सेकुलरिज्म नहीं चलेगा। डेमोक्रेसी नहीं चलेगी। उस समय प्रधानमंत्री राजीव गांधी और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला थे। उस समय यहां पकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस पर यहां जश्न मनाया जाता था। भारत के स्वतंत्रता दिवस पर आयोजन की मनाही थी।

वेदों का ज्ञान और आध्यात्मिक दर्शन

संजीव ठाकुर

भारतीय ऋग्वेद अथर्ववेद और अनेक वेदों में इतनी शक्ति कुरजा और अर्थ छुपा हुआ है की उसका अध्ययन मनन और चिंतन करने से भारत विश्व गुरु बनने की क्षमता रखता है। भारत की योग विद्या पूरे विश्व में अमेरिका सहित यूरोप में अपनाई गई है। यह अलग बात है कि कुछ देशों के प्रशासको द्वारा अपनी सनक एवं विस्तार वादी मानसिकता के कारण यूक्रेन में युद्ध की स्थिति बन कर पूरे विश्व में वैश्विक युद्ध की संभावनाएं बन गई हैं। इसका हल मी भारतीय संस्कृति संस्कारों में छुपा हुआ है उसे बस अपनाने की जरूरत है। भारतीय संस्कृति आज महावीर तथा बुध के पूरे विश्व में करोड़ों अनुयाई हैं, और दोनों ने श्रम तथा सार्थकता को जीवन में अपनाने को ही महत्व दिया था। सफलता उनके लिए मिथ्या के बराबर ही थी। गुरु नानक देव द्वारा प्रतिपादित सरबत दा भला, हो या महात्मा गांधी का सर्वोदय, ईसा मसीह की करुणा, मोहम्मद साहब,

टैगोर का मानवतावाद या नेहरू का अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रवाद जीवन के श्रम तथा सार्थकता की खोज में बड़े महत्वपूर्ण उदाहरण है' व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर देखा जाए तो महज रोजगार की तलाश विवाह संतानोत्पत्ति,बच्चों का भरण पोषण तथा सेवानिवृत्ति ही जीवन नहीं है। इसमें सामुदायिक श्रम और सार्थकता का समावेश होना समीचीन है। हालांकि इस बात में कोई दो मत नहीं कि पारिवारिक उत्तरदायित्व का निर्वहन समाजिक मूलभूत आवश्यकता है' पर इसके साथ साथ कुछ ऐसा सार्थक श्रम किया जाना चाहिए जो न केवल आत्मिक संतोष का अनुभव प्रदान करें, बल्कि सामाजिक हित और वैश्विक शांति में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दें, और समाज को दिशा देने वाली कोई परिणति समाज के सम्मुख प्रकट हो। जिससे समाज के लोगों का जीवन परिष्कृत हो' इसी संदर्भ में राजा राममोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, सर सैयद अहमद खान,दयानंद सरस्वती, विवेकानंद ने हमेशा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध अभियान चलाकर जीवन में श्रम तथा सार्थकता का महत्व बढ़ाकर सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया था। यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि जीवन की असली खोज श्रम सार्थकता की उपलब्धि ना होती और तथाकथित सफलता के शिखर पर व्यक्ति बैठ जाता हैऔर शांत हो जाता,तो सफलता के शिखर पर बैठे बिलगेट, वारेन बुफेट जैसे लोग अपनी अकूत संपत्ति का बड़ा भाग सामाजिक उद्देश्य के लिए दान नहीं करते। सुंदरलाल बहुगुणा चिपको आंदोलन चलाकर जल तथा पर्यावरण संरक्षण की बात नहीं करते। कैलाश सत्यार्थी बचपन बचाओ आंदोलन के माध्यम से बाल संरक्षण के अधिकारों का झंडा बुलंद नहीं कर पाते। थॉमस अल्वा एडिसन, आइंस्टीन,मैडम क्यूरी और राइट बंधुओं के श्रम और सार्थकता के प्रयास में ही सफलता का परचम फैलाया है। पर इन सब के पीछे उनकी असाध्य मेहनत और दिमागी सार्थकता ही मुख्य कारक बन कर उन्हें उत्प्रेरित करती रहे है। पर दूसरी तरफ यह भी सत्य है कि जीवन में सार्थकता की खोज सफलता के अभाव में संभव नहीं है। क्योंकि श्रम और सार्थकता का महत्व तभी तक है जब तक वह सफल ना हो,परंतु सफलता ही मनुष्य की अंतिम परिणति नहीं होनी चाहिए। अन्यथा जीवन में मानवीय मूल्यों का महत्व नगण्य में होने की संभावना बनी रहती है। अतः श्रम मेहनत और सार्थकता समेकित रूप से मिलकर एक बड़ी सफलता को जन्म देते हैं। श्रम तथा सार्थकता तभी प्राप्त होती है, जब सफलता का आधार प्राप्त हो जाए। पर मूलत सफल होना ही पर्याप्त नहीं है। और जीवन की असली खोज निरंतर श्रम तथा सार्थकता है। केवल सफलता आपको अस्थाई तथा तत्कालिक मानसिक शारीरिक सुख प्रदान कर सकती है।

खतरनाक है, यह अल्पसंख्यकवाद

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

सर्वोच्च न्यायालय में अश्विनी उपाध्याय ने मजेदार याचिका पेश की है। उन्होंने याचिका में तर्क दिया है कि अल्पसंख्यकता के नाम पर कई राज्यों में बड़े पैमाने पर ठगी चल रही है। जिन राज्यों में जो लोग बहुसंख्यक हैं, वे यह कहते हैं कि हम लोग अखिल भारतीय स्तर पर अल्पसंख्यक हैं, इसलिए हमें अल्पसंख्यकों की सब सुविधाएं अपने राज्य में भी मिलनी चाहिए। जैसे जम्मू-कश्मीर में मुसलमान बहुसंख्यक हैं लेकिन उन्हें इसके बावजूद वहां अल्पसंख्यकों की सारी सुविधाएं मिलती हैं। लेकिन जम्मू-कश्मीर के हिंदुओं, यहूदियों और बहाईयों को, जो वास्तव में वहां अल्पसंख्यक हैं, उन्हें अल्पसंख्यकों की कोई सुविधा नहीं मिलती।

यही हाल मिजोरम, नागालैंड, अरुणाचल, लक्षद्वीप, मणिपुर और पंजाब का है। इन राज्यों में रहनेवाले धार्मिक बहुसंख्यकों को भी अल्पसंख्यक मानकर सारी विशेष सुविधाएं दी जाती हैं। उपाध्याय ने अपनी याचिका में अदालत से मांग की है कि अल्पसंख्यकता का निर्णय राज्यों के स्तर पर भी होना चाहिए ताकि वहां के अल्पसंख्यकों को भी न्याय मिले। तर्क की दृष्टि से उपाध्याय बिल्कुल ठीक हैं लेकिन बेहतर तो यह हो कि देश में मजहब, भाषा और जाति के आधार पर समूहों को बांटा न जाए। राष्ट्रीय एकता के लिए यह बेहद जरूरी है। दूसरे शब्दों में संख्या के आधार पर बना यह विशेष दर्जा राज्य स्तरों पर तो खत्म होना ही चाहिए, यह भी जरूरी है कि इसे अखिल भारतीय स्तर पर भी खत्म किया जाए। 1947 में भारत का बंटवारा इसी मजहबी संख्यावाद के कारण हुआ और अब देश के चुनाव और राजनीति का आधार यही जातीय संख्यावाद बना। यही क्रम आगे चलता रहा तो 1947 में भारत के सिर्फ दो टुकड़े हुए थे लेकिन 2047 में भारत के 100 टुकड़े भी हो सकते हैं।

यह बेहद खतरनाक प्रक्रिया है। महाराष्ट्र और कर्नाटक ने संविधान के ढीले-ढाले प्रावधानों का सहारा लेकर मजहबी और भाषाई आधार पर अपने नागरिकों को बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक वर्गों में बांट रखा है।

गुजरात ने जीत से किया आगाज, लखनऊ को 5 विकेट से हराया

मुंबई। गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच आईपीएल 2022 का चौथा मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। गुजरात के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टॉस जीत लिया और पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। लखनऊ सुपर जायंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए दीपक हुड्डा और आयुष बदोनी के अर्धशतकीय पारी के बदौलत गुजरात के सामने 159 रन का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने आई गुजरात टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही पर मध्य क्रम और निचले क्रम के बल्लेबाजों ने आक्रामक पारी खेलकर टीम को जीत दिला दी।

लखनऊ सुपर जायंट्स (पहली पारी)

लखनऊ सुपर जायंट्स को पहली ही गेंद पर झटका लग गया जब कप्तान केएल राहुल लखनऊ के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की गेंद पर अपने बल्ले का किनारा नहीं बचा सके। हालांकि अंपायर ने इसे आउट नहीं दिया था। लेकिन विकेटकीपर मैथ्यू वेड ने डीआरएस लिया जिसका फायदा गुजरात टाइटंस को हुआ। मोहम्मद शमी का दूसरा शिकार क्विंटन डिकॉक बने। डिकॉक 7 रन

बनाकर आउट हुए। डिकॉक के आऊट होते ही लुईस भी एरोन की गेंद पर गिल को कैच थमा बैठे। मोहम्मद शमी ने इसके बाद मनीष पांडे को अपनी धनधनाती गेंद से बोल्ड कर दिया। लखनऊ को यहां दीपक हुड्डा का सहारा मिला। दीपक ने 41 गेंदों में छह चौके, 2 छक्के की मदद से 55 रन बनाए। उन्हें राशिद खान ने पगबाधा आऊट किया। युवा खिलाड़ी आयुष बदोनी ने अपने पहले ही मैच में लोगों को शानदार शॉट्स लगाकर प्रभावित किया। बदोनी ने 41 गेंदों पर 4 चौके और 3 छक्कों की मदद से 54 रन की अर्धशतकीय पारी खेली।

गुजरात टाइटंस (दूसरी पारी)

लखनऊ के जैसे ही गुजरात टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल शून्य पर चमीरा की गेंद पर आउट हो गए। गुजरात टीम को दूसरा झटका भी चमीरा ने दिया। चमीरा ने विजय शंकर को 4 रन पर बोल्ड कर पवेलियन की राह दिखाई। हार्दिक पांड्या ने आते ही बड़े शॉट लगाए और गेंदें बाऊंड्री पार लगाई। लेकिन उनका विकेट भाई क्रुणाल ही ले गए। हार्दिक ने 28 गेंदों में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 33 रन बनाए। हार्दिक के ठीक बाद मैथ्यू वेड भी चलते बने। वेड को दीपक हुड्डा ने 30 रन पर बोल्ड कर दिया।

डेविड मिलर और राहुल तेवतिया के बीच अच्छी साझेदारी बन रही थी। इस साझेदारी को आवेश खान ने डेविड मिलर को आउट करके तोड़ा। मिलर 21 गेंदों पर एक चौका और 2 छक्के की मदद से 30 रन बनाए। राहुल तेवतिया ने 24 गेंदों पर 40 रन की पारी खेलकर टीम को लखनऊ के खिलाफ जीत दिलाई और आईपीएल का शानदार आगाज किया।

दिल्ली इंटरनेशनल शतरंज -अर्जुन और गुकेश के बीच बाजी ड्रॉ

नई दिल्ली। 19वे दिल्ली इंटरनेशनल शतरंज टूर्नामेंट के नौ राउंड के बाद खिताब कौन जीतेगा इसकी उलझन और बढ़ गयी है पर खिताब इस बार कोई भारतीय खिलाड़ी ही जीतेगा यह तय हो गया है । अंतिम राउंड के ठीक पहले भारत के राष्ट्रीय चैम्पियन अर्जुन

एरिगासी ,डी गुकेश ,अभिजीत गुप्ता ,एसपी सेथुरमन और हर्षा भारतकोठी 7.5 अंक बनाकर सयुंक्त बढ़त पर है और इनमे से आखिरी राउंड जीतने वाला कोई भी खिलाड़ी टाइब्रेक के आधार पर विजेता बन सकता है । नौवे राउंड से ठीक पहले अर्जुन , गुकेश और हर्षा सयुंक्त बढ़त पर थे ऐसे में पहले बोर्ड पर अर्जुन एरिगासी और डी गुकेश के बीच सिसिलियन नजडोर्फ ओपनिंग में खेला गया मुकाबला 44 चालों में ड्रॉ रहा तो दूसरे बोर्ड पर नीलाश शहा और हर्षा भारतकोठी के बीच बाजी भी अनिर्णीत रही । तीसरे बोर्ड पर अभिजीत गुप्ता नें ईरान के पूरमोसावी सैयद कियान को काले मोहरो से फोर नाइट ओपनिंग में मात देते हुए तो चौथे बोर्ड पर एसपी सेथुरमन नें काले मोहरो से क्यूजीडी ओपनिंग में रूस के पावेल पोंकरतोव को 39 चालों में हराते हुए सयुंक्त बढ़त में स्थान बना लिया ।अब दसवें राउंड में अभिजीत गुप्ता का सामना गुकेश से , सेथुरमन का सामना हर्षा से तो अर्जुन का सामना कार्तिक वेंकटरमन से होगा और ऐसे में जो भी सीधी जीत दर्ज करेगा वह खिताब पर कब्जा जमा सकता है ।

आई लीग : नेरोका और आइजोल ने अपने मुकाबले जीते

कोलकाता। मणिपुर की नेरोका एफसी ने आई लीग फुटबॉल में इंडियन एरोज को 1.0 से हराकर सोमवार को शीर्ष तीन में जगह बना ली। वहीं एक अन्य मैच में पूर्व चैम्पियन आइजोल एफसी ने

मुंबई के केंकरे एफसी को 1.0 से हराया।

उसके लिए रामलुंछुंगा ने 75वें मिनट में गोल किया। आइजोल की यह आठ मैचों में तीसरी जीत थी और वह आई लीग के पहले चरण में शीर्ष सात में रहने के करीब है। वहीं नेरोका गोल औसत के आधार पर श्रीनिधि डेकन को पछाड़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गई। उसने इंडियन एरोज के बृजेश गिरि के 73वें मिनट में किए गए आत्मघाती गोल के दम पर जीत दर्ज की।

पहली बार अलग-अलग टीम से खेले पांड्या ब्रदर्स, क्रुणाल को मिला छोटे भाई का विकेट

नई दिल्ली। आईपीएल में पहली बार हार्दिक पांड्या और उनके बड़े भाई क्रुणाल पांड्या एक-दूसरे के खिलाफ खेले। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में हार्दिक ने जहां गुजरात की कप्तानी की तो वहीं क्रुणाल लखनऊ सुपरजाएंट्स की तरफ से उतरे। मुंबई इंडियंस के लिए साथ खेलने वाले दोनों भाई आईपीएल में पहली बार अलग-अलग टीमों से एक-दूसरे के खिलाफ खेले। क्रुणाल ने हार्दिक का विकेट भी अपने नाम किया और उन्हें 33 के स्कोर पर मनीष पांडे के हाथों कैच कराया। क्रुणाल ने हालांकि हार्दिक को आउट करने के बाद किसी भी तरह का जश्न नहीं मनाया। मैच के बाद जब हार्दिक से भाई के हाथों आउट होने को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने सीधे शब्दों में जवाब दिया और अपना पक्ष रखा। उन्होंने यह भी बताया कि उनका परिवार दोनों भाइयों में किसका सपोर्ट कर रहा। हार्दिक से जब पूछा गया कि बड़े भाई क्रुणाल ने उनका विकेट लिया, तो उन्हें कैसा लगा, इस पर उन्होंने कहा, 'अगर हम मैच हार गए होते, तो क्रुणाल की गेंद पर आउट होना मुझे ज्यादा खलता। हमारा परिवार इसको लेकर न्यूट्रल है, उसने मुझे आउट किया और हमने मैच जीता।'

दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों का आईपीएल को प्राथमिकता देने पर एल्गर को दिक्कत नहीं

डरबन। दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट कप्तान डीन एल्गर का कहना है कि वह अपने देश के खिलाड़ियों के बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बजाय इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को चुनने के फैसले से सहज महसूस कर रहे हैं क्योंकि इन दो में से एक को चुनने के लिए कहे जाने पर उन्हें थोड़ा असहज स्थिति में डाल दिया था। इस महीने की शुरुआत में एल्गर ने अपने साथियों से आईपीएल पर बांग्लादेश के खिलाफ एक श्रृंखला को चुनने का आग्रह किया था और इसे उनकी वफादारी की परीक्षा बताया था। दक्षिण अफ्रीका के जिन खिलाड़ियों को टेस्ट टीम में चुना जाना था उन्होंने गुरुवार से बांग्लादेश के खिलाफ शुरू होने वाली श्रृंखला के बजाय आईपीएल को चुन लिया है। एल्गर ने कहा, 'मैं उन खिलाड़ियों के साथ बैठने में सहज हूं जो यहां नहीं हैं। मैंने उन खिलाड़ियों की मानसिक स्थिति जानने के लिए उनके साथ वास्तव में कुछ अच्छी, विस्तार से बातचीत की। उन्होंने जो

जवाब दिये मैं उनको लेकर सहज हूं।' बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका को अपने तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी और मार्को जेनसेन के अलावा चोट से उबर रहे एनरिक नोर्किया की कमी खलेगी।

बल्लेबाज एडेन मार्कराम और रॉसी वान डेर डुसेन भी टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं हैं। एल्गर ने कहा, 'मैं जो कह सकता हूं और जो नहीं कर सकता, उसको लेकर मेरी अपनी सीमाएं हैं लेकिन मुझे लगता है कि खुद को (टेस्ट श्रृंखला के लिए) उपलब्ध रखने के लिए कहने पर खिलाड़ियों को थोड़ा असहज स्थिति में डाल दिया था।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उन्हें ऐसी स्थिति में डाल दिया गया था जो अपरिहार्य थी, इस बात को ध्यान में रखते हुए कि काफी खिलाड़ियों को पहले कभी आईपीएल का अनुभव नहीं था। मुझे नहीं लगता कि वे इस प्रतियोगिता में अपने भविष्य को लेकर नुकसान पहुंचाना चाहते थे।'

नाओमी ओसाका मियामी ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

मियामी गार्डन्स। नाओमी ओसाका के लिए किसी टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचना एक समय बड़ी बात नहीं थी और अगर वह नहीं पहुंच पाती तो इसे उलटफेर माना जाता था। लेकिन अब समय बदल गया है। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ने मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। यह पिछले एक वर्ष में केवल दूसरा अवसर है जबकि वह अंतिम आठ में पहुंची।

ओसाका ने अमरीका की एलिसन रिस्के को 6-3, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया जहां उनका सामना डेनियल कोलिन्स से होगा। ओसाका पिछले एक साल के अंदर इससे पहले जनवरी में मेलबर्न में एक टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी। उससे पहले वह पिछले साल मियामी ओपन में ही अंतिम आठ में जगह बना पाई थी। इस जापानी खिलाड़ी ने बाद में कहा,

'यह वास्तव में मेरे जीवन के सबसे अच्छे समय में से एक है। मैं इस समय के लिए वास्तव में ईश्वर की आभारी हूं।' अमरीका की नौवीं वरीयता प्राप्त कोलिन्स ने आठवीं वरीय ओन्स जबूर के खिलाफ 6-2, 6-4 से जीत दर्ज की। इससे वह अगली विश्व रैंकिंग में फिर से शीर्ष 10 में जगह बना सकती है। डारिया सैविल ने भी क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में लूसिया ब्रोंजेटी को 5-7, 6-4, 7-5 से हराया। उनका सामना अब 22वें नंबर की बेलिंडा बेनसिच से होगा जिन्होंने अलिक्सांद्रा सासनोविच

महिला विश्व कप : ऑस्ट्रेलिया को लगा झटका, स्टार ऑलराउंडर सेमीफाइनल से बाहर

वेलिंगटन। छह बार की आईसीसी महिला विश्व कप चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को बुधवार को बेसिन रिजर्व में वेस्टइंडीज के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले करारा झटका लगा क्योंकि उनकी स्टार ऑलराउंडर एलिसे पेरी चोट के कारण बाहर हो गई। पेरी ने पिछले हफ्ते दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के ग्रुप मैच के दौरान पीठ में ऐंठन की शिकायत की थी जहां वह सिर्फ तीन ओवर फेंकने के बाद मैदान से बाहर चली गई और फिर बल्लेबाजी करने में विफल रही।

ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन सोमवार तक काफी आशावादी था कि 31 वर्षीय वेस्टइंडीज का सामना करने के लिए समय पर ठीक हो जाएगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। आईसीसी ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मेग लैनिंग के हवाले से कहा, दुर्भाग्य से वह (पेरी) अपनी फिटनेस साबित नहीं कर पाई। हम उसका आकलन करते रहेंगे। जाहिर तौर पर एक बड़ा झटका है, लेकिन है, अगर हमें प्रगति करनी है तो हम उसका आकलन करते रहेंगे लेकिन टीम कल पर बहुत ध्यान

हमें लगता है कि हमें इसे कवर करने में सक्षम है। लैनिंग को उम्मीद है कि पेरी फाइनल के लिए फिट हो सकती हैं, अगर ऑस्ट्रेलिया बुधवार के सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को मात दे दे। लैनिंग ने कहा, हमने बहुत आगे नहीं देखा केंद्रित कर रही है। युवा ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड संभवतः पेरी की जगह लेंगी जबकि किशोर तेज गेंदबाज डार्सी ब्राउन बांग्लादेश के खिलाफ अपने अंतिम ग्रुप मैच से बाहर होने के बाद एक निश्चित शुरुआत है।

जब कोहली ने चहल को कहा- रॉयल तो है ही तू, स्पिनर ने विराट के साथ बातचीत को किया याद

मियामी गार्डन्स। अनुभवी लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने आठ सीजन तक फ्रेंचाइजी से जुड़े रहने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर से नाता तोड़ लिया है। आरसीबी में जबरदस्त सफलता का आनंद लेने वाले 31 वर्षीय स्पिनर अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स की सेवा में हैं। राजस्थान ने उन्हें मेगा नीलामी में 6.5 करोड़ रुपये में खरीदा था। चहल ने फ्रेंचाइजी से बाहर होने के बाद आरसीबी के पूर्व कप्तान विराट कोहली के साथ हुई बातचीत का भी खुलासा किया।

चहल ने कहा कि बहुत ज्यादा नहीं। उन्होंने (विराट कोहली) मुझे बधाई दी और कहा %रॉयल ??तो है ही तू (आप अभी भी रॉयल हैं)। उसी बातचीत में लेग स्पिनर ने खुलासा किया कि वह भावनात्मक रूप से आरसीबी से जुड़ा हुआ है और उसने किसी अन्य फ्रेंचाइजी के लिए खेलने की कल्पना नहीं की थी। उन्होंने अधिक आकर्षक अनुबंध पाने के लिए टीम छोड़ने के दावों को भी खारिज कर दिया।

उन्होंने कहा कि मैं भावनात्मक रूप से आरसीबी से जुड़ा हुआ हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं किसी और टीम के लिए खेलूंगा।

सोशल मीडिया पर लोग और प्रशंसक अभी भी मुझसे पूछ रहे हैं कि 'आपने इतने पैसे क्यों मांगे?'। वास्तविकता यह है कि माइक हेसन (आरसीबी के क्रिकेट निदेशक) ने मुझे फोन किया और कहा, 'सुनो युजी, तीन रिटेंशन हैं' (विराट कोहली, ग्लेन मैक्सवेल और मोहम्मद सिराज)।

मुझसे यह नहीं पूछा कि क्या मैं रिटेन करना चाहता हूं या मुझे बताएं कि क्या वे मुझे रिटेन करना चाहते हैं। उन्होंने सिर्फ तीन प्रतिधारण के बारे में बात की और मुझे बताया गया कि हम नीलामी में आपके लिए जाएंगे। न तो मुझसे पैसे के बारे में पूछा गया और न ही मुझे रिटेंशन का कोई ऑफर मिला।

केकेआर स्थिति मजबूत करने पर उतरेगा, आरसीबी को नजर पहली जीत पर

नवी मुंबई। पहले मैच में जीत से शुरुआत करने के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ यहां होने वाले मैच में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश करेगा।

श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाले केकेआर ने अपने पहले मैच में मौजूदा चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स को छह विकेट से हराया जबकि आरसीबी को 200 से अधिक रन बनाने के बावजूद पंजाब किंग्स से पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। आरसीबी के कप्तान फाफ डुप्लेसी शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने पहले मैच में 57 गेंदों पर 88 रन बनाये और वह अपनी इस फॉर्म को बरकरार रखने की कोशिश करेंगे। सलामी बल्लेबाज अनुज रावत अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा पाए और वह अपने प्रदर्शन में निरंतरता लाना चाहेंगे।

कप्तानी के दबाव से मुक्त होने के बाद विराट कोहली ने फॉर्म में वापसी के संकेत दिए और वह पंजाब के खिलाफ बड़ी पारी खेलने की कोशिश करेंगे। आरसीबी को यदि जीत दर्ज करनी है तो विकेटकीपर दिनेश कार्तिक को भी पिछले मैच की तरह धमाकेदार पारी खेलनी होगी। केकेआर की गेंदबाजी इकाई को जहां डुप्लेसी के छक्के मारने के कौशल से विशेष रूप से सतर्क रहना होगा, वहीं आरसीबी के गेंदबाजों को भी पंजाब के खिलाफ हुई धुनाई को भूलना होगा। मोहम्मद सिराज ने पिछले मैच में 59 रन लुटाए थे। उन्हें जल्द ही अपने खेल में सुधार करना होगा।

एक अन्य गेंदबाज हर्षल पटेल की भूमिका भी अहम होगी जो डेथ ओवरों के

विशेषज्ञ हैं। यहां तक श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा की बीच के ओवरों में भूमिका महत्वपूर्ण होगी। केकेआर ने पहले मैच में सभी विभागों में अच्छा प्रदर्शन किया और वे उसे दोहराना चाहेंगे। केकेआर के लिए सबसे बड़ा सकारात्मक पहलू अजिंक्य रहाणे की फॉर्म में वापसी थी हालांकि ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर पहले मैच में केवल 16 रन ही बना पाए, लेकिन वह किसी भी आक्रमण को ध्वस्त करने में सक्षम हैं।

मध्यक्रम में कप्तान श्रेयस अय्यर, सैम बिलिंग्स और शेल्डन जैक्सन को जिम्मेदारी लेनी होगी। गेंदबाजी विभाग में उमेश यादव ने पिछले मैच में शानदार खेल दिखाया लेकिन शिवम मावी, स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और सुनील नारायण सहित अन्य को बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत पड़ेगी। ऑलराउंडर आंद्रे रसेल की बल्ले और गेंद से भूमिका दोनों टीम के बीच का अंतर पैदा कर सकती है।

टीम इस प्रकार हैं :

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर : विराट कोहली, ग्लेन मैक्सवेल, मोहम्मद सिराज, फाफ डुप्लेसी (कप्तान), हर्षल पटेल, वानिंदु हसरंगा, दिनेश कार्तिक, जोश हेजलवुड, शाहबाज अहमद, अनुज रावत, आकाश दीप, महिपाल लोमरोर, फिन एलन, शेरफेन रदरफोर्ड, जेसन बेहरेनडॉर्फ, सुयश प्रभुदेसाई, चामा मिलिंद, अनीश्वर गौतम, कर्ण शर्मा, डेविड विली, लवनिथ सिसोदिया, सिद्धार्थ कौल।

कोलकाता नाइट राइडर्स : अभिजीत तोमर, अजिंक्य रहाणे, बाबा इंद्रजीत, नीतीश राणा, प्रथम सिंह, रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर (कप्तान), अशोक शर्मा, पैट कमिंस, रसिख डार, शिवम मावी, टिम साउथी, उमेश यादव, वरुण चक्रवर्ती, अमन खान, आंद्रे रसेल, अनुकूल रॉय, चमिका करुणारत्ने, मोहम्मद नबी, रमेश कुमार, सुनील नारायण, वेंकटेश अय्यर, सैम बिलिंग्स, शेल्डन जैक्सन।

समय : मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच वनडे सीरीज का ऐलान, रावलपिंडी में खेले जाएंगे मैच

रावलपिंडी। पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला का आयोजन रावलपिंडी में किया जाएगा। यह सीरीज साल 2023 के वर्ल्ड कप सुपर लीग का एक हिस्सा है। वेस्टइंडीज की टीम पांच जून को पाकिस्तान पहुंचेगी, तथा 8, 10 और 12 जून को मैच खेले जाएंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, हालांकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का अभी यह तय करना बाकी है कि सीरीज बायो-सिक्योर बबल (कोविड दिशा निर्देश) के तहत खेली जाएगी या पाकिस्तान पहुंचने के बाद वेस्टइंडीज की टीम को क्वारंटीन के नियम का पालन करना होगा या नहीं। इस बीच, पीसीबी ने पुष्टि की है कि वेस्ट इंडीज अगले साल हालांकि उस दौरान वेस्टइंडीज की टीम में कोरोना संक्रमण के कई मामलों की वजह से इसे टाल दिया

की शुरुआत में पाकिस्तान में तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय की श्रृंखला खेलेगा। यह एकदिवसीय श्रृंखला पहले दिसंबर 2021 में पाकिस्तान के वेस्टइंडीज दौरे का हिस्सा थी। गया था। उस दौरान मेहमान टीम सिर्फ तीन अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर वहां से वापस लौट आई थी, जिसे पाकिस्तान को 3-0 से जीत लिया था।

केएल राहुल ने इसे बताया भारत का एबी डीविलियर्स, कहा- वह 360 डिग्री शॉट खेलने में सक्षम

मुंबई। लखनऊ सुपर जायंट्स टीम की आईपीएल में शुरुआत अच्छी नहीं रही और गुजरात के हाथों टीम को 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। गुजरात के खिलाफ लखनऊ का टॉप ऑर्डर पूरी तरह से फेल रहा। पर निचले क्रम पर आकर दीपक हुड्डा और आयुष बदोनी ने अर्धशतकीय पारियां खेली और टीम को 158 के स्कोर तक पहुंचाया। कप्तान केएल राहुल ने आयुष बदोनी की तारीफ की है और उन्हें भारत का एबी डीविलियर्स बता दिया।केएल राहुल ने कहा कि आयुष बदोनी बेबी एबीडीविलियर्स है। आईपीएल के डेब्यू मैच में उसने शानदार बल्लेबाजी की और सभी को प्रभावित भी किया।

वह छोटे पैकेट में बड़ा धमाका है क्योंकि वह मैदान के चारों ओर शॉट्स खेल सकता है। वह 360 डिग्री प्लेयर है। खुश हूं कि उसने मिले मौके को भुनाया।राहुल ने आगे कहा कि उसके लिए बल्लेबाजी पर आना आदर्श स्थिति नहीं थी। क्योंकि वह जब बल्लेबाजी के लिए आया तो हमारी टीम के 4 विकेट गिर गए थे। पर उसने दबाव में अच्छी बल्लेबाजी की और मैं उम्मीद करता हूं कि वह इसे आगे भी जारी रखे। उसके शॉट्स ने सभी को प्रभावित किया।गौर हो कि आयुष बदोनी ने आईपीएल के पहले ही मैच में अर्धशतकीय पारी खेली। बदोनी ने 41 गेंदों का सामना किया और 54 रन की पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान बदोनी ने 4 चौके और 3 छक्के लगाए। बदोनी का स्ट्राइक रेट भी 131.71 रहा।

दुबई एक्सपोः केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर बोले- दुनिया का कंटेंट उपमहाद्वीप बनेगा भारत, दुनियाभर के फिल्म निर्माता हुए आकर्षित

दुबई। दुबई दौरे के तीसरे दिन केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार को कहा, भारत किस्सागोई की जमीन है, इसने हमेशा से दुनियाभर के फिल्म निर्माताओं को आकर्षित किया है। मेरा लक्ष्य है भारत को दुनिया का कंटेट उपमहाद्वीप बनाना और सरकार के प्रयासों से हम इसमें सफल भी होंगे।

अनुराग ठाकुर ने दुबई एक्सपो 2020 में फिल्म अभिनेता रणवीर सिंह के साथ 'द ग्लोबल रीच ऑफ इंडियन मीडिया एंड इंटरटेनमेंट' विषय पर चर्चा की। ठाकुर ने कहा, दुबई में भारत के लोग ही उसके असल राजदूत हैं। इस दौरान इंडियन पवेलियन में 17 लाख लोग मौजूद हैं। देश आज आजादी की 75वीं सालगिरह मना रहा है। यह जश्न न सिर्फ भारत में हो रहा है बल्कि दुनियाभर में हमारे लोग इस जश्न को मना रहे हैं। फिल्मों के योगदान पर ठाकुर ने कहा, हमेशा से दुनियाभर के लोग फिल्मों के लिए यहां आए। हम भविष्य में देश को कंटेंट का उपमहाद्वीप बनाना चाहते हैं। इससे देश के युवाओं को नौकरियां मिलेंगी और पूरी दुनिया के लिए कंटेंट भारत में तैयार होगा। इस दौरान अनुराग ठाकुर ने रणवीर सिंह के शानदार अभिनय की भी तारीफ की।

अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए अच्छी खबर, अमेरिका ने भारत के लिए कोविड-19 यात्रा नियमों में दी ढील

वाशिंगटन। अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने 'कोविड -19 के निम्न स्तर' का संकेत देते हुए भारत यात्रा के लिए खतरे के स्तर को लेवल- 3 (उच्च जोखिम) से कम करके लेवल- 1 (कम जोखिम) कर दिया है। सीडीसी ने सोमवार को भारत के लिए 'लेवल 1 ट्रैवल हेल्थ नोटिस' जारी किया, जिसमें देश को महामारी के बीच सबसे कम यात्रा जोखिम स्तर पर रखा गया है। नोटिस में कहा गया है, ''सीडीसी ने कोविड -19 के कारण लेवल-1 यात्रा स्वास्थ्य नोटिस जारी किया है, जो देश में कोविड -19 के निम्न स्तर का संकेत देता है। यदि आपने पूरी तरह से एफडीए द्वारा अधिकृत टीके लगवाये हैं तो कोविड-19 के संक्रमण और गंभीर लक्षण विकसित होने का आपका जोखिम कम हो सकता है।' नोटिस में कहा गया है, ''सुनिश्चित करें कि आप भारत की यात्रा करने से पहले कोविड -19 के टीके लगवा चुके हों। भले ही आपको कोविड -19 के सभी टीके लग चुके हों, फिर भी आपको कोरोना होने और फैलने का खतरा हो सकता है। दो वर्ष या उससे अधिक उम्र के हर व्यक्ति को इनडोर सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना चाहिए। भारत में सभी आवश्यकताओं और सिफारिशों का पालन करें।' सीडीसी के पास विभिन्न देशों की यात्रा के लिए कोविड जोखिम के पांच स्तर हैं, जिनमें 'बहुत अधिक जोखिम' से लेकर 'कम जोखिम' और 'अज्ञात स्तर' शामिल हैं।

बाइडन ने दी पुतिन को चेतावनी, बोले- नाटो की सीमा में एक इंच भी दाखिल होने की न सोचें

वाशिंगटन। रूस और यूक्रेन के बीच एक महीने से भी ज्यादा समय से जंग जारी है। ना तो यूक्रेनी सेना मैदान छोड़ने को तैयार है और ना ही पुतिन अपनी जीद छोड़ने को तैयार हैं। दोनों देश अभी तक किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाए हैं, ऐसे में जंग रुकने की कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। दोनों देशों में चल रही जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक बार फिर रूस को सख्त लहजे में चेतावनी दी है। रूस को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा है कि रूस नाटो की सीमा में एक इंच दाखिल होने की ना सोचे नहीं तो इसके परिणाम बहुत बुरे होंगे। आपको बता दें बाइडन ने रूस को ये चेतावनी नाटो संगठन की बैठक के बाद दी है। बैठक के बाद बाइडन ने कहा नाटो एकजुट है और उसे तोड़ा नहीं जा सकता। पुतिन के प्रति बाइडन की अचानक बढ़ी सख्ती की वजह है? रूसी राष्ट्रपति पर बाइडन की चेतावनी कितना असर डालेगी?वैश्विक मामलों के जानकार हर्ष बी पंत कहते हैं नाटो संगठन की बैठक में बाइडन का दिया गया बयान बहुत अहम है। उन्होंने यह बयान इसलिए भी दिया है क्योंकि वो नाटो के सदस्य देशों की चिंता दूर करना चाहते हैं। दरअसल यूक्रेन से सटे हुए जितने भी देश है उनमें पुतिन के आक्रामक रवैए की वजह से चिंता है। अमेरिका नाटो का प्रमुख देश है। इसलिए बाइडन का ये बयान नाटो देशों को विश्वास जरूर दिलाएगा।

आगबबूला पुतिनः ' कह दो, मैं उन्हें बर्बाद कर दूंगा' जेलेंस्की के लिखित नोट पर भड़के रूसी राष्ट्रपति

मास्को। रूस और यूक्रेन के बीच 34वें दिन भी जंग जारी है। इस्तांबुल में दोनों देशों के प्रतिनिधि आमने-सामने की बैठक के लिए पहुंच चुके हैं। जेलेंस्की ने युद्ध पर विराम लगाने के लिए पुतिन के साथ मुलाकात को जरूरी बताया है। लेकिन पुतिन ने कहा कि शर्तों को मानने के बाद ही मुलाकात हो सकती है। इन सबके बीच जेलेंस्की के एक लिखित नोट की वजह से पुतिन आगबबूला हो गए हैं। भड़के पुतिन ने उस नोट के जवाब में कहा है कि कह दो मैं उन्हें बर्बाद कर दूंगा।

जानें क्या है मामला

दरअसल, यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन को नोट लिखकर बिना किसी शर्त के युद्ध को समाप्त करने के लिए कहा और यह नोट उन्होंने चेल्सी फुटबॉल क्लब के मालिक रोमन अब्रामोविच के द्वारा क्रेमलिन अधिकारियों(रूसी राष्ट्रपति कार्यालय) को भेजवाया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार नोट पढ़ते ही रूसी राष्ट्रपति पुतिन आगबबूला हो गए और उन्होंने अब्रामोविच को कहा कि उसे कह दो, मैं उसे पूरी तरह बर्बाद कर दूंगा। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि जेलेंस्की हमारी सभी शर्तों को मान ले नहीं तो अंजाम बुरा होगा।

जानें क्या है जेलेंस्की की मांग-

जेलेंस्की ने कहा कि उनकी राष्ट्रपति पुतिन के साथ आमने-सामने की बैठक युद्ध को खत्म करा सकती है। शांति के लिए युद्ध को अविलंब रोका जाना चाहिए। जबकि रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा है कि रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडलों की वार्ता समझौते के करीब पहुंचने पर राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति जेलेंस्की की आमने-सामने की वार्ता संभव है।

इजराइली पीएम का भारत दौरा रद्द

इजराइल। इजराइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे जिसके कारण उनका भारत दौरा रद्द कर दिया गया है। भारत में इजराइल दूतावास के प्रवक्ता मोहम्मद हीब ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट अब 3 अप्रैल को भारत नहीं आएंगे। वहीं मीडिया सलाहकार ने बताया कि प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट की भारत यात्रा स्थगित कर दी गई है और इसके लिए नई तारीख तय की जाएगी।

कल कोरोना रिपोर्ट आई थी पॉजिटिव

बेनेट के कार्यालय ने हिब्रू में एक संक्षिप्त बयान में कहा, ''प्रधानमंत्री बेनेट कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए गये हैं।' उनके कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री अच्छा महसूस कर रहे हैं और अपने घर में रहकर ही काम करना

जारी रखेंगे।

कई मुद्दों पर होनी थी बात

भारत सरकार ने बेनेट के भारत दौरे पर घोषणा की थी कि वह 3-5 अप्रैल तक भारत की यात्रा पर आएंगे। इस यात्रा से कृषि, जल, व्यापार सहित अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूती मिलने की उम्मीद थी। बेनेट का यह दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रहा था।

बांग्लादेश का ब्रिटेन की संसद से आग्रह- पाक सेना द्वारा 1971 के नरसंहार को दे मान्यता

लंदनः बांग्लादेश ने ब्रिटेन की संसद से पाकिस्तानी सेना द्वारा 1971 के नरसंहार पर मान्यता की मोहर लगाने का आग्रह किया है। लंदन में बांग्लादेश की उच्चायुक्त सैदा मुना तसनीम ने ब्रिटेन की संसद से कहा कि 1971 में पाकिस्तानी सेना द्वारा इतिहास में सबसे नृशंस नरसंहारों में से एक को मान्यता देने के लिए प्रस्ताव पेश और पारित किया जाए।

उच्चायोग ने एक बयान में बताया कि बांग्लादेश के स्वतंत्रता दिवस को चिह्नित करने के लिए उच्चायोग और यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन द्वारा आयोजित एक वर्चुअल चर्चा में यह आह्वान किया। तसनीम ने उल्लेख किया कि विदेश मामलों की चयन समिति के तत्कालीन अध्यक्ष पीटर शोर ने बांग्लादेश के मुक्ति युद्ध के दौरान पाकिस्तानी अत्याचारों की निंदा करते हुए संसद में एक प्रस्ताव रखा था। उन्होंने कहा कि बाद में 233 से अधिक सांसदों ने बांग्लादेश में नरसंहार को समाप्त करने और इसे एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में

मान्यता देने के लिए एक और प्रस्ताव रखा। एशियनलाइट ने तसनीम के हवाले से बताया, अब ब्रिटिश संसद को नरसंहार को मान्यता देते हुए एक नया प्रस्ताव लाना चाहिए। तसनीम ने 25 मार्च को राष्ट्रीय नरसंहार दिवस घोषित करने के लिए बांग्लादेश की प्रधान मंत्री शेख हसीना को धन्यवाद दिया और कहा कि नरसंहार के बारे में वैश्विक जागरूकता पैदा करना उनका कर्तव्य है। कंजर्वेटिव फ्रेंड्स ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रामी रेंजर ने कहा कि वह नरसंहार की मान्यता के लिए बांग्लादेश की मांग का समर्थन जारी रखेंगे। उन्होंने बांग्लादेश से ब्रिटेन में पाकिस्तानी अत्याचारों के पीड़ितों की याद में एक स्मारक स्थापित करने का आग्रह किया।

यूक्रेन संकटः रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव इसी हफ्ते भारत दौरे पर, ब्रिटिश विदेश मंत्री ट्रस भी आएंगी

मास्को। यूक्रेन संकट के बीच रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव इसी हफ्ते भारत यात्रा करेंगे। इससे पहले वे चीन के नेताओं से मुलाकात व बैठक करेंगे। लावरोव के एक अप्रैल को दिल्ली दौरे की उम्मीद है। इसी दौरान ब्रिटेन की विदेश मंत्री लिज ट्रस भी भारत आएंगी।

लावरोव दिल्ली में विदेश मंत्री जयशंकर के साथ बातचीत करेंगे। हालांकि रूसी विदेश मंत्री की यात्रा और अन्य बैठकों का एजेंडा अभी तय किया जा रहा है। रूस के विदेश मंत्री लावरोव भारत के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने से पहले चीन में अफगानिस्तान के पड़ोसी देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे। बीजिंग द्वारा आयोजित यह तीसरी ऐसी बैठक है। इसमें पाकिस्तान, ईरान, रूस, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उजबेकिस्तान के दूत शामिल होंगे।

भारत ने नहीं की रूस या पुतिन की खुली आलोचना

यूक्रेन संकट के बीच रूसी विदेश मंत्री लावरोव की भारत यात्रा महत्वपूर्ण मानी जा रही है। भारत उन देशों में शुमार है, जिन्होंने यूक्रेन के खिलाफ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सैन्य कार्रवाई का खुलेआम विरोध या आलोचना नहीं की है। संयुक्त राष्ट्र जैसे

मंचों पर भारतीय पक्ष द्वारा अपनाए गए रुख की रूस ने सराहना की है। उम्मीद है कि दोनों देश रक्षा और अन्य सौदों के लिए वैकल्पिक भुगतान तंत्र पर चर्चा करेंगे ताकि अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा रूसी बैंकों और संस्थाओं पर लगाए गई पाबंदियों को बेअसर किया जा सके। एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम जैसी रक्षा प्रणालियों के लिए 5.4 अरब डॉलर के सौदे जैसे बड़े रक्षा सौदों के अलावा भारत रूस से रियायती दरों पर तेल और अन्य वस्तुओं की आपूर्ति के प्रस्ताव पर भी विचार कर रहा है। वित्त मंत्री की अध्यक्षता में विभिन्न मंत्रालयों के प्रतिनिधियों का एक समूह भारत पर पश्चिमी प्रतिबंधों के संभावित प्रभाव का आकलन कर रहा है।

कोविड 19 : चीन में 2 साल का सबसे बड़ा लॉकडाउन शुरू, 2.6 करोड़ आबादी घरों में की गई कैद

बीजिंगः चीन के शंघाई में कोविड-19 के मामलों का पता लगाने के लिए व्यापक पैमाने पर जांच करने के वास्ते दो साल में लगाया गया सबसे बड़ा लॉकडाउन शुरू हो गया। चीन की आर्थिक राजधानी और 2.6 करोड़ की आबादी वाले सबसे बड़े शहर शंघाई ने इससे पूर्व कोविड के मामले आने पर सीमित लॉकडाउन लगाया था जिनमें रिहायशी परिसरों और कार्य स्थलों को बंद किया गया था। शहरव्यापी लॉकडाउन दो चरणों में लागू होगा और वुहान के बाद सबसे बड़ा लॉकडाउन होगा।

वुहान में ही 2019 के अंत में सबसे पहले कोरोना वायरस के मामले मिले थे और वहां पर 76 दिनों तक लॉकडाउन लगाया गया था। स्थानीय सरकार के अनुसार, शंघाई के वित्तीय केन्द्र पुडोंग जिले और उसके आसपास के क्षेत्रों को सोमवार तड़के से शुक्रवार तक बंद रखा जाएगा और शहर में व्यापक स्तर पर कोविड-19 संबंधी जांच की जा रही है। लॉकडाउन के दूसरे चरण में हुआंगपू नदी के पश्चिमी इलाकों में शुक्रवार से पांच दिवसीय लॉकडाउन रहेगा। स्थानीय लोगों को घर पर ही रहना होगा। कार्यालय तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहेंगे और सार्वजनिक परिवहन सेवाएं भी निलंबित रहेंगी। पहले ही, 2.6 करोड़ की आबादी वाले शहर के भीतर कई गतिविधियों पर रोक लगा दी गई थी। शंघाई डिज़्नी पार्क भी बंद कर दिया गया है।

इटली में दो दिन में मिले 90 हजार केस, फ्रांस में भर्ती होने वाले बढ़े

कीव। कोरोना वायरस के सबसे तेजी से फैलने वाले ओमिक्रॉन वैरिएंट का उप स्वरूप BA.2 यूरोप में कहर ढा रहा है। इटली में दो दिनों में 90 हजार संक्रमित मिले हैं, वहीं फ्रांस में अस्पतालों में भर्ती होने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी है। चीन के शंघाई में मरीज बढ़ते जा रहे हैं। एशियाई देशों में कोरोना मामलों में स्थिरता दिखाई दे रही है। हांगकांग में तो हालात सुधर रहे हैं।

बीए.2 ने इस माह यूरोप और चीन के कुछ हिस्सों में तेजी से पैर पसारे। फ्रांस, इटली, जर्मनी और ब्रिटेन में कोविड के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज हुई है। चीन का शंघाई शहर इस वैरिएंट का नया हॉटस्पॉट बन गया है। वहां 4400 नए केस मिले हैं। शहर के कई इलाकों में लॉकडाउन लगाया जा चुका है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
211019 से प्रकाशित
स्वामी श्री योगी सत्यम एवम्
योग सत्संग समिति द्वारा
विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज
से मुद्रित एवम् क्रियायोग
आश्रम अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
Title UPHIN 29506

467 बढ़कर 21,073 हो गई। फरवरी के बाद से यह एक दिन की इस तरह की सबसे ज्यादा संख्या है।

हांगकांग : 7685 नए कोविड संक्रमित मिले। विश्व के इस वित्तीय हब में हालात अब स्थिर हो रहे हैं।

चीन : प्रमुख व्यावसायिक शहर शंघाई में 4400 नए मामले मिले हैं। दो साल बाद चीन में तेजी से संक्रमण फैल रहा है। शंघाई में लॉकडाउन समेत कई कड़ी पाबंदियां लगाई जा चुकी हैं।

इटली : मात्र दो दिन में 90 से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं। 30,710 नए संक्रमित मिले। रविवार को यहां 59,555 केस मिले थे।

भारत : अन्य देशों में जहां कोरोना के नए मामले बढ़ रहे हैं, वहीं भारत में इनमें गिरावट का दौर जारी है। इसी कारण अमेरिका ने भारत यात्रा को लेकर पाबंदियों में ढील दी है। भारत की कोविड रेटिंग लेवल 3 यानी उच्च जोखिम वाले देश से घटाकर लेवल 2 यानी कम जोखिम वाला देश कर दी है।

वैश्विक टीकाकरण में असमानता जिम्मेदार?

माना जा रहा है कि कोरोना के नए सिरे से सिर उठाने के लिए वैश्विक टीकाकरण में असमानता जिम्मेदार है। विकसित देशों द्वारा तैयार वैक्सीन के पेटेंट को खत्म करने की मांग उठती रही है, ताकि दुनियाभर की दवा कंपनियां इनका उत्पादन कर अपने-अपने देशों में टीकाकरण तेज कर सकें। अभी टीके महंगे होने से कई गरीब देशों की पहुंच से बाहर हैं। हालांकि संयुक्त राष्ट्र के टीकाकरण अभियान में वैक्सीन कंपनियां योगदान दे रही हैं, लेकिन यह नाकाफी है।

कोरोना गया नहीं है : डब्ल्यूएचओ

उधर, विश्व स्वास्थ्य संगठन डब्ल्यूएचओ चेताया है कि महामारी अभी खत्म नहीं हुई है, कोरोना अभी गया नहीं है। चीन में इसका अब तक की सबसे तेज गति से फैलना चिंताजनक है। यह भी कहा जा रहा है कि ओमिक्रॉन के बीए.1 व बीए.2 वैरिएंट के मिलने से यदि कोई नया वैरिएंट बना तो दुनिया के सामने महामारी की नई चुनौती पेश कर सकता है।

अफगानिस्तान के पड़ोसी देशों के विदेश मंत्रियों की तीसरी बैठक की मेजबानी करेगा चीन, भारत को नहीं किया आमंत्रित

बीजिंग। चीन 30-31 मार्च को अफगानिस्तान के पड़ोसी देशों के विदेश मंत्रियों की तीसरी बैठक की मेजबानी करेगा। इस कदम को चीन द्वारा पाकिस्तान के साथ मिलकर तालिबान के नियंत्रण वाले अफगानिस्तान पर अपना प्रभाव बढ़ाने के तौर पर देखा जा रहा है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि चीन के विदेश मंत्री वांग यी इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान, ईरान, रूस, तजाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्री अथवा उनके प्रतिनिधि बैठक में हिस्सा लेंगे।प्रवक्ता ने कहा कि चीन की मेजबानी में यह बैठक मध्य चीन के अनहुई प्रांत में होगी। इस बैठक में भारत को आमंत्रित नहीं किया गया है। बैठक में भारत को आमंत्रित किए जाने संबंधी सवाल पर वेनबिन ने कहा, मैं पहले ही पूरी जानकारी साझा कर चुका हूं और इसके अलावा मेरे पास कहने को कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि वांग यी बैठक से इतर विदेश मंत्रियों और अफगानिस्तान की कार्यवाहक सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी के साथ भी बातचीत करेंगे। प्रवक्ता ने कहा कि बैठक में कतर और इंडोनेशिया के विदेश मंत्रियों को बतौर मेहमान आमंत्रित किया गया है। अफगानिस्तान के पड़ोसी देशों के विदेश मंत्रियों की दूसरी बैठक गत अक्टूबर तेहरान में हुई थी।

कुर्सी बचाने के लिए इमरान ने एक मुख्यमंत्री कुर्बान किया

इस्लामाबाद। प्रधानमंत्री इमरान खान अपनी कुर्सी बचाने के लिए हर मशक्कत कर रहे हैं। पहले उन्होंने विपक्ष के साथ जा रही पार्टी पीएमएल (क्यू) का समर्थन पाने के लिए पंजाब के अपने पसंदीदा मुख्यमंत्री की कुर्बानी दे दी। अब दूसरी पार्टी एमक्यूएम (पी) को केंद्र सरकार में एक मंत्रालय देने को राजी हो गए हैं।

इमरान को पद से हटाने के लिए सोमवार को नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता शहबाज शरीफ अविश्वास प्रस्ताव पेश कर चुके हैं। 161 सदस्यों के समर्थन के बाद यह प्रस्ताव स्वीकार कर सदन की बैठक दो दिन के लिए स्थगित कर दी गई है। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष असद कैसर के मुताबिक 31 मार्च को सदन में इस अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा होगी। चर्चा के बाद सदन की सहमति से सात दिन के भीतर अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान

कराया जाएगा। माना जा रहा है कि अविश्वास प्रस्ताव पर एक से चार अप्रैल के बीच मतदान होगा।

मतदान से पहले इमरान अपना पक्ष मजबूत करने में जुट गए हैं। इमरान के साथ ही विपक्ष पंजाब में उनके करीबी मुख्यमंत्री उस्मान बुजदार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का ऐलान कर चुका था। इस पर सोमवार को प्रधानमंत्री इमरान खान ने उस्मान बुजदार का इस्तीफा लेकर उनके स्थान पर पीएमएल (क्यू) के नेता चौधरी परवेज इलाही को पंजाब का मुख्यमंत्री मनोनीत किया है। इस मनोनयन के बाद शाम होते-होते पीएमएल (क्यू) ने इमरान के समर्थन का ऐलान कर दिया।

अब इमरान ने एक अन्य राजनीतिक दल एमक्यूएम (पी) को अपने साथ लाने की मशक्कत शुरू की है।